{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 24 जुलाई 2026
आषाढ शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 300
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स -
निफ्टी -
सोना -
चांदी -
डॉलर -

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पेपर लीक, लाठी चार्ज पर संसद से सड़क तक संग्राम...

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक और जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे छात्रों पर लाठी चार्ज मामले को लेकर संसद से सडक़ तक संग्राम चल रहा है। सभी की एक ही मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को संसद भवन के बाहर एनडीए और विपक्ष आमने-सामने आ गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष के सामने एनडीए के सांसद भी विरोध प्रदर्शन में उतर गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनडीए सांसद पीएम आवास के बाहर 21 जुलाई को राहुल के धरने का विरोध कर रहे हैं। वहीं इंडिया ब्लॉक नीट पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है। उधर कॉकरोच जनता पार्टी ने पुलिस बर्बरता के खिलाफ और प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को देशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है।

वहीं संसद के भीतर भी हंगामा जारी रहा। इसके कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। 2 बजे लोकसभा में कार्यवाही शुरू हुई तो भारी हंगामा शुरू हो गया। इस पर सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही हंगामे के चलते 3 बजे तक स्थगित कर दी गई। जब दोबारा सदन शुरू हुआ तो सांसदों ने फिर से हंगामा कर दिया। इसके बाद राज्यसभा भी 24 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई। सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 24 घंटे के दौरान सीजेपी को जेपी नड्डा के आवास या ऑफिस पर बातचीत के लिए चार बार ऑफर भेजा गया है। हालांकि सीजेपी ने ऑफर ठुकरा दिया। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा- सरकार को बात करनी है तो जंतर-मंतर आए या किसी न्यूट्रल जगह पर बातचीत करे। हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे। वहीं देशभर में भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं को लेकर बढ़ती चिंता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे, ताकि दोषियों को जल्द सजा मिल सके। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

चार बार भेजा बातचीत का प्रस्ताव

दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को बातचीत जारी रखने का प्रस्ताव दिया गया। लेकिन सीजेपी के नेतृत्व ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। समाचार एजेंसी एएनआई ने सरकार के सत्रों के हवाले से गुरुवार को यह जानकारी दी। इसी बीच केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारी संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधियों को चार बार औपचारिक बातचीत का प्रस्ताव भेजा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार किसी भी समय, किसी भी जगह और प्रदर्शनकारियों की सुविधा के अनुसार बातचीत करने को तैयार है। हालांकि, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही सीजेपी ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। ऐसे में आंदोलन और सरकार के बीच बना गतिरोध अभी भी कायम है। सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच विवाद पेपर लीक के मामलों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर है। सीजेपी से जुड़े युवा शिक्षा व्यवस्था पर व्यापक चर्चा, परीक्षा प्रणाली में बदलाव और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इसी बीच 25 दिनों से अनशन पर बैठे लद्दाख के शिक्षाविद और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने नरम रुख दिखाया है। उन्होंने कहा कि यदि आंदोलन में शामिल युवाओं पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाते हैं तो वह प्रदर्शनकारियों से फिलहाल आंदोलन स्थगित कर सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील करेंगे।

दोषियों के लिए बनेंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट-पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऐलान किया कि पेपर लीक मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे, ताकि दोषियों को जल्द सजा मिल सके। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा पेपर लीक जैसे अपराधों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अब तक देश में पेपर लीक से जुड़े मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती रही है, जिसके कारण फैसले आने में कई वर्ष लग जाते थे। प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद पहली बार इन मामलों के लिए विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित किए जाने का रास्ता साफ होगा। इससे जांच और न्यायिक प्रक्रिया दोनों में तेजी आने की उम्मीद है।

सरकार चर्चा चाहती तो पहले दिन ही कर लेती-खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के आरोप का खंडन किया कि विपक्ष परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक पर चर्चा से भाग रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार असल में बहस चाहती, तो उसने विपक्ष की पहली मांग पर ही इसकी अनुमति दे दी होती। पत्रकारों से बात करते हुए, खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस मुद्दे पर उनके इरादों पर सवाल उठाया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। खरगे ने कहा अगर वे चर्चा के लिए तैयार होते, तो जिस दिन हमने इसकी मांग की थी, उसी दिन से शुरू हो जाती। वे तैयार क्यों नहीं थे? बाद में, आपने छात्रों पर लाठीचार्ज किया। हम सांसद हैं, लेकिन सत्ताधारी दल के लोगों ने खुद आज दरवाजा बंद कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए। जब तक वे (धर्मेंद्र प्रधान) इस्तीफा नहीं देते, तब तक यह काम नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री अब तक चुप क्यों थे? अगर इस स्थिति के लिए कोई जिम्मेदार है, तो वह प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने खुलेआम अपने सांसदों को छात्रों के आंदोलन का विरोध करने के लिए कहा है। प्रधानमंत्री की मंशा सही नहीं है। उन्होंने कभी भी अहम मुद्दों पर बात नहीं की है। उन्होंने आगे कहा, हम नियम 267 के तहत चर्चा करना चाहते थे। लेकिन सरकार इसके लिए सहमत नहीं हुई। उन्होंने राहुल, प्रियंका और अन्य लोगों का अपमान किया। हम शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद ही किसी भी चर्चा के लिए तैयार होंगे।

दुकानें और रेस्तरां बंद

कनॉट प्लेस में मौजूदा स्थिति को देखते हुए एनडीएमसी ने एहतियातन सभी दुकानें, कार्यालय और रेस्तरां बंद रखने के निर्देश दिए हैं। इसका पालन करते हुए गुरुवार शाम 6:30 बजे प्रतिष्ठान बंद कर दिए गए। इससे आंदोलनकारी छात्रों का आक्रोश और बढ़ गया है। उनका कहना है कि इससे बाहर से आने वाले युवाओं के रहने और खाने की समस्या खड़ी हो गई है।

छात्रों के समर्थन में अन्ना मौन

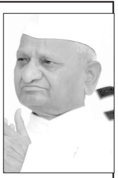

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने गुरुवार को छात्रों के प्रदर्शन के समर्थन में महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में मौन आंदोलन शुरू कर दिया है। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र भी लिखा था। उनका कहना है कि पीएम सर्वोच्च नेता हैं, इसलिए जनता के सवाल उन तक पहुंचाना जरूरी है। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। एक जनहित याचिका में अपील की गई है कि प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली को बंधक बना दिया है। कई सडक़ें बंद हैं और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। गुरुवार सुबह से ही हजारों लोग वहां जमा हैं। पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि भाजपा के भेजे गुंडे प्रदर्शनकारियों के बीच आकर पत्थरबाजी कर रहे हैं।

2024 नीट पेपरलीक के मुख्य आरोपी को क्लीनचिट

पेपरलीक पर देशभर में चल रहे आंदोलनों के बीच 2024 नीट-यूजी के मुख्य आरोपी को क्लीनचिट मिल गई है। सीबीआई ने गुरुवार को बताया कि बिहार पुलिस ने संजीव मुखिया को इस मामले का मुख्य आरोपी बनाया था, लेकिन जांच में उसके खिलाफ प्रश्नपत्र चुराने या लीक करने के सबूत नहीं मिले। संजीव को इस मामले में जमानत मिल गई है, लेकिन वह अभी जेल में ही रहेगा। उस पर सिपाही बहाली पेपर लीक का भी केस है। सीबीआई ने कहा कि एजेंसी ने इस केस में प्रश्न पत्र की चोरी और उसे बांटने में शामिल हर व्यक्ति की पहचान की। उन कैंडिडेट्स की भी पहचान की जिन्हें, क्वेश्चन पेपर से फायदा हुआ। सीबीआई ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की, इसमें 45 लोगों के नाम हैं।

खास खबर

देश के सबसे उम्रदराज विधायक का निधन

आजमगढ़। देश के सबसे उम्रदराज सपा विधायक आलमबदी आजमी का 90 साल की उम्र में निधन हो गया। बुधवार देर रात उन्होंने यूपी के आजमगढ़ के आवास पर अंतिम सांस ली। वह पिछले चार महीने से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में चल रहा था। आज दोपहर 3 बजे उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। आलमबदी आजमी निजामाबाद सीट से पांच बार विधायक रहे। अपनी गांधीवादी छवि के लिए मशहूर आलमबदी आजमी को मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव के करीबी नेताओं में गिना जाता था। 5 महीने पहले वह स्कूटी से विधानसभा पहुंचे थे, तब सुर्खियों में आए थे। आलमबदी के निधन के बाद अब प्रदेश में चार विधानसभा सीटें खाली हो गई हैं। इनमें तीन सीटें सपा और एक सीट भाजपा के खाते की है।

2 आतंकियों के घर पर बुलडोजर चला

अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रशासन ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों के घर ढहा दिए। यह कार्रवाई लाल चौक में पुलिसकर्मी आशिक हुसैन की हत्या के एक दिन बाद की गई। अधिकारियों के मुताबिक, जिन आतंकियों के मकान गिराए गए उनमें बिजबेहड़ा के गुरी गांव निवासी आदिल ठोकर और हसनपोरा निवासी हारून गनई शामिल हैं। दोनों के घरों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में आतंकियों और उनके सहयोगी नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों के मददगारों और उनके ठिकानों पर भी लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

एयरलाइन कंपनी की ऑफिशियल कैब में रेप

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 37 साल की महिला के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप के मुताबिक ड्यूटी पर जा रही प्राइवेट एयरलाइन की महिला केबिन क्रू मेंबर के साथ उसकी ऑफिशियल कैब के ड्राइवर ने रास्ते में दुष्कर्म किया। महिला राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट जा रही थी। पुलिस ने 23 साल के आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 20 जुलाई की है। महिला शमशाबाद से एयरपोर्ट जाने के लिए एयरलाइन द्वारा उपलब्ध कराई गई ऑफिशियल कैब में दोपहर करीब 2.40 बजे सवार हुई थी। कैब को तय रूट से एयरपोर्ट जाना था, लेकिन ड्राइवर उसे रास्ता बदलकर एयरपोर्ट के पास ही एक निर्माणाधीन साइट के पास सुनसान जगह पर ले गया।

कुछ ना कहना

सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द की

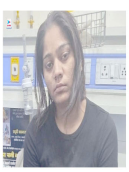

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत रद्द की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वर्तमान चरण में उनकी जमानत जारी रहने से मामले की सुनवाई प्रभावित हो सकती है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस पी.बी. वराले की पीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि मामले का ट्रायल जारी है और इस दौरान आरोपी को जमानत पर रहने देने से न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंच सकती है। इस आधार पर बेल आदेश को निरस्त करना उचित है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी को थोड़ी राहत देकर कहा है कि यदि अगले 6 माह के भीतर ट्रायल पूरा नहीं होता है, तब वह संबंधित ट्रायल कोर्ट में फिर जमानत के लिए आवेदन कर सकती हैं। अदालत ने सोनम रघुवंशी को आत्मसमर्पण करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। उन्हें निर्धारित अवधि के भीतर संबंधित निचली अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना होगा। राजा रघुवंशी हत्याकांड में सोनम मुख्य आरोपी हैं और मामले की सुनवाई फिलहाल निचली अदालत में जारी है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब उन्हें दो सप्ताह के भीतर सरेंडर करना होगा।

504 करोड़ के सरकारी धन गबन में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, चंडीगढ़-लुधियाना में छापेमारी

नई दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने चंडीगढ़ नगर निगम और चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (सीएससीएल) से जुड़े 504 करोड़ रुपये के सरकारी धन गबन मामले में बड़ी कार्रवाई कर चंडीगढ़ और लुधियाना में कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच एजेंसी ने कुल पांच स्थानों पर तलाशी ली, जिसमें गबन की गई राशि के लाभार्थियों के ठिकाने, चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (सीएससीएल) के एक अधिकारी अनुभव मिश्रा का परिसर और कुछ निजी संस्थानों के कार्यालय शामिल हैं। छापेमारी के दौरान सीबीआई को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल स्टोरेज ड्राइव, संपत्ति से जुड़े कागजात, वित्तीय रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्राप्त हुए हैं, जिनकी अब गहन जांच की जा रही है।

यह मामला पहले हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पास था, इस मामले को बाद में राज्य सरकार के अनुरोध पर सीबीआई को सौंपा गया। जांच एजेंसी के अनुसार, यह आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की सेक्टर-32, चंडीगढ़ शाखा से जुड़े बड़े बैंकिंग घोटाले का हिस्सा है, जिसमें हरियाणा सरकार के आठ विभागों के लगभग 504 करोड़ रुपए सरकारी धन को फर्जी फिक्स्ड डिपॉजिट और धोखाधड़ी वाले लेनदेन के जरिए शेल कंपनियों में भेजा गया था। इस मुख्य मामले में सीबीआई अब तक 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिसमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के छह बैंक अधिकारी, हरियाणा सरकार के तीन सरकारी कर्मचारी, दो कंपनियां और छह अन्य व्यक्ति शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, सीबीआई चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश से जुड़े दो अन्य गबन मामलों की भी जांच कर रही है। इनमें चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (सीएससीएल) व नगर निगम चंडीगढ़ से जुड़ा एक मामला और चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (सीआरईएसटी) से संबंधित दूसरा मामला शामिल है। इन दोनों मामलों में भी जांच एजेंसी पहले ही आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है, जिसमें कई बैंक अधिकारी, सरकारी अधिकारी और निजी व्यक्ति आरोपी बनाए गए हैं। सीबीआई ने स्पष्ट किया है कि वह इस पूरे घोटाले में शामिल सभी जिम्मेदार व्यक्तियों को कानून के दायरे में लाने और गबन किए गए सार्वजनिक धन की पूरी श्रृंखला का पता लगाकर उसे वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। जांच लगातार जारी है।

नीट पेपर लीक : सीबीआई को मिला सबूत, मास्टरमाइंड कुलकर्णी सहित 13 पर जल्द चार्जशीट

नई दिल्ली। नीट यूजी परीक्षा पेपर लीक मामले पर मचे देशव्यापी बवाल के बीच, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच में अहम पड़ाव पार किया है। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई इस सप्ताह सेवानिवृत्त प्रोफेसर पीवी कुलकर्णी और 12 अन्य आरोपियों के खिलाफ अपनी पहली चार्जशीट (आरोप पत्र) दाखिल कर सकती है। हालांकि, जांच एजेंसी ने संजीव कुमार मुखिया को क्लीन चिट दे दी है, उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले हैं।

सीबीआई ने दिल्ली की अदालत को बताया था कि मुख्य आरोपियों के मोबाइल से हाथ से लिखे कुल 132 कैमिस्ट्री के सवाल बरामद हुए थे, जिसमें से 111 सवाल सीधे मुख्य नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र से मेल खाते थे। यह महत्वपूर्ण खुलासा मामले में एजेंसी की पुख्ता पकड़ को दिखाता है। मामले में राजनीतिक घमासान बढ़ने के बाद जांच एजेंसी सीबीआई ने जांच और तेज की है। सीबीआई की टीम ने महाराष्ट्र के लातूर में एक प्रतिष्ठित कॉलेज के कैमिस्ट्री प्रोफेसर से छह घंटे तक गहन पूछताछ की। जांच के दौरान उनका मोबाइल फोन जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, उनके मोबाइल में इसतरह के डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जिससे पता चलता है कि नीट परीक्षा से तीन दिन पहले कैमिस्ट्री विषय का प्रश्नपत्र उनके मोबाइल पर भेजा गया था।

पूछताछ में प्रोफेसर ने प्रश्नपत्र खोलने या देखने से इंकार किया है। उनकी बेटी, जो मामले के आरोपी कोचिंग संचालक शिवराज मोटेगावकर के संस्थान की छात्रा है, उस भी नीट का प्रवेश पत्र लेकर बुलाया गया और करीब तीन घंटे तक अलग से पूछताछ की गई थी।

इस बीच, देशभर में छात्र संगठन विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं विपक्ष केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शे न जाने की चेतावनी दी है। मुख्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर बीती सुनवाई में सीबीआई ने इस अपराध को देश के खिलाफ बताकर जमानत का कड़ा विरोध किया था। नीट की रद्द हुई परीक्षा के बाद 21 जून को री-नीट परीक्षा कराई जा चुकी है और उसका परिणाम भी घोषित हो गया है, लेकिन मूल पेपर लीक के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का इंतजार जारी है।

पलामू के गर्भ में छिपा अरबों का खजाना! मिला 1.2 करोड़ टन हाई क्वालिटी ग्रेफाइट

रांची। झारखंड के पलामू जिले से देश की खनिज संपदा को लेकर बड़ी खुशखबरी सामने आई है। सतबरवा प्रखंड के खामडीह और पूर्णाडीह गांवों के बीच करीब 1.2 करोड़ टन (12 मिलियन टन) उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट का विशाल भंडार मिला है। इसे पलामू प्रमंडल में अब तक का सबसे बड़ा ग्रेफाइट भंडार माना जा रहा है। खान एवं भू-तत्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जनवरी-फरवरी में ड्रिलिंग के दौरान ग्रेफाइट की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी। इसके बाद डीजीपीएस सर्वे और डिमार्केशन का कार्य पूरा कर विस्तृत रिपोर्ट विभाग को सौंप दी गई है। इस भंडार में ग्रेफाइट की गुणवत्ता 7.7 ग्रेड कार्बन वाली बताई गई है, जो औद्योगिक उपयोग के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, स्टील और अन्य उद्योगों में ग्रेफाइट की बढ़ती मांग को देखते हुए यह खोज झारखंड के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। इसके साथ ही वर्षों से बंद पड़ी सोकरा क्षेत्र की ग्रेफाइट माइंस को दोबारा शुरू करने की तैयारी भी तेज हो गई है। यदि खनन कार्य शुरू होता है तो क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, औद्योगिक निवेश आएगा और पलामू की आर्थिक तस्वीर बदल सकती है।

अनशन तभी खत्म करेंगे जब केंद्र सरकार स्पष्ट और पक्का आश्वासन दे

वांगचुक ने रखी शर्त- प्रदर्शनों में शामिल छात्रों पर कानूनी कार्रवाई नहीं होगी

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कहा है कि वह अपना आमरण अनशन तभी समाप्त करेंगे जब केंद्र सरकार इस बात का स्पष्ट और पक्का आश्वासन दे कि हालिया प्रदर्शनों में शामिल हुए छात्रों पर कोई दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। वांगचुक ने एक्स पर केंद्रीय मंत्रियों जे पी नड्डा और जितेंद्र सिंह को संबोधित एक पत्र साझा करते हुए अस्पताल में उनसे मुलाकात करने और अनशन खत्म करने की अपील करने के लिए नेताओं का धन्यवाद किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वांगचुक ने बताया कि मंत्रियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। इन मांगों में प्रश्नपत्र लीक के कारण आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिवारों को उचित मुआवजा देना और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए संसद में सार्थक चर्चा कराना शामिल है। इस चर्चा में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के मुद्दे पर भी विचार किया जाएगा। वांगचुक ने साफ किया है कि भूख हड़ताल वापस लेने से पहले एक और अहम आश्वासन जरुरी है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा- मैं सरकार से सम्मानपूर्वक एक स्पष्ट आश्वासन का अनुरोध करता हूं कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले किसी भी युवा प्रदर्शनकारी को किसी भी दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि

इन विद्यार्थियों का एकमात्र अपराध एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा प्रणाली के लिए अपनी आवाज उठाना था। वांगचुक ने 20 जुलाई को निकाले गए चलो संसद मार्च में पुलिस कार्रवाई पर भी चिंता जताई। उन्होंने पुलिस द्वारा किए गए अत्याचारों और अत्यधिक बल प्रयोग के बावजूद प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पूरे देश और दुनिया ने लोकतांत्रिक विरोध के प्रति उनके धैर्य और प्रतिबद्धता को देखा है। वांगचुक ने बताया कि कई राजनीतिक दलों के करीब 65 सांसदों ने उन्हें पत्र लिखकर या मुलाकात कर अनशन समाप्त करने का आग्रह किया है। उनके अनुरोधों को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि वे उन युवाओं की कीमत पर ऐसा नहीं कर सकते जिनके लिए यह आंदोलन शुरू हुआ था। वांगचुक ने लिखा- यदि ऐसा आश्वासन दिया जाता है, तो मैं इस विश्वास के साथ अपना अनशन समाप्त कर दूंगा कि सरकार ने न केवल मेरी अपील सुनी है, बल्कि लाखों युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को भी समझा है। ऐसे आश्वासन के अभाव में, मैं अनिश्चितकाल तक अपना अनशन जारी रखने के लिए मजबूर हो जाऊंगा।

रेलवे के काम से बार बार लग रहा जाम

रेलवे करवा रहा पटरी मरम्मत कार्य, दिनभर में कई बार बन रही जाम की स्थिति, दिनभर आवागमन हुआ प्रभावित, लंबे जाम में घंटो परेशान हुए वाहन चालक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रेलवे विभाग द्वारा चलाए जा रहा रेलवे पटरी का रिन्यूवल कार्य, अब लोगों के लिए सर दर्द बनता नजर आ रहा है। जहां नगरी क्षेत्र में चल रहे इस कार्य के चलते नगर के विभिन्न रेलवे क्रॉसिंग परिसर में रोजाना चक्काजाम की स्थिति देखी जा रही है। जहां पटरियो को बदलने के कार्य के चलते दोनों तरफ का यातायात, लंबे समय के लिए रोका जा रहा है। जिससे जहां एक ओर उक्त मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालक परेशान हो रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर रेलवे फाटक के दोनों ओर 2-2 किलोमीटर दूर तक वाहनों की लंबी कतारे देखी जा रही है।इसके अलावा रेलवे फाटक परिसर में भारी जाम की स्थिति बन रही है। जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ आवागमन करने वाले लोग भी काफी परेशान हो चुके हैं।ऐसा ही कुछ नजारा गुरुवार को नगर के भटेरा और बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग में पटरिया बदलने के समय देखने को मिला।जहां मेंटेनेंस कार्य के चलते आवागमन बंद होने से लोग घंटो जाम में फंसे रहे और करीब एक से डेढ़ घंटे बाद स्थिति सामान्य हुई।

करीब 1 सप्ताह चलेगा काम

रेलवे पटरियां बदलने के इस कार्य के दौरान लंबे जाम की स्थिति देखी गई।हालांकि पुलिसकर्मी यातायात व्यवस्था बहाल करते हुए नजर आए,लेकिन जाम में लोगों को 1 से ढेड़ घंटे का इंतजार करना पड़ा।जिससे लोग काफी हद तक परेशान हो गए। बताया जा रहा है कि पटरी बदलने का यह कार्य नगरी क्षेत्र में करीब एक सप्ताह तक चलेगा। तो वही बालाघाट से लेकर कटंगी तक पूर्व में बिछाई गई रेलवे ट्रैक को बदलने का कार्य आगे भी जारी रहेगा। कुल मिलाकर कहा जाए पटरी बदलने का यह कार्य जिन-जिन रेलवे फाटक के समीप या उसके आसपास होगा, वहां -वहां कुछ ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी और लोगों को आगे भी यूं ही परेशान होना पड़ेगा। हालांकि अधिकारियों द्वारा रेल यात्रियों और आम जनता की सुरक्षा के लिए इस कार्य को जरूरी बताया गया है।

दोनो मार्ग में लगा लंबा जाम,लोग हुए परेशान

बारिश के मौसम में भू स्खलन सहित अन्य मेंटनेंस कार्य आने के कारण इन दिनों रेलवे विभाग खासकर पटरियों का मरम्मत कार्य करवा रहा हैं।नगर के बालाघाट नैनपुर मार्ग के बीच भटेरा चौकी और बूढ़ी रेलवे क्रासिंग में भी गुरूवार से काम शुरू किया गया। इस दौरान दिनभर में कई बार फाटक को बंद करना पड़ा।जिससे दिनभर इस मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ। खासकर दोपहर के समय करीब आधे घंटे तक फाटक को बंद कर दिया गया था। इस दौरान पटरी के दोनों ओर लंबा जाम लग गया था। रिमझिम बारिश होने पर जाम में फंसे लोगों की परेशानी और बढ़ गई। जाम के साथ ही बारिश की समस्या से भी चालकों को जूझना पड़ा।

रात के वक्त मरम्मत कार्य की तेज हुई मांग

पटरियां बदलने के कार्य के चलते यातायात व्यवस्था अवरुद्ध करने, बार बार फाटक बंद रखने से लोग काफी परेशान हुए, वही फाटक समीप लग रहे जाम में फंसे होने के कारण लोगो ने अपनी नाराजगी भी जाहिर की।बताया गया कि राज्य मार्ग होने और इस मार्ग पर अधिकांश स्कूल संचालित होने के कारण यहां दिनभर भारी आवागमन होता है। मरम्मत कार्य के दौरान फाटक बंद कर दिए जाने से बड़ी संख्या में स्कूली वाहन, यात्री बसों के अलावा अन्य छोटे बड़े वाहनों की कतार लग गई थी। लोगों परेशान होकर नाराजगी व्यक्त करते नजर आए। लोगों का कहना था कि यह कार्य रात के समय भी किया जा सकता था। ताकि आवागमन प्रभावित न हो और लोगों को भी परेशानियों का सामना न करना पड़े। यदि कार्य करना ही था तो पूर्व में शहरवासियों को जानकारी दी जानी चाहिए थी, ताकि वे वैकल्पिक मार्ग से आवागमन कर सकें।उधर वाद विवाद और सुरक्षा के लिहाज से दिनभर जहां पुलिस कर्मियों की तैनाती भी की गई थी।

शहर के भीतर का हो चुका है काम- चौधरी

मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान रेलवे स्टेशन बालाघाट प्रबन्धक केएम चौधरी ने बताया कि लोगो की सुरक्षा के हिसाब से बालाघाट से लेकर कटंगी तक रेलवे पटरी को बदलने का कार्य किया जा रहा है।नगर में यह कार्य करीब एक सप्ताह और चलेगा, लोगों को थोड़ी परेशानी जरूर हो रही है लेकिन सुरक्षा के लिहाज से यह कार्य बहुत जरूरी है लगभग शहर का कार्य समाप्त हो गया है। भटेरा व बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग का कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है, अब यहां ऐसी कोई दिक्कत सामने नहीं आएगी। अब यह कार्य बजरंग घाट, गर्रा रेलवे क्रॉसिंग की तरफ आगे बढ़ेगा और यह कार्य आगे बढ़ते हुए वारासिवनी से कटंगी तक जाएगा। जहां-जहां फाटक आएंगे थोड़ी परेशानी लोगों को जरूर होगी लेकिन यह हर किसी की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

आईजी कार्यालय परिसर में अग्रवाल समाज ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को अग्रवाल समाज, बालाघाट द्वारा नगर मुख्यालय स्थित आईजी कार्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के सदस्यों ने दर्जनों छायादार एवं फलदार पौधे रोपकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं नागरिक शामिल हुए। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधरोपण करना चाहिए तथा लगाए गए पौधों की सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हर व्यक्ति यदि प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सकेगा।पौधरोपण कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ के साथ हुआ। समाज के पदाधिकारियों ने भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक एवं पर्यावरणीय कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की बात कही।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट

भवन लीज हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रेमनगर बालाघाट, जिला बालाघाट में भवन क्रमांक एम.आई.जी. -03 श्री एस.एम. चिंचोलकर पिता श्री मधुकर चिंचोलकर को आवंटित है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 05/06/1999 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री एस.एम. चिंचोलकर ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 07/06/1999 के माध्यम से श्री सौरभ पंडोरिया को विक्रय किया है। अत: श्री सौरभपंडोरिया पिता स्व. माधव प्रसाद पंडोरिया द्वारा उक्त भवन उनके लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाषित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट

बन्ना जलाशय की बदहाल नहरों से किसान परेशान

समय पर नहीं पहुंच रहा सिंचाई का पानी, बार-बार शिकायत के बाद भी नहीं हुई मरम्मत, श्रमदान कर नहर सुधारने को मजबूर हुए किसान

पद्मेश न्यूज। बैहर। बंजर नदी परियोजना के अंतर्गत आने वाले बन्ना जलाशय से सिंचित होने वाले ग्राम बन्ना, पिपरिया और मोहब्बट्टा के किसान इन दिनों सिंचाई व्यवस्था की बदहाली से भारी परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि जलाशय से उनके खेतों तक पानी पहुंचाने वाली नहरों का समय पर रखरखाव एवं मरम्मत नहीं कराई गई। जिसके कारण खरीफ सीजन में भी खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है।किसानों का कहना है कि गर्मी के दौरान नहरों की सफाई, मरम्मत और सुधार कार्य होना चाहिए था। लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण ऐसा नहीं हुआ। वर्तमान में नहरें दयनीय स्थिति में हैं। कई स्थानों पर नहर समतल हो गई है। जिससे पानी का प्रवाह रुक जाता है। मुख्य जल निकास द्वार से कुछ ही दूरी पर नहर कई जगह से टूटी हुई है। नहर के बीचों-बीच तथा दोनों किनारों पर झाड़ियां और छोटे-बड़े पेड़ उग आए हैं।जिससे पानी आगे नहीं बढ़ पाता।ग्राम मोहब्बट्टा के किसान बसंत मरकाम, रेवती बाई तेकाम, मेहताब सिंह मेरावी, राजेंद्र सिंह और नन्हू सिंह तेकाम ने बताया कि उन्होंने कई बार कार्यपालन यंत्री कार्यालय पहुंचकर मौखिक एवं लिखित रूप से नहर मरम्मत की मांग की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। समय निकलता गया और विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। अंतत: किसानों ने स्वयं श्रमदान कर नहर को इस योग्य बनाने का प्रयास किया कि वर्षा के दौरान पानी खेतों तक पहुंच सके।इसी प्रकार ग्राम बन्ना के किसानों का कहना है कि गांव के लगभग 98 प्रतिशत परिवारों का मुख्य व्यवसाय कृषि है तथा अधिकांश किसान आदिवासी समुदाय से हैं। किसान अकबर सिंह इनवाती, नंदलाल इनवाती, महिपाल सिंह कुंजन, अशोक यादव और पाल सिंह ने बताया कि जलाशय गांव के समीप होने के बावजूद उन्हें सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। उनके क्षेत्र की नहर जगह-जगह से कट चुकी है और उबड़-खाबड़ होने के कारण पानी आगे नहीं बढ़ता। इससे फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है।किसानों ने शासन एवं जल संसाधन विभाग से मांग की है कि वर्षा ऋतु समाप्त होते ही नहरों की व्यापक मरम्मत, सफाई और जल निकास द्वार का सुधार कार्य कराया जाए, ताकि व्यर्थ बह रहे पानी को रोका जा सके और सिंचाई व्यवस्था सुचारु हो सके। उनका कहना है कि बंजर नदी परियोजना एक बहुउद्देशीय एवं महत्वपूर्ण परियोजना है।इसलिए इसकी उपेक्षा किसानों के हितों के विपरीत है।किसानों ने यह भी बताया कि इस वर्ष समय पर पर्याप्त बारिश होने से धान रोपाई का कार्य शुरू हो गया है। जिससे कुछ राहत मिली है। उनका कहना है कि यदि वर्षा नहीं होती तो नहरों की बदहाल स्थिति के कारण खेती गंभीर संकट में पड़ जाती।गौरतलब है कि बन्ना जलाशय बंजर नदी परियोजना कार्यालय बैहर से लगभग 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसके बावजूद नहरों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। किसानों का आरोप है कि जलाशय परिसर में अनुविभागीय जल संसाधन अधिकारी एवं उपयंत्री के आवास बने हुए हैं। लेकिन अधिकांश आवास लंबे समय से खाली पड़े हैं। पूरी कॉलोनी वीरान नजर आती है। रखरखाव के अभाव में कई सरकारी आवास क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और उनमें लगे लोहे सहित अन्य सामग्री चोरी एवं कबाड़ में जाने लगी है क्षेत्र के किसानों ने शासन से मांग की है कि सिंचाई व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए नहरों का शीघ्र जीर्णोद्धार कराया जाए, ताकि हजारों किसानों को समय पर सिंचाई का लाभ मिल सके और बंजर नदी परियोजना का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सके।

आजाद अध्यापक संघ ने मनाई शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती

120 वी जयंती पर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन,राष्ट्रगान का आयोजन कर किया जयघोष
अध्यक्ष आशीष बोले आजाद जी के विचारों से मिलती है प्रेरणा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश की आजादी में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देश के महान सपूतो और क्रांतिकारियों ने अपना बलिदान दे दिया। जिनके कार्यो और उनके विचारों से आज भी वह, लोगों के दिलो में अजर-अमर है, यही कारण है कि उन्हें याद किया जाता है। गुरूवार 23 जुलाई को भारत माता के सपूत, देश के महान क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की 120 जयंती पर उन्हें नमन किया गया। आजाद अध्यापक संघ के साथियो ने हनुमान चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया और उनके बताए गए मार्गो पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान अध्यापकों ने शहीद चंद्रशेखर आजाद अमर रहे और देशभक्ति नारे लगाए।

शाहिद की जीवनी को किया गया याद

जयंती विशेष के अवसर पर संघ से समस्त पदाधिकारी हनुमान चौक में एकत्र हुए, चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा के नीचे उनका छायाचित्र रख, अध्यापक साथियों ने जलाभिषेक कर तिलक वंदन किया, तो प्रतिमा व छायाचित्र के समक्ष मोमबत्ती प्रज्वलित कर, चंद्रशेखर आजाद की जीवनी को याद किया। जिसमें उन्होंने उनके संघर्ष, उनके बलिदान, देश को आजादी दिलाने में उनका योगदान आदि विषयो पर अपने विचार रखे,वही उनके कार्यो का बखान करते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने और उनकी जीवनी से प्रेरणा लेते हुए संघर्ष करने की बात कही।माल्यार्पण के पश्चात समस्त अध्यापक साथियों द्वारा प्रतिमा स्थल के समक्ष उपस्थित होकर जन गण मन का गायन कर जय घोष किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद केवल एक महान क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि युवाओं के लिए साहस, आत्मसम्मान और राष्ट्रसेवा की जीवंत प्रेरणा हैं। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी, लेकिन कभी भी गुलामी स्वीकार नहीं की। उनका जीवन आज भी देशभक्ति, त्याग और स्वाभिमान का प्रतीक है।शिक्षकों का दायित्व केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि उनमें राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। चंद्रशेखर आजाद के आदर्श नई पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उनके जीवन से युवाओं को साहस, दृढ़ निश्चय और देशहित में समर्पण की सीख मिलती है।इस दौरान उपस्थित शिक्षकों ने अमर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके क्रांतिकारी विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि चंद्रशेखर आजाद का त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति सदैव देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी तथा उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बना रहेगा।

संघर्षों व देशभक्ति की मिलती है प्रेरणा- आशीष बिसेन

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान आजाद अध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष आशीष बिसेन ने बताया कि संघ, आज अपने आदर्श, शहीद चंद्रशेखर की 120 वीं जयंती पर उन्हें याद कर रहा है। उन्होंने बताया कि शहीद चंद्रशेखर आजाद, एक महान क्रांतिकारी, भारत माता के सच्चे सपूत थे। जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। जिनके क्रांतिकारी विचार हमें संघर्षो से ल ?ने और देशभक्ति की प्रेरणा देते है। इसलिए आज जयंती विशेष पर समस्त अध्यापक साथियों द्वारा उन्हें याद कर नमन किया जा रहा है।

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट

भवन लीज हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रेमनगर बालाघाट, जिला बालाघाट में भवन क्रमांक एल.आई.जी. - 95 श्री सुरेश कुमार पिता श्री राधाकिशन को आवंटित है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 18/01/1995 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री सुरेश कुमार पिता श्री राधाकिशन ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 02/03/1995 के माध्यम से श्री वुन्नूलाल भालेकर पिता स्व. जसवंतराव भालेकर एवं श्रीमती अनुसुईया पति ठुन्नूलाल भालेकर को विक्रय किया है। अत: श्री ठुन्नूलाल भालेकर पिता स्व. जसवंतराव भालेकर एवं श्रीमती अनुसुईया पति वुन्नूलाल भालेकर द्वारा उक्त भवन उनके लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाषित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट

न्यायालय तहसीलदार लाँजी,जिला बालाघाट (म0प्र0)

ईस्तहार

रा0प्र0क0/ /अ-20(3)/वर्ष 20
मौजा- कुल्पा प0ह0नं0 41
रा0नि0म0 साडरा तहसील-लांजी जिला बालाघाट (म0प्र0)

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं, कि संत निषादराज बाल वृद्धा समाज सेवा संस्था कुल्पा द्वारा ग्राम कुल्पा स्थित भूमि ख.न. 210/1 रकबा 0.186 हेक्ट, भूमि मे से 0.028 हेक्ट. भूमि पर संत निषादराज बाल वृद्धा समाज सेवा भवन निर्माण किये जाने हेतु भूमि आबंटन किये जाने के तहत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है।

अत: उपरोक्त आवेदन पत्र के सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हैं तो स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं नियत अवधि बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

जारी दिनांक 20/7/2026

तहसीलदार लांजी

विवेक ज्योति स्कूल में स्वास्थ्य जागरूकता एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। बैहर। विवेक ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल बैहर में गुरुवार को स्वास्थ्य जागरूकता एवं प्रेरणादायी करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि चिकित्सकों एवं विद्यालय परिवार द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम में शासकीय चिकित्सालय बैहर से डॉ. कौशल कुमार (एमबीबीएस), डॉ. भारती ठाकरे (आयुष मेडिकल ऑफिसर), डॉ. गोपिका नायर (पीडियाट्रिक डेंटिस्ट), डॉ. मयंक उइके (आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर एवं विद्यालय के पूर्व छात्र), डॉ. यशवंती धुर्वे (एएमओ) तथा एएनएम चंद्रकला बिसेन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अतिथि चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, स्वच्छता अपनाने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने तथा नियमित दिनचर्या का पालन करने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर ही उज्ज्वल भविष्य की नींव है और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना आवश्यक है। चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को चिकित्सा क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर अध्ययन का मंत्र दिया। विद्यालय के पूर्व छात्र एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. मयंक उइके ने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी सफलता की कहानी ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों से जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन और ईमानदारी से उसे प्राप्त करने का प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच से ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। साथ ही विद्यार्थियों से अपने माता-पिता, गुरुजनों और विद्यालय का नाम रोशन करने का संकल्प लेने की अपील की। स्वास्थ्य जागरूकता और प्रेरणा से भरपूर यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं यादगार साबित हुआ।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

जंगल मार्ग पर गिरा विशाल पेड़, कुछ देर बाधित रहा आवागमन, पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर हटाया अवरोध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं का असर अब जिले के जंगल क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। 23 जुलाई को बालाघाट-चिकलाजोड़ी जंगल मार्ग पर एक विशाल पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रुपझर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से पेड़ को हटाकर कुछ ही

समय में मार्ग पर आवागमन दोबारा सुचारु करा दिया गया। जानकारी के अनुसार, सुबह के समय लगातार बारिश और तेज हवा के चलते सड़क किनारे खड़ा एक बड़ा पेड़ जड़ सहित उखड़कर मुख्य सड़क पर गिर गया। पेड़ गिरने से सड़क पूरी तरह बंद हो गई और दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। जंगल क्षेत्र होने के कारण राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि राहत की बात यह रही कि जिस समय पेड़ गिरा, उस दौरान उसके नीचे कोई वाहन या राहगीर नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि या दुर्घटना नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही रुपझर थाना प्रभारी कामेश धूमकेती अपनी टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से कुल्हाड़ी और अन्य उपकरणों के माध्यम से पेड़ की शाखाओं और तने को काटकर सड़क से हटाने का कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद पेड़ को सड़क से हटाया गया और दोनों ओर फंसे वाहनों की आवाजाही फिर से सामान्य हो सकी। थाना प्रभारी कामेश धूमकेती ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची थी। स्थानीय नागरिकों के सहयोग से पेड़ को शीघ्र हटाकर यातायात बहाल कर दिया गया। उन्होंने बताया कि लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं के कारण ऐसे हादसों की आशंका बनी हुई है, इसलिए लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों से गुजरते समय सावधानी बरतें। यदि कहीं सड़क पर पेड़ गिरने, भूस्खलन या अन्य प्राकृतिक अवरोध की स्थिति दिखाई दे तो तत्काल पुलिस अथवा संबंधित विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पाइपलाइन की खुदाई ने छीना रास्ता, कीचड़ में घिरे 12 परिवार, बोले टैक्स पूरा, सुविधाएं शून्य

वार्ड क्रमांक चार के देवटोला में अधूरे निर्माण कार्य से रहवासी परेशान, सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर में विकास कार्यों के दावों के बीच वार्ड क्रमांक-4 स्थित देवटोला क्षेत्र के करीब 10 से 12 परिवार इन दिनों बुनियादी सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। लगभग डेढ़ महीने पहले नगर पालिका ने पाइपलाइन बिछाने के नाम पर यहां की सड़क और नालियों की खुदाई कर दी, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। अब लगातार हो रही बारिश के कारण पूरा रास्ता दलदल में बदल चुका है। घरों तक पहुंचने के लिए लोगों को घुटनों तक कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

23 जुलाई की शाम करीब 5 बजे क्षेत्र के रहवासी एकत्र हुए और नगर पालिका की कार्यप्रणाली के खिलाफ नाराजगी जताई। स्थानीय महिलाओं रेवाबाई खरे और अंजुम खान ने बताया कि नगर पालिका द्वारा पाइपलाइन डालने के लिए सड़क खोदी गई थी। उस समय अधिकारियों और ठेकेदार ने भरोसा दिलाया था कि पाइपलाइन का कार्य पूरा होते ही सड़क का निर्माण कर दिया जाएगा, लेकिन डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी सड़क वैसी ही खोदी हुई पड़ी है। लगातार बारिश के कारण पूरा रास्ता कीचड़ में तब्दील हो गया है और लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि अब उनके लिए घर से बाहर निकलना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। रोजमर्रा की जरूरतों के लिए बाजार जाना हो, बच्चों को स्कूल भेजना हो या बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाना हो, हर बार कीचड़ से भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। कई बार लोग फिसलकर गिर चुके हैं। बच्चों के कपड़े और किताबें तक कीचड़ में खराब हो चुकी हैं। महिलाएं घरेलू सामान लेकर निकलती हैं तो संतुलन बिगड़ने का डर बना रहता है, वहीं बुजुर्गों के लिए यह रास्ता और भी खतरनाक साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बरसात के कारण सड़क पर इतना अधिक कीचड़ जमा हो गया है कि दोपहिया वाहन तक घरों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। यदि किसी घर में अचानक कोई बीमार हो जाए तो एंबुलेंस

या अन्य वाहन का पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। रहवासियों का कहना है कि बारिश के इस मौसम में किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी स्थिति का जायजा लेने तक नहीं पहुंचे। रहवासियों ने नगर पालिका पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि बरसात के मौसम में खुदाई करनी ही थी तो निर्माण कार्य भी समय पर पूरा किया जाना चाहिए था। अधूरा काम छोड़ देने से पूरे क्षेत्र के लोगों का जीवन प्रभावित हो गया है। उनका कहना है कि विकास कार्यों की योजना बनाते समय आम नागरिकों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए, लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। क्षेत्र की महिलाओं ने बताया कि उन्होंने कई बार नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों से संपर्क कर सड़क निर्माण की मांग की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। समस्या का समाधान नहीं होने पर करीब 12 परिवारों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन वहां भी कोई राहत नहीं मिली। उनका आरोप है कि अधिकारी शिकायत का निराकरण करने के बजाय केवल सीएम हेल्पलाइन बंद कराने का दबाव बनाते हैं। वास्तविक समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। रहवासियों ने यह भी बताया कि रात के समय स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। क्षेत्र में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट नहीं होने के कारण अंधेरे में कीचड़ भरे रास्ते से गुजरना जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। उन्हें हर समय सांप, बिच्छू और अन्य विषैले जीव-जंतुओं का भय बना रहता है। बच्चों और महिलाओं को अकेले बाहर निकलने में डर लगता है। कई बार लोग टॉर्च की रोशनी में घर तक पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका उनसे नियमित रूप से संपत्ति कर और अन्य करों की वसूली तो करती है, लेकिन बदले में मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं करा पा रही है। सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट और सुरक्षित आवागमन जैसी आवश्यक सुविधाओं का अभाव उनके लिए बड़ी समस्या बन गया है। उनका सवाल है कि जब नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं तो नगर पालिका अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा रही।रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सड़क का निर्माण कर आवागमन की व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो वे नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उनका कहना है कि वे किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं कर रहे, बल्कि केवल ऐसी सड़क चाहते हैं, जिस पर बिना डर और बिना कीचड़ में फिसले अपने घर तक पहुंच सकें। वर्तमान स्थिति में विकास कार्य लोगों के लिए सुविधा नहीं, बल्कि परेशानी का कारण बन गए हैं।

रेसलर सांगा ने बालाघाट में दिया नशामुक्ति का संदेश, बोले नशा नहीं, लक्ष्य को बनाइए अपनी पहचान

पुलिस के नशे से दूरी है जरूरी अभियान में शामिल हुए अंतरराष्ट्रीय रेसलर सौरभ गुर्जर उर्फ सांगा, रोड-शो के बाद विद्यार्थियों से किया संवाद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान को नई ऊर्जा मिली, जब अंतरराष्ट्रीय रेसलर एवं अभिनेता सौरभ गुर्जर उर्फ सांगा बालाघाट पहुंचे। शहर में आयोजित रोड-शो और जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने युवाओं और स्कूली विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच जरूरी है, जबकि नशा व्यक्ति के सपनों, परिवार और भविष्य को बर्बाद कर देता है। कार्यक्रम की शुरुआत शहर में खुले वाहन पर निकाले गए रोड-शो से हुई। गोंदिया रोड से शुरू हुए इस जागरूकता रैली में करीब ढाई से तीन सौ छात्र-छात्राएं हाथों में नशामुक्ति के संदेश लिखी तख्तियां लेकर शामिल हुए। लगभग डेढ़ किलोमीटर तक निकले इस रोड-शो के दौरान विद्यार्थियों ने लोगों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया। रास्ते भर नशे से दूरी है जरूरी जैसे नारों से वातावरण गूंजता रहा। रोड-शो के बाद गोंदिया रोड स्थित एक निजी लॉन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां रेसलर सौरभ गुर्जर उर्फ सांगा और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने भी नशे से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे, जिनका दोनों वक्ताओं ने सरल और प्रेरणादायक तरीके से उत्तर दिया। अपने संबोधन में रेसलर सांगा ने कहा कि नशा शब्द की जड़ नाश है और इसका परिणाम भी केवल विनाश ही होता है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जब नशे की लत में पड़ता है तो केवल उसका जीवन ही प्रभावित नहीं होता, बल्कि पूरा परिवार मानसिक, सामाजिक और आर्थिक संकट का सामना करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने जीवन का लक्ष्य तय करें और उसी दिशा में मेहनत करें। खेल, शिक्षा और अच्छे संस्कार ही युवाओं को सही रास्ता दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल का जिम्मेदार नागरिक बनेगा। यदि युवा नशे से दूर रहेंगे तो समाज और देश दोनों मजबूत होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें और यदि उनके आसपास कोई नशे की गिरफ्त में है तो उसे समझाकर सही रास्ते पर लाने का प्रयास करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि नशे की शुरुआत अक्सर शौक के रूप में होती है, लेकिन धीरे-धीरे वही शौक आदत और फिर लत में बदल जाता है। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग यह सोचकर पहली बार नशा करते हैं कि वे कभी भी इसे छोड़ देंगे, लेकिन समय के साथ यही आदत उनके जीवन पर नियंत्रण कर लेती है। एसपी ने चिंता जताई कि वर्तमान समय में नशे की प्रवृत्ति केवल युवकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छात्राओं में भी इसका प्रभाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है और इसे रोकने के लिए परिवार, विद्यालय, समाज और पुलिस सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने मित्रों के दबाव में आकर कभी भी नशे की शुरुआत न करें। यदि कोई व्यक्ति उन्हें नशे की ओर प्रेरित करता है तो उसका विरोध करें और जरूरत पड़ने पर इसकी जानकारी पुलिस या अपने परिजनों को दें। उन्होंने कहा कि बालाघाट पुलिस का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि जागरूकता के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रखना है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। बालाघाट पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिले में नशे से दूरी है जरूरी अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और स्कूलों, कॉलेजों तथा सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाता रहेगा। पुलिस का मानना है कि यदि युवा पीढ़ी को समय रहते जागरूक किया जाए तो समाज को नशे जैसी गंभीर सामाजिक बुराई से काफी हद तक मुक्त किया जा सकता है।

140वें जन्मोत्सव पर भक्ति में डूबा प्रेम प्रकाश आश्रम, संत भोलाराम जी के सत्संग से गूंजा बालाघाट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्री प्रेम प्रकाश आश्रम, बालाघाट में युगपुरुष आचार्य सद्गुरु स्वामी टेऊँराम जी महाराज का 140वां जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। तीन दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सेवादार और संतजन शामिल हुए। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति, सेवा और आध्यात्मिक वातावरण का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन, सत्संग, पालकी यात्रा, हवन-यज्ञ, 56 भोग, विशाल भंडारा सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। जन्मोत्सव की शुरुआत 17 जुलाई को रंगोली प्रतियोगिता से हुई, जिसमें महिलाओं एवं युवतियों ने आकर्षक धार्मिक और सांस्कृतिक रंगोलियां बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसके अगले दिन 18 जुलाई को बच्चों के लिए सांस्कृतिक एवं नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। नन्हे कलाकारों ने भक्ति गीतों और धार्मिक प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। आयोजकों ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और संतों के आदर्शों से जोड़ना है। जन्मोत्सव के मुख्य आयोजन के तहत 21 जुलाई को गोंदिया से संत श्री भोलाराम जी का बालाघाट आगमन हुआ। आश्रम पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए शामिल हुए। आश्रम परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ संपन्न हुआ तथा भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। साथ ही प्रेम प्रकाश ग्रंथ और श्रीमद्भगवद्गीता का विधिवत पाठ एवं व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें संतों ने आध्यात्मिक जीवन, मानव सेवा और सद्गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। शाम छह बजे प्रेम प्रकाश आश्रम से भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। सजे-धजे रथ, भजन मंडलियों और श्रद्धालुओं के जयकारों के बीच निकली यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पालकी यात्रा का स्वागत किया तथा

पुष्पवर्षा कर संतों का अभिनंदन किया। पूरे नगर में भक्ति और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। पालकी यात्रा के आश्रम पहुंचने के बाद संत श्री भोलाराम जी ने सत्संग को संबोधित करते हुए सद्गुरु स्वामी टेऊँराम जी महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक विचारों और मानव सेवा के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संतों का जीवन समाज को प्रेम, सेवा, सद्भाव और मानव कल्याण का मार्ग दिखाता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति संतों के बताए मार्ग पर चले तो समाज में प्रेम, शांति और सदाचार की स्थापना संभव है। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में आश्रम समिति, सेवादारों और श्रद्धालुओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। पूरे आयोजन के दौरान आश्रम परिसर जय झूलेलाल, सद्गुरु महाराज की जय और भक्ति गीतों से गुंजायमान रहा, जिससे श्रद्धालु आध्यात्मिक आनंद का अनुभव करते नजर आए।

महिला थाना पुलिस ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी में चलाया जागरूकता अभियान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत गुरुवार को महिला थाना बालाघाट पुलिस ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया तथा सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी किरण वरकड़े और उनकी पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और भविष्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। नशीले पदार्थों का सेवन न केवल शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को प्रभावित करता है।बल्कि व्यक्ति को अपराध और सामाजिक बुराइयों की ओर भी धकेल सकता है। इसलिए युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों, परिवार तथा समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। साथ ही यदि कहीं अवैध रूप से नशीले पदार्थों का कारोबार या सेवन होता दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जा सके।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक कर स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाएंगे।विद्यालय प्रबंधन ने इस जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नीट पेपर लीक के विरोध में विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री की पुतले की निकाली अर्थी, किया दहन

महामहिम राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की, मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों, परीक्षा संचालन में अनियमितताओं और छात्र-छात्राओं के भविष्य से हो रहे खिलवाड़ से नाराज विद्यार्थियों ने 23 जुलाई को लालबर्रा में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर क्षेत्र के युवाओं और विद्यार्थियों ने सांकेतिक धरना दिया। इसके बाद शिक्षा मंत्री के प्रतीकात्मक पुतले का अर्थी जुलूस निकालकर उसका दहन किया गया।

राजाभोज कृषि मंडी काम्पलेक्स परिसर में हुई सभा

नीट पेपर लीक सहित अन्य परीक्षाओं के संचालन में बरती जा रही अनियिमितता एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की इस्तीफा की मांग को लेकर 23 जुलाई को लालबर्रा क्षेत्र के युवा एवं विद्यार्थियों के द्वारा राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इस एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन के दौरान युवाओं और विद्यार्थियों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा कोई व्यापार नहीं, बल्कि छात्रों का मौलिक अधिकार है, वर्तमान नीतियों से शिक्षा का निजीकरण हो रहा है और बार-बार पेपर लीक होने से युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है, लेकिन सरकार इन मामलों को नजरअंदाज कर रही है। इस तरह से देश की सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। आगे यह भी कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठियां बरसाई जा रही हैं, जो सरासर अन्याय है। कई छात्र हताशा में आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हैं, लेकिन सरकार पूरी तरह संवेदनहीन बनी हुई है। प्रदर्शनकारियों ने छात्र विरोधी नीतियों को वापस लेने, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को तत्काल पद से हटाने की मांग की है।

रैली निकालकर नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

मंडी काम्पलेक्स प्रांगण में सभा संपन्न होने के बाद युवा एवं विद्यार्थियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का प्रतीकात्मक पुतला (अर्थी) बनाकर मंडी प्रांगण से शव यात्रा रैली निकाली। यह रैली मुख्य मार्गों और सब्जी मंडी से होते हुए बस स्टैंड पहुंची, जहां नारेबाजी के बीच केन्द्रीय शिक्षा मंत्री का पुतले का दहन किया गया। वहीं पुतला दहन के पश्चात विद्यार्थियों की आक्रोश रैली पुन: मंडी प्रांगण पहुंची, जहां नायब तहसीलदार विनोद कुराम को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। राष्ट्रपति के नाम सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि देश में लगातार पेपर लीक होने से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में भारी असंतोष व चिंता व्याप्त है। छात्र प्रतिनिधियों ने कहा कि शिक्षा मंत्री परीक्षाओं के पारदर्शी संचालन और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा में विफल रहे हैं, इसलिए उन्हें अपने पद से तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ और जिम्मेदारी तय नहीं की गई, तो देशभर में उग्र आंदोलन किया जायेगा।

सोई सरकार को जगाने के लिए किया गया धरना प्रदर्शन - अंकित

युवा अंकित पिपलोद ने बताया कि नीट पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों को लेकर युवाओं एवं छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर सोई हुई सरकार को जगाने के लिए लालबर्रा में धरना प्रदर्शन कर सरकार की नीतियों का विरोध किया गया है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान युवाओं की समस्याओं और लगातार हो रहे पेपर लीक को रोकने में पूरी तरह से विफल साबित हुए है। श्री पिपलोद ने बताया कि पेपर लीक होने से युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है और कई युवा आत्महत्या जैसे कदम उठा रहे है और जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर पेपर लीक के मामले एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है तो उन पर लाठियां बरसाई जा रही है जो गलत है। लालबर्रा के युवाओं के द्वारा विरोध प्रदर्शन कर रैली निकालकर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के पुतले का दहन कर महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर जायज मांगों को पूरा किये जाने की मांग की है और जल्द ही केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को पद से नही हटाया गया तो पूरे भारत में छात्र-छात्राएं एकजुट होकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। देश का युवा अब अपने भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगा।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दे-मनीष

मनीष कुशवाहा ने बताया कि पेपर लीक का मामला देश ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख को बट्टा लगा रहा है। दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर पूरे देश में शिक्षा नीति और पेपर लीक के खिलाफ विरोध की लहर है। केंद्र की गलत नीतियों और भ्रष्ट व्यवस्था के कारण युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। जिससे पूरे देश में विरोध प्रदर्शन कर सरकार की नीतियों काविरोध किया जा रहा है। लेकिन सरकार इतने बड़े मुद्दे में चुप बैठी हुई है और देश के युवाओं का भविष्य को खराब करने में लगी है। श्री कुशवाहा ने बताया कि वर्तमान में देश की शिक्षा नीति का निजीकरण किया जा रहा है और बार-बार पेपर लीक हो रहे है जिससे देश के युवा एवं उनके अभिभावक चिंतित है, इसलिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से मांग है कि वे तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे ताकि युवाओं के अधिकार सुरक्षित रह सके।

पीएचई विभाग का खुला सीवेज चैंबर दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण, बंद करने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के रोड किनारे नल-जल योजना का सीवेज चैंबर खुला हुआ है। जो दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है क्योंकि मार्ग से गुजरते समय अगर पीएचई विभाग का खुला सीवेज चैंबर दिखाई नही दिया जो व्यक्ति उसमें गिर घायल हो सकता है। इसलिए ग्रामीणजन एवं आने-जाने वालों ने पंचायत एवं पीएचई विभाग से चैंबर के ऊपर सीमेंट का ढक्कन लगाने की मांग की है ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना घटित न हो सके। आपकों बता दे कि पीएचई विभाग के द्वारा नल-जल योजना की पाइपलाईन के माध्यम से पानी प्रदाय करने के लिए रोड़ किनारे सीवेज चैंबर बनाया गया है जहां से पानी प्रदाय करने के लिए चालू किया जाता है। इसी तरह ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. में भी नल-जल योजना के तहत घर-घर नल कनेक्शन किया गया है और ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय करने के लिए जगह-जगह सीवेज चैंबर बनाया गया है जिसके माध्यम से अलग-अलग वार्डो में पानी प्रदाय किया जाता है। लेकिन टेकाड़ी ला. से चिखलाबड्डी पहुंच मार्ग पर पीएचई विभाग का सीवेज चैंबर खुला हुआ है जो रोड़ किनारे है जो दुर से दिखाई देता है। अगर कोई ब'चा खेलते हुए एवं सड़क से गुजरते समय खुले चैंबर को देखता है तो वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर सकता है। साथ ही अंधेरे में गुजरते समय ग्रामीणजन भी खुले चैंबर में गिर सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है इसलिए ग्रामीणजनों ने पीएचई विभाग व ग्राम पंचायत से खुले चैंबर में सीमेंट का ढक्कन लगाने की मांग की है।

बिरसोला से बुट्टा ह. पहुंच मार्ग पर बेरिकेट्स लगाने एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

लवादा टोल प्लाजा के टैक्स से बचने बिरसोला की ओर से गुजर से चौपहिया वाहन, सड़क हो रही खराब, जिम्मेदार मौन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर बालाघाट-सिवनी मार्ग स्थित ग्राम पंचायत बिरसोला से बुट्टा हजारी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है। जिसका मुख्य कारण है लवादा टोल प्लाजा के टैक्स से बचने के लिए चौपहिया वाहन चालक बिरसोला से बुट्टा हजारी पहुंच मार्ग से आवागमन कर रहे है। जिससे मार्ग खराब होने लगा है एवं गांव के अंदर से चौपहिया वाहन गुजरने से दुर्घटनाएं भी घटित होने की संभावना बनी हुई है। बिरसोला से बुट्टा ह. पहुंच मार्ग पर बेरिकेट्स लगाने एवं भारी चौपहिया वाहनों के साथ ही अन्य वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की पुलिस प्रशासन एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने सड़क विभाग से की है ताकि सड़क सुरक्षित रह सके और आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। ग्रामीणों ने बताया कि बिरसोला से बुट्टा हजारी पहुंच मार्ग जगह-जगह से खराब हो चुकी है जिसका मुख्य कारण है कि लवादा में स्थित टोल प्लाजा (नाका) का टैक्स (कर) बचाने के लिए चौपहिया वाहन चालक बिरसोला होते हुए बालाघाट की ओर जा रहे है परन्तु भारी चौपहिया वाहनों के चलने से डामरीकरण सड़क बदहाल हो चुकी है। इस तरह से चौपहिया वाहनों के गुजरने से बड़े-बड़े गड्ढे बन गये है और बारिश होने पर गड्ढों में पानी जमा रहने से गड्ढे दिखाई नही दे रहे है। जिससे हर समय बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है और पुर्व में हादसे भी हो

चुके है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। आगे बताया कि यह मार्ग बहुत कम सकरी है सिर्फ एक ही वाहन गुजर पाता है और इस मार्ग के दोनों ओर किसानों की खेती है, वर्तमान में धान रोपाई का कार्य जारी है, इसी मार्ग से स्कूली बच्चें भी बिरसोला पढ़ाई करने आते है परन्तु चौपहिया वाहन बालाघाट-सिवनी मार्ग के लवादा स्थित टोल प्लाजा के टैक्स से बचने के लिए बिरसोला से बुट्टा ह. पहुंच मार्ग से गुजरते। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में सकरी गलियां रहती है साथ ही सड़क खराब होने से छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है, भविष्य में बड़ा हादसा घटित हो सकता है। इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि बिरसोला-बुट्टा ह. पहुंच मार्ग पर बेरिकेटस लगाये और तेज गति से गुजर रहे वाहनों की गति पर प्रतिबंध लग सके एवं सड़क विभाग सड़क का मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

सड़क में बने गड्डे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण - लक्ष्मीनारायण

बुट्टा हजारी के पूर्व उपसरपंच लक्ष्मीनारायण झंझाड़े ने बताया कि बिरसोला से बुट्टा हजारी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और जगह-जगह से डामर उखड़ने के साथ ही गड्डे बन गये है। ऐसी स्थिति में आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि इस मार्ग का डामरीकरण निर्माण पूर्व में किया गया है ग्रामीण स्तर के वाहनों की आवाजाही को देखते हुये । लेकिन बालाघाट सिवनी मार्ग पर स्थित लवादा टोल प्लाजा में लगने वाले रोड़ टैक्स से बचने के लिये भारी वाहन व यात्री वाहन बिरसोला से बोट्टा हजारी पहुंच मार्ग का उपयोग कर रहे है। जिससे इस मार्ग पर दबाव अधिक पड़ने से सड़क खराब हो रही है और इस मार्ग पर यातायात अधिक होने से ग्रामीणों को दुर्घटनाएं घटित होने का डर भी सताते रहता है। श्री झंझाड़े ने बताया कि वर्तमान में सड़क बदहाल हो चुकी है और सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि सड़क का जल्द मरम्मत कार्य एवं बेरिकेट्स लगाये ताकि भारी वाहन इस मार्ग से न जाये।

अस्पताल में एंटी स्नेक, रेबीज पर्याप्त मात्रा में रखा जाये-दीपक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीयजनों के हित में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व इनके अंतर्गत आने वाले उपस्वास्थ्य केंद्रों में एंटी स्नैक व एंटी रैबीज के टीके पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाने की अपील स्वास्थ्य विभाग से की है। चर्चा में जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि बरसात प्रारंभ हो चुकी है और इस बारिश के मौसम में जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बढ़ जाता है। इन जहरीले जीव-जंतुओं का शिकार नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अक्सर

बारिश के दिनों में होते रहते है। वहीं बरसात में आवारा कु त्तों के पागल होने का भी डर बना रहता है एवं ये पागल कु त्ते आम लोगों को काटकर उन्हे हानि पहुंचाते है। श्री कावरे ने बताया कि इस तरह की घटना हर समय बारिश के दिनों में देखने को मिलती है इसलिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा के खण्ड चिकित्सा अधिकारी से मांग है कि वे इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल में जहरीले जीव जंतु व कुत्ते के काटने से बचाव के लिये उपयोग में आने वाली दवाईयां पर्याप्त मात्रा में रखे। जिससे आमजन मानस को इन दवाईयों के लिये कहीं भटकना न पड़े और उनका इलाज समय पर ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आसानी से हो सके।

बारिश होने से क्षेत्र के किसानों ने शुरू किया परहा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गत दिवस से बारिश हो रही है और खेतों में पानी भी जमा हो चुका है। वहीं लालबर्रा सहित खमरिया क्षेत्र में हुई बारिश से किसानों के चेहरे खिल गये है क्योंकि गत 3-4 दिनों से रात्रि एवं दिन के समय हुई बारिश से पूरा क्षेत्र तरबतर हो गया है और इस बारिश से खेतों में पानी जमा हो गया है एवं जिन्होने पूर्व में बीज बुआई कर दिये थे। जिनकी खार रोपाई कार्य के लिए तैयार हो चुकी है ऐसे किसानों के द्वारा परहा का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है यानि कि किसानों ने अब धान की रोपाई कार्य (परहा) लगाने का कार्य युध्द स्तर पर प्रारंभ कर दिया है। किसानों ने बताया कि क्षेत्र में विगत कुछ दिनों से किसानों के द्वारा जोरदार बारिश का इंतजार किया जा रहा था। जिसके बाद गत दिवस दिन व रात्रि के समय हुई बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे है और पर्याप्त बारिश होने से किसानों के द्वारा परहा (रोपाई) का कार्य प्रारंभ कर दिया गया गया है।

बालाघाट में मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन पर स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य निर्वाचन आयोग, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के तहत अंतिम प्रकाशन के संबंध में गुरुवार 23 जुलाई को कलेक्ट्रेट में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी.एस. धुर्वे (आईएएस) ने की। बैठक में निर्वाचन प्रवर सहायक अधीक्षक (स्थानीय निर्वाचन) दीपक चौरगड़े, इलेक्शन सुपरवाइजर तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और इंडियन नेशनल कांग्रेस (कांग्रेस) के प्रतिनिधियों ने मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव और विचार रखे। बैठक के दौरान डुप्लीकेट मतदाताओं पर की जा रही कार्रवाई, ऑनलाइन मतदाता पंजीयन, दावा-आपत्ति केंद्रों की स्थापना एवं उनके

निराकरण, राजनीतिक दलों को मतदाता सूची उपलब्ध कराने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची की एक-एक प्रति उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रदान की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी.एस. धुर्वे ने कहा कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के साथ समन्वय बनाए रखते हुए आयोग के निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं विश्वसनीय बन सके।

झालीवाड़ा-खापा जर्जर सड़क से ग्रामीण पस्त

बारिश में कीचड़ और नुकीले पत्थरों से रहागीरो का आवागमन हुआ दुभर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत झालीवाड़ा से खापा को जोड़ने वाला मार्ग बारिश के मौसम में पूरी तरह जर्जर और खस्ताहाल हो चुका है। करीब ४ किलोमीटर लंबा यह कच्चा मार्ग वर्तमान में जगह जगह दलदल, पानी से भरे गड्ढों और नुकीली गिट्टियों के कारण ग्रामीणों और राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। शासन प्रशासन की उपेक्षा के चलते आक्रोशित ग्रामीण अब मजबूरी में दुर्घटनाओं और कीचड़ के बीच से सफर करने को मजबूर हैं।

दो क्षेत्रों के बीच सेतु है यह मार्ग

झालीवाड़ा के मुख्य चौक से शुरू होकर खापा तक जाने वाला यह ४ किलोमीटर का कच्चा मार्ग दो अलग अलग क्षेत्रों को आपस में जोड़ता है। बाईपास के रूप में उपयोग होने के कारण लोग इसी मार्ग से आवागमन करते हैं, क्योंकि यदि इस रास्ते का उपयोग ना किया जाए तो मुख्य मार्ग से लगभग ५ किलोमीटर से अधिक का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है। समय और दूरी बचाने के चक्कर में रोजाना सैकड़ों लोग इस जोखिम भरे रास्ते का चुनाव करने को मजबूर हैं। इस मार्ग पर प्रतिदिन भारी यातायात बना रहता है झालीवाड़ा हाई स्कूल में विद्या अध्ययन करने के लिए खापा, खंडवा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से रोज सैकड़ों विद्यार्थी इसी मार्ग से आते जाते हैं। कृषि कार्यों के लिए किसान और अपनी दैनिक जरूरतों व व्यापार के सिलसिले में ग्रामीण एवं व्यापारी इसी रास्ते पर निर्भर हैं। रास्ते में भारी फिसलन और कीचड़ होने के कारण आए दिन दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल हो रहे हैं। कई बार स्कूली बच्चों के कपड़े कीचड़ में खराब हो जाते हैं, जिसके कारण उन्हें पढ़ाई छोड़कर बीच रास्ते से ही घर वापस लौटना पड़ता है। बारिश के कारण पूरे मार्ग की हालत इतनी दयनीय हो गई है कि सड़क पर पड़े छोटे बड़े नुकीले गिट्टी.पत्थर बाहर निकल आए हैं। पानी से भरे गड्ढों में इन पत्थरों का अंदाजा ना होने से वाहन फिसल रहे हैं और लोग चोटिल हो रहे हैं। राहगीरों को जान जोखिम में डालकर बेहद संभालकर निकलना पड़ रहा है। इस पक्के मार्ग के निर्माण को लेकर कई बार जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायतें दी जा चुकी हैं। परंतु आज तक किसी भी जिम्मेदार ने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। प्रशासनिक उदासीनता का ही नतीजा है कि वर्षों बाद भी यह महत्वपूर्ण रास्ता कच्चा ही पड़ा है और हर मानसून में ग्रामीणों को नारकीय स्थिति का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस ४ किलोमीटर लंबे मार्ग का जल्द से जल्द पक्का निर्माण कराया जाए । ताकि लोगों को इस रोजाना की समस्या और संभावित बड़े हादसों से राहत मिल सके।

झालीवाड़ा से खापा मार्ग की हालत जर्जर-इंद्रभूषण पटले

ग्रामीण डॉ. इंद्रभूषण पटले ने बताया कि झालीवाड़ा से खापा जाने का यह मार्ग है इस सड़क से रोजाना खापा ,खंडवा सहित अन्य ग्राम के विद्यार्थी झालीवाड़ा पढ़ाई करने के लिए आते हैं। क्योंकि हाई स्कूल झालीवाडा में है खापा में नहीं सभी बच्चों को रोज इसी कच्चे मार्ग से आना होता है। यहां पर भयंकर कीचड़ और समस्या बनी हुई है मजबूरी है कि किसान व्यापारी विद्यार्थी हर कोई यहीं से आना जाना कर रहा है। जबकि इस रोड़ की हालत पैदल चलने लायक नहीं है पैदल चलना भी यहां पर मुश्किल काम है ऐसे में विद्यार्थी रोज आते जाते हैं। कई बार गिर जाते हैं चोटिल हो जाते हैं कपड़े खराब हो जाते हैं पैदल वापस घर जाना पड़ता है रोड पर आज तक किसी ने ध्यान नहीं दिया है। यह आने जाने का हमारे लिए सरल मार्ग है और हर साल बरसात में इस मार्ग की स्थिति यही हो जाती है कि पूरा कीचड़ फैल जाता हैं। इसका निर्माण किया जाना चाहिए और हो सके तो पक्का मार्ग बनाना चाहिये।

बारिश में विद्यार्थीयों का स्कुल जाना हुआ दुभर-परमानंद पारधी

ग्रामीण परमानंद पारधी ने बताया कि झालीवाड़ा या हमारे आसपास के किसी भी ग्रामीण को बोतलकसा, खापा, खंडवा जाना होता है तो यहीं से आना जाना करते हैं। मार्ग पर रोज हादसे होते हैं लोग गिर जाते हैं क्योंकि साइकिल और मोटर साइकिल स्लिप होती है। कई बार कीचड़ में फंस जाती है करीब ६० से अधिक बच्चे रोजाना झालीवाड़ा स्कूल पढ़ने आते हैं। उसके साथ पूरे मार्ग पर खेत की भूमि है जहां किसान खेती करने आते हैं और ग्रामीण सहित व्यापारी ग्रामीण क्षेत्र के लिए आना जाना करते हैं। ऐसे में प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही है स्कूली बच्चों के तो कपड़े खराब हो जाते हैं तो उन्हें वापस जाना पड़ता है ,यह बायपास मार्ग है इसका उपयोग हर कोई करता है पर निर्माण आज तक नहीं हुआ है। यदि दूसरा रास्ते से जाते हैं तो ५ किलोमीटर से अधिक चक्कर लगाना पड़ेगा। यह चलने लायक सड़क नहीं है परंतु मजबूरी है जो लोगों को इधर से उधर आने जाने परेशान कर रही है। इसमें छोटे बड़े गड्ढे हैं जिनमें पानी भरा है समझ नहीं आता है कीचड़ कुछ स्थानों पर बहुत ज्यादा है सुधार होना चाहिए।

कार का दरवाजा खुलने से बाइक सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम पंचायत वारा के शिवधाम मोहल्ले में २३ जुलाई को एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। मार्ग पर खड़ी एक कार का अचानक दरवाजा खोल दिए जाने के कारण बाइक से गुजर रहे ६५ वर्षीय बुजुर्ग हबीबुल रहमान उससे टकराकर सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनके पैर की हड्डी टूट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी के वार्ड क्रमांक १४ निवासी हबीबुल रहमान शेख उम्र ६५ वर्ष की बेटी शिवधाम मोहल्ले में रहती हैं। बेटी के घर का रसोई गैस सिलेंडर खत्म हो जाने पर उसने अपने पिता को इसकी जानकारी दी थी। हबीबुल रहमान अपनी बेटी की मदद के लिए गैस सिलेंडर लेकर उनके घर गए थे। सिलेंडर पहुंचाकर

जब वह वापस अपने घर लौट रहे थे तभी यह हादसा घटित हुआ। परिजनों के अनुसार रास्ते में एक अज्ञात कार खड़ी थी कार मालिक या चालक के द्वारा पीछे की सीट पर किसी सदस्य को बैठाने के उद्देश्य से अचानक कार का दरवाजा खोल दिया गया। हबीबुल रहमान जब वहां से गुजर रहे थे तो वे अचानक खुले इस दरवाजे से जा टकराए और अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े। टक्कर इतनी तेज थी कि उनके पैर की हड्डी टूट गई और वे मौके पर ही तड़पने लगे। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद परिचितों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल हबीबुल रहमान को उसी कार के माध्यम से तत्काल वारासिवनी के सिविल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया लेकिन चोट की गंभीरता और पैर में फ्रैक्चर को देखते हुए उन्हें बेहतर और उच्च स्तरीय इलाज के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट रिफर कर दिया गया।

मायके आकर पत्नी और ससुर से मारपीट व दहेज प्रताड़ना, पति समेत ४ लोगो पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दहेज में फोर.व्हीलर वाहन नही लाने की बात को लेकर विवाहिता को प्रताडित करने तथा मायके पहुंचकर मारपीट, अभद्र व्यवहार एवं जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। वारासिवनी पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति, जीजा, ननदोई और ननद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता आशा गढ़पाले ३७ वर्ष निवासी लिंगा हाल मुकाम कालागोटा मंगेझरी का विवाह वर्ष २०१४ में शशिकपूर गढ़पाले के साथ हुआ था। पीडिता का आरोप है कि उसका पति आए दिन दहेज में फोर व्हीलर गाड़ी नही लाने को लेकर उसके साथ शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना तथा मारपीट करता था। प्रताड़ना से तंग आकर वह पिछले कुछ समय से अपने दो बच्चों के साथ मायके में रह रही थी। २२ जुलाई को शाम करीब ४.३०बजे आरोपी पति शशिकपूर गढ़पाले अपने जीजा राजेश मेश्राम तथा अन्य रिश्तेदारों के साथ तीन फोर.व्हीलर गाडियों में सवार होकर पीडिता के मायके कालागोटा मंगेझरी पहुंचा। वहां आरोपियों ने पीड़िता तथा उसके पिता लोकचंद रोडगे के साथ गाली गलौज करते हुए हाथ.मुक्कों से मारपीट की। बीच.बचाव करने आए परिजनों को भी जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता की लिखित शिकायत पर पुलिस थाना वारासिवनी में अपराध क्रमांक ०३७१/२०२६ दर्ज किया गया है। मामले में आरोपी शशिकपूर गढ़पाले ,राजेश मेश्राम ,बाबूलाल डोंगरे एवं अनामिका डोंगरे के विरुद्ध बीएनएस २०२३ की धारा ८५, २९६ बी,११५ (२),३५१ (३) एवं ३/५ के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

जय स्तंभ चौक पर मनाई गई अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के जय स्तंभ चौक पर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के तत्वाधान में अमर शहीद और महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की १२० वीं जयंती गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर एक भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा भावभीनी पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने मौन रखकर क्रांतिकारी आजाद को सामूहिक रूप से भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा के दौरान शिक्षक संघ के वक्ताओं ने क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के प्रेरणादायी जीवन और उनके अमर बलिदान पर प्रकाश डाल कर कहा कि चंद्रशेखर आजाद की निर्भीक, निडर और अप्रतिम कार्यशैली ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक नई ऊर्जा का संचार किया था। उनका स्पष्ट मानना था कि पराधीनता से बेहतर स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते हुए प्राणों की आहुति दे देना है। उन्होंने जीवन के अंतिम क्षण तक अंग्रेजों के हाथ ना आने की अपनी प्रतिज्ञा को निभाया और भारत माता के चरणों में स्वयं को न्योछावर कर दिया। ब्लॉक अध्यक्ष धन्नालाल बिसेन ने बताया कि हम यहां पर चंद्रशेखर

आजाद की १२० वीं जयंती मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। हमारे संगठन का नाम भी आजाद अध्यापक संघ है जो महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के नाम पर हैं। यह हमारे प्रेरणा स्त्रोत है और हम शिक्षक चंद्रशेखर आजाद को आज श्रद्धा सुमन अर्पित का उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दे रहे हैं। उनका जीवन बहुत संघर्ष में रहा परंतु उन्होंने अपने आदर्शों से कभी समझौता नहीं किया। इस अवसर पर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के विभिन्न पदाधिकारी एवं शिक्षकगण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

नाहरवानी में पुलिस का नशा मुक्ति अभियान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत पुलिस थाना हट्टा की टीम ने ग्राम नाहरवानी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम में थाना हट्टा के विजय कुमार पटले, राजेश पटले, आभास तथा अन्य पुलिस स्टाफ ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेने की अपील की।इस दौरान ग्रामीणों को नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।ग्रामवासियों ने नशा मुक्ति अभियान की सराहना करते हुए समाज को नशामुक्त बनाने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का संकल्प लिया। पुलिस के अनुसार अभियान का उद्देश्य जनसहभागिता के माध्यम से नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना है। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा ११ वीं वाणिज्य संकाय में प्रवेश का सुनहरा अवसर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य संदीप कुमार जैन ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ में कक्षा ग्यारहवीं वाणिज्य संकाय के रिक्त स्थानों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को सुनहरा अवसर प्रदान किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि विद्यार्थी बालाघाट जिले का मूल निवासी हो और उसने कक्षा १० की परीक्षा २०२५-२६ में उत्तीर्ण की हो। इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश से संबंधित आवेदन पत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारी पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी के कार्यालय से नि:शुल्क प्राप्त कर सकते हैं। प्राचार्य ने बताया कि आवेदन करने की अंतिम तिथि २९ जुलाई २०२६ निर्धारित की गई है। उन्होंने पात्र विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से समय सीमा के भीतर आवेदन कर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

प्रणय श्रीवास्तव को साहित्य एवं सामाजिक कार्य हेतु डॉक्टरेट की मानद उपाधि मिली

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वरिष्ठ साहित्यकार अंतर्राष्ट्रीय कवि व्यंग्यकार प्रणय श्रीवास्तव को भारत सरकार के द्वारा अधिकृत एवं पंजीकृत संस्थान यूनिवर्सल ऑनरेरी अवॉर्ड कौंसिल नई दिल्ली के द्वारा सर्वोत्तम साहित्य एवं सामाजिक कार्य हेतु डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई है। प्रणय श्रीवास्तव की इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरी शंकर बिसेन, प्रदीप जायसवाल,सांसद भारती पारधी, विधायक विक्की पटेल, विधायक गौरव सिंह पारधी,रमेश रंगलानी,अभय सेठिया, महेंद्र सुराना, सुरेश गुप्ता, पदम सुराना, अजीत जैन, शरद डेकाटे ,निर्दोष माडल ,युगेश चौबे, प्रेमप्रकाश त्रिपाठी, स्वप्निल डोंगरे, अशोक सागर मिश्र, राजेंद्र शुक्ल सहज,अमर सिंह ठाकुर, सतीश चिले, दिनेश देहाती, मनोज पाराशर, सरिता सिंघई ,अल्का चौधरी, प्रीति सुराना सहित अनेकों प्रशंसकों ने शुभकामनाएं व्यक्त की है ।साहित्य एवं सामाजिक कार्य हेतु घोषित यह मानद उपाधि प्रणय श्रीवास्तव जिला मुख्यालय में समारोह पूर्वक प्राप्त करेंगे ।

खुला बोरवेल नहीं मौत का कुआं

हर साल दोहराई जाती है वही लापरवाही फिर मासूमों की सांसों पर बन आती है आफत गया के फतेहपुर थाना क्षेत्र के रंगु नगर गांव में चार वर्षीय आयुष का 300 फीट गहरे खुले बोरवेल में गिर जाना पूरे देश को एक बार फिर झकझोर गया। लगभग नौ घंटे तक चले कठिन रेस्क्यू अभियान के बाद एनडीआरएफ और प्रशासन की टीमों ने उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह राहत की खबर थी, लेकिन इस घटना ने फिर वही पुराना सवाल खड़ा कर दिया कि आखिर हर वर्ष ऐसी घटनाएं क्यों होती हैं? क्यों हर बार कोई मासूम खेलते-खेलते खुले बोरवेल में गिर जाता है और पूरा देश उसकी सलामती की दुआ करने लगता है? आखिर कब तक लापरवाही की कीमत मासूम बच्चों और उनके परिवारों को चुकानी पड़ेगी? आयुष भाग्यशाली रहा कि समय रहते उसे बचा लिया गया। लेकिन देश में ऐसे अनेक बच्चे रहे हैं जो घंटों तक चले बचाव अभियान के बाद भी जिंदगी की जंग हार गए। किसी की सांसें बोरवेल की गहराई में थम गईं तो किसी का बचपन हमेशा के लिए अंधेरे में खो गया। हर ऐसी घटना के बाद प्रशासन सक्रिय होता है, बचाव दल दौड़ते हैं, बड़े-बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचते हैं, मीडिया लगातार कवरेज करता है और पूरे देश की निगाहें उस छोटे से गड्ढे पर टिक जाती हैं। लेकिन कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है और फिर किसी दूसरे राज्य से ऐसी ही दर्दनाक खबर सामने आ जाती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह हादसा होता ही क्यों है? इसका जवाब बहुत सीधा है—लापरवाही। बोरवेल खोदने के बाद यदि उसमें पानी नहीं निकलता या उसका काम पूरा हो जाता है, तो कई बार उसे खुला छोड़ दिया जाता है। कई जगह मजदूर या ठेकेदार काम खत्म होने के बाद बिना उसका मुंह पूरी तरह बंद किए वहां से चले जाते हैं। यही छोटी सी लापरवाही आगे चलकर किसी परिवार के लिए जीवन भर का दर्द बन जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे खुले मैदानों में खेलते हैं। उन्हें यह नहीं पता होता कि घास या मिट्टी के बीच छिपा वह छोटा सा गड्ढा वास्तव में सैकड़ों फीट गहरी मौत की सुरंग है। खेलते-खेलते उनका पैर फिसल जाता है और देखते ही देखते पूरा परिवार चीख-पुकार में डूब जाता है। इसके बाद शुरू होता है घंटों या कई बार दिनों तक चलने वाला रेस्क्यू अभियान, जिसमें मशीनें लगती हैं, सुरंग खोदी जाती है, ऑक्सीजन पहुंचाई जाती है और हर पल मौत और जिंदगी के बीच संघर्ष चलता रहता है। ऐसे अभियानों में प्रशासन की मेहनत और बचाव दल की बहादुरी निश्चित रूप से सराहनीय होती है। गया में भी एनडीआरएफ, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन ने पूरी रात अथक प्रयास किया। समानांतर गड्ढा खोदकर बच्चे तक पहुंचना आसान नहीं था। हर पल यह डर बना रहता है कि कहीं मिट्टी धंस न जाए या बच्चा और नीचे न चला जाए। ऐसे अभियान बेहद जोखिम भरे होते हैं। लेकिन सवाल यह है कि जब दुर्घटना को पहले ही रोका जा सकता है तो फिर इतनी बड़ी मशक्कत की नौबत क्यों आए? दुख की बात यह है कि हर हादसे के बाद जांच के आदेश तो दिए जाते हैं, लेकिन जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई बहुत कम होती है। यदि किसी ठेकेदार, कंपनी या कर्मचारी की लापरवाही से बोरवेल खुला छोड़ा गया है तो उसके खिलाफ केवल औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि ऐसी सख्त सजा होनी चाहिए जो भविष्य में दूसरों के लिए भी चेतावनी बने। जब तक लापरवाही की कीमत तय नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाना मुश्किल होगा। बोरवेल खुदवाने वाले भूमि मालिकों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि उनके खेत या परिसर में बोरवेल बनाया गया है तो उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना उनका भी कर्तव्य है। काम पूरा होने के बाद यह देखना आवश्यक है कि बोरवेल का मुंह मजबूत ढक्कन, लोहे की प्लेट या कंक्रीट से पूरी तरह बंद किया गया है। केवल मिट्टी डाल देना या लकड़ी रख देना पर्याप्त नहीं है। समय के साथ वह हट सकती है और फिर वही खतरा पैदा हो जाता है।

वंदे मातरम विधेयक 2026 -राष्ट्रीय सम्मान या अनिवार्य देशभक्ति?

वैश्विक स्तरपर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में जुलाई 2026 का मानसून सत्र केवल राजनीतिक टकराव के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रतीकों की संवैधानिक स्थिति को लेकर शुरू हुई एक नई बहस के कारण भी लंबे समय तक याद किया जा सकता है।20 जुलाई 2026 को जब यह विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया,उसी समय विपक्ष ने इसके विरोध में तीखी आपत्ति दर्ज कराई।विभिन्न विपक्षी दलों ने इसे असंवैधानिक बताते हुए अन्य तात्कालिक मुद्दों पर चर्चा की मांग की।सदन में लगातार हंगामा होता रहा और विधेयक पर विस्तृत चर्चा प्रारंभ नहीं हो सकी।21 जुलाई 2026 तक की संसदीय स्थिति के अनुसार यह विधेयक प्रस्तुत तो हो चुका था, किंतु उस पर विचार- विमर्श और आगे की विधायी प्रक्रिया गतिरोध के कारण आगे नहीं बढ़ सकी। अर्थात विधेयक अभी कानून नहीं बना है और उसे संसद के दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त करना शेष है।केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 ने संसद से लेकर न्यायपालिका,संविधान विशेषज्ञों,राजनीतिक दलों, शिक्षाविदों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक व्यापक चर्चा को जन्म दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि प्रस्तावित संशोधन का मूल उद्देश्य राष्ट्रगीत वंदे मातरम को वही वैधानिक संरक्षण प्रदान करना है जो अब तक राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन को प्राप्त है।यदि यह विधेयक वर्तमान स्वरूप में कानून बनता है तो किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर वंदे मातरम का अपमान करना, उसके गायन में बाधा डालना अथवा सार्वजनिक कार्यक्रम में उसका अनादर करना तीन वर्ष तक के कारावास जुर्माने या दोनों से दंडनीय अपराध बन सकता है। यहीं से वह संवैधानिक प्रश्न प्रारंभ होता है जिसने पूरे देश में चर्चा को जन्म दिया है,क्या यह राष्ट्रीय सम्मान को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है?,या फिर यह देशभक्ति को कानून के माध्यम से अनिवार्य बनाने का प्रयास माना जाएगा?

साथियों, मीडिया में आई जानकारी के अनुसार सरकार का पक्ष अत्यंत स्पष्ट है। केंद्र का कहना है कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के दौरान लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने इसी गीत को प्रेरणा का स्रोत बनाया। अनेक क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर चढ़ते समय वंदे मातरम का उद्घोष करते थे। संविधान सभा के अंतिम चरण में 24 जनवरी 1950 को तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट किया था कि जन गण मन राष्ट्रगान होगा जबकि वंदे मातरम को समान सम्मान प्राप्त रहेगा। सरकार का तर्क है कि स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी ऐतिहासिक भूमिका को देखते हुए अब समय आ गया है कि इसे भी वैधानिक सुरक्षा प्रदान की जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति जानबूझकर इसका अपमान न कर सके। सरकार यह भी कह रही है कि यह संशोधन किसी व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए नहीं, बल्कि सटीकता से राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा के लिए लाया गया है।

साथियों, यह विधेयक वास्तव में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन का प्रस्ताव है। वर्तमान अधिनियम मुख्य रूप से राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान को दंडनीय बनाता है। प्रस्तावित संशोधन के बाद पहली बार राष्ट्रगीत वंदे मातरम को भी इसी श्रेणी में शामिल किया जाएगा। इसके अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगीत का अपमान करता है, उसके गायन में व्यवधान उत्पन्न करता है, किसी सार्वजनिक समारोह में उसे रोकने का प्रयास करता है या उसके सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली गतिविधि करता है, तो उसके विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई की जा सकेगी। सरकार का कहना है कि यह संशोधन केवल जानबूझकर किए गए अपमान पर लागू होगा, यह सटीकता से सामान्य परिस्थितियों अथवा व्यक्तिगत विवेक पर नहीं।

साथियों, लेकिन यही वह बिंदु है जहां से संवैधानिक विवाद प्रारंभ होता है। विपक्ष का कहना है कि संविधान सभा ने जानबूझकर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के बीच कानूनी अंतर बनाए रखा था। यदि संविधान निर्माताओं की मंशा दोनों को समान कानूनी दर्जा देने की होती तो संविधान में उसी समय इसका स्पष्ट उल्लेख किया जाता। विपक्षी दलों, विशेषकर सीपीआई (एम), का आरोप है कि सरकार संविधान सभा की मूल भावना को बदलने का प्रयास कर रही है। उनके अनुसार देशभक्ति एक भावनात्मक और नैतिक मूल्य है, जिसे कानून के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि यदि किसी नागरिक के व्यक्तिगत या धार्मिक विश्वास के कारण वह राष्ट्रगीत नहीं गाना चाहता, तो उसे अपराधी नहीं बनाया जा सकता।

साथियों, सीपीआई (एम) के राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर इस विधेयक को वापस लेने की मांग की। पत्र में कहा गया कि संविधान सभा ने बहुत सोच-समझकर राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत की अलग- अलग संवैधानिक स्थिति निर्धारित की थी। पत्र में यह भी कहा गया कि भारत का संविधान नागरिकों को अंतरात्मा की स्वतंत्रता तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। ऐसे में किसी गीत को कानून के माध्यम से अनिवार्य सम्मान दिलाने का प्रयास भविष्य में संवैधानिक विवादों को जन्म दे सकता है। विपक्ष का तर्क है कि राष्ट्रीय सम्मान और राष्ट्रीय अनिवार्यता के बीच सटीकता से संतुलन बनाए रखना लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

साथियों, इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पक्ष धार्मिक और ऐतिहासिक संदर्भ है। वंदे मातरम मूलत: बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा है। गीत के प्रारंभिक दो अंतरे व्यापक रूप से स्वीकार किए जाते हैं, जबकि बाद के अंशों में मां दुर्गा सहित कुछ धार्मिक प्रतीकों का उल्लेख मिलता है। इतिहास में कई मुस्लिम संगठनों तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों ने इन्हीं धार्मिक संदर्भों के आधार पर इसके पूर्ण गायन पर आपत्ति व्यक्त की थी। संविधान सभा ने भी इन ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए केवल प्रारंभिक अंशों को सार्वजनिक उपयोग के लिए स्वीकार किया था। आलोचकों का कहना है कि यदि इस विधेयक के बाद किसी नागरिक की धार्मिक मान्यता और कानून के बीच टकराव उत्पन्न होता है, तो न्यायपालिका को अत्यंत जटिल संवैधानिक प्रश्नों का सटीकता से सामना करना पड़ सकता है।

साथियों, इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय का 1986 का ऐतिहासिक निर्णय बिजोए इमैनुएल बनाम केरल राज्य बार-बार चर्चा में आ रहा है। इस मामले में यहोवा विटनेस समुदाय के तीन छात्रों ने धार्मिक विश्वास के कारण राष्ट्रगान नहीं गाया था, हालांकि वे सम्मानपूर्वक खड़े रहे। विद्यालय ने उन्हें निष्कासित कर दिया,लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि किसी नागरिक को उसकी अंतरात्मा के विरुद्ध राष्ट्रगान गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यदि वह सम्मानपूर्वक खड़ा है और राष्ट्रगान का अपमान नहीं कर रहा, तो केवल गीत न गाने के आधार पर उसे दंडित नहीं किया जा सकता। यह निर्णय भारतीय संवैधानिक कानून में अंतरात्मा की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। यही कारण है कि कई संवैधानिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नया संशोधन कानून बनता है तो उसकी न्यायिक समीक्षा लगभग निश्चित है। मार्च 2026 में भी इस विषय पर न्यायिक चर्चा हुई थी। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि यदि किसी सरकारी कार्यक्रम में वंदे मातरम बजाया जाता है तो केवल उसके बजने मात्र से प्रत्येक नागरिक पर उसे गाना अनिवार्य नहीं हो जाता। सम्मान प्रदर्शित करना और अनिवार्य रूप से गाना दो अलग-अलग बातें हैं। यह दृष्टिकोण भी इस बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है क्योंकि नया संशोधन और न्यायालय की पूर्व व्याख्याएं भविष्य में एक-दूसरे के साथ किस प्रकार संतुलित होंगी, यह अभी सटीकता से स्पष्ट नहीं है।

साथियों,संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है, जबकि अनुच्छेद 25 अंतरात्मा तथा धर्म की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। दूसरी ओर अनुच्छेद 51ए (क) प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य बताता है कि वह संविधान,राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करे। उल्लेखनीय है कि इस अनुच्छेद में वंदे मातरम का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। यही कारण है कि कई विधि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि संसद राष्ट्रगीत को वैधानिक संरक्षण देना चाहती है तो उसे यह भी स्पष्ट करना होगा कि यह संरक्षण मौलिक अधिकारों के साथ किस प्रकार संतुलित रहेगा।समर्थकों का तर्क है कि विश्व के अनेक देशों में राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान पर कठोर दंड का प्रावधान है। उनका कहना है कि यदि राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान की कानूनी सुरक्षा उचित मानी जाती है तो स्वतंत्रता संग्राम के सबसे प्रेरणादायक गीत को भी समान सुरक्षा मिलनी चाहिए। उनके अनुसार राष्ट्रीय एकता केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्यों से भी मजबूत होती है। दूसरी ओर आलोचक कहते हैं कि भारत का लोकतांत्रिक मॉडल विविधता, सहमति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर आधारित है, इसलिए राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा करते समय संवैधानिक स्वतंत्रताओं का भी समान महत्व होना चाहिए।

साथियों, इस पूरे घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न सामने रखा है क्या देशभक्ति कानून से उत्पन्न होती है या सामाजिक चेतना से? भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास बताता है कि वंदे मातरम और जन गण मन दोनों ने अलग-अलग समय में राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया। किंतु संविधान निर्माताओं ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को भी समान महत्व दिया। इसलिए भविष्य की किसी भी कानूनी व्यवस्था को इन दोनों मूल्यों के बीच सटिकता से संतुलन स्थापित करना होगा।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से भी यह बहस महत्वपूर्ण है। विश्व के अनेक लोकतांत्रिक देशों में राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन लगातार न्यायालयों के सामने चुनौती बना रहता है। भारत का यह प्रस्तावित संशोधन भी संभवत: इसी व्यापक वैश्विक विमर्श का हिस्सा बनेगा कि राष्ट्रीय पहचान की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच सर्वोत्तम संतुलन किस प्रकार स्थापित किया जाए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 केवल एक दंडात्मक कानून का प्रस्ताव नहीं है,बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र के तीन महत्वपूर्ण स्तंभों राष्ट्रीय सम्मान,संवैधानिक स्वतंत्रता और नागरिक कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित करने की परीक्षा भी है। यदि विधेयक कानून बनता है तो उसके प्रावधानों की न्यायिक समीक्षा लगभग निश्चित मानी जा रही है। वहीं यदि संसद में व्यापक सहमति बनती है तो यह राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है। परंतु यदि सहमति नहीं बनती, तो यह बहस आने वाले वर्षों तक संविधान,न्यायपालिका संसद और समाज के बीच चलने वाले सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक विमर्शों में से एक बनी रह सकती है। भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र में यही चुनौती है कि राष्ट्रीय गौरव की रक्षा भी हो, संविधान की आत्मा भी सुरक्षित रहे और नागरिक की अंतरात्मा की स्वतंत्रता भी अक्षुण्ण बनी रहे।

-किशन सनमुखदास भावनानी

नीट आंदोलन की आड़ में सत्ता को घेरने की राजनीति

-कांतिलाल मांडोत

छात्रों के भविष्य के सवाल से आगे बढ़कर क्या राजधानी में बड़े राजनीतिक टकराव और अस्थिरता की पटकथा लिखी जा रही है

नीट परीक्षा में पेपर लीक का मामला निश्चित रूप से करोड़ों विद्यार्थियों और उनके परिवारों से जुड़ा गंभीर विषय है। किसी भी परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवाल उठना देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होना भी आवश्यक है। किंतु पिछले कुछ दिनों में जिस प्रकार यह मुद्दा दिल्ली की सड़कों से लेकर संसद और प्रधानमंत्री आवास तक पहुंचा, उसने इस पूरे घटनाक्रम को केवल छात्रों के आंदोलन तक सीमित नहीं रहने दिया। अब यह संघर्ष शिक्षा व्यवस्था से अधिक राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन और सरकार को घेरने की रणनीति के रूप में दिखाई देने लगा है।

जंतर-मंतर पर शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे विभिन्न राजनीतिक दलों के लिए एक बड़ा मंच बन गया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और उससे जुड़े संगठनों के आंदोलन में विपक्षी दलों की सक्रिय भागीदारी ने यह संकेत दिया कि पेपर लीक के मुद्दे को सरकार के खिलाफ व्यापक राजनीतिक अभियान में बदला जा रहा है। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों का प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकालना और वहीं धरना देना भारतीय राजनीति की असाधारण घटना रही। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध प्रदर्शन प्रत्येक दल का अधिकार है, लेकिन प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास के बाहर धरना देकर राजनीतिक संदेश देने की रणनीति ने अनेक प्रश्न भी खड़े किए हैं।

सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बातचीत का प्रयास किया और संसद में चर्चा के लिए तैयार होने की बात कही। इसके बावजूद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर विपक्ष का अड़े रहना इस बात का संकेत देता है कि अब विवाद केवल परीक्षा प्रणाली तक सीमित नहीं रह गया है। विपक्ष इसे सरकार की नैतिक जिम्मेदारी का प्रश्न बना रहा है, जबकि सरकार इसे राजनीतिक टकराव का रूप देने का आरोप लगा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पहली बार इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देते हुए पेपर लीक को घोर पाप बताया और कहा कि दोषियों को कठोरतम दंड दिलाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह राजनीति का नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य का विषय है और केंद्र तथा राज्यों को मिलकर ऐसी घटनाओं को रोकना होगा। सरकार का दावा है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है और भविष्य में परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाया जाएगा।

दूसरी ओर आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई ने पूरे विवाद को और अधिक संवेदनशील बना दिया। दिल्ली हाईकोर्ट में भी इस संबंध में याचिका दायर हुई, हालांकि तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए अदालत ने नियत तिथि पर सुनवाई करने का निर्णय लिया।

इसी बीच दिल्ली पुलिस की जांच में सामने आए कुछ चैट संदेशों ने भी नए सवाल खड़े किए हैं। पुलिस का दावा है कि कुछ संदेशों में इंटरनेट बंद होने की स्थिति में गुप्त माध्यमों से संपर्क बनाए रखने और आंदोलन को किसी भी स्थिति में जारी रखने जैसी बातें सामने आई हैं। यदि जांच में ऐसे दावे प्रमाणित होते हैं तो यह केवल सामान्य छात्र आंदोलन का विषय नहीं रहेगा, बल्कि कानून व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़ा मामला भी बन सकता है। हालांकि इन दावों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया और जांच पूरी होने के बाद ही संभव होगी।

विपक्ष का आरोप है कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। वहीं सत्ता पक्ष का कहना है कि आंदोलन में कुछ ऐसे तत्व शामिल हो गए हैं जिनका उद्देश्य केवल परीक्षा सुधार नहीं बल्कि राजधानी में अराजकता फैलाना और राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना है। यह आरोप-प्रत्यारोप लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन यह भी आवश्यक है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यों और जांच के परिणामों का इंतजार किया जाए।

कुछ स्थानों पर प्रदर्शन के दौरान देश विरोधी नारे लगाए जाने के आरोप भी सामने आए हैं। यदि किसी आंदोलन में वास्तव में ऐसे तत्व सक्रिय पाए जाते हैं जो राष्ट्रीय हित के विरुद्ध कार्य कर रहे हों, तो उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होना स्वाभाविक है। किंतु ऐसे मामलों में पूरे आंदोलन या सभी प्रदर्शनकारियों को एक ही दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में असामाजिक तत्वों और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के बीच अंतर बनाए रखना आवश्यक होता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष आगामी चुनावी राजनीति को ध्यान में रखते हुए छात्रों के इस असंतोष को व्यापक जन आंदोलन में बदलने का प्रयास कर रहा है। वहीं सरकार इस पूरे घटनाक्रम को विपक्ष द्वारा राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश के रूप में प्रस्तुत कर रही है। इस टकराव के बीच सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या वास्तव में छात्रों के भविष्य से जुड़े मूल मुद्दे पीछे छूटते जा रहे हैं।

कुछ लोगों की आशंका है कि जिस प्रकार पड़ोसी देशों में लंबे समय तक चलने वाले आंदोलनों ने राजनीतिक अस्थिरता को जन्म दिया, उसी प्रकार की परिस्थितियां भारत में पैदा करने की कोशिश हो रही है। यह एक गंभीर आशंका है, जिसकी पुष्टि केवल तथ्यों और जांच के आधार पर ही की जा सकती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी आंदोलन को विदेशी घटनाओं या साजिशों से जोड़ने से पहले पर्याप्त प्रमाण आवश्यक होते हैं। फिर भी यह अपेक्षा अवश्य की जा सकती है कि किसी भी राजनीतिक दल या संगठन को ऐसा वातावरण नहीं बनने देना चाहिए जिससे राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था प्रभावित हो।

भारत का लोकतंत्र विरोध और संवाद दोनों की समान रूप से अनुमति देता है। संसद चर्चा का सर्वोच्च मंच है और यदि सरकार तथा विपक्ष दोनों वहां गंभीरता से बहस करें तो समाधान का रास्ता निकल सकता है। सड़क का संघर्ष यदि लगातार राजनीतिक टकराव में बदलता जाएगा तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं छात्रों का होगा जिनके भविष्य की रक्षा के नाम पर पूरा आंदोलन खड़ा हुआ है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पेपर लीक जैसे अपराध पर राजनीति से ऊपर उठकर कठोर कार्रवाई हो, परीक्षा प्रणाली में सुधार हो और दोषियों को ऐसी सजा मिले जो भविष्य के लिए उदाहरण बने। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि लोकतांत्रिक विरोध की आड़ में हिंसा, अराजकता या कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले तत्व सफल न हों। छात्रों का भविष्य किसी भी राजनीतिक संघर्ष का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता होना चाहिए। यही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी भी है।

स्व-देखभाल: स्वस्थ व्यक्ति से विश्वकल्याण की भारतीय दृष्टि

मानव सभ्यता के विकास के इस दौर में जितनी तीव्र गति से विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से मनुष्य तनाव, अवसाद, असंतुलित जीवनशैली और अनेक नई बीमारियों के जाल में भी उलझता गया है। विडम्बना यह है कि आज मनुष्य के पास संसार की लगभग हर वस्तु के लिए समय है, लेकिन स्वयं के लिए समय नहीं है। वह परिवार, समाज, व्यवसाय और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन तो कर रहा है, परंतु अपने शरीर, मन और आत्मा के प्रति उत्तरदायित्व को लगातार उपेक्षित करता जा रहा है। ऐसे समय में प्रतिवर्ष 24 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय स्व-देखभाल दिवस केवल स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, सार्थक और मानवीय बनाने का वैश्विक संदेश है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ समाज, समृद्ध राष्ट्र और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं की देखभाल को अपना प्रथम कर्तव्य माने। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2011 में इंटरनेशनल सेल्फ-केयर फाउंडेशन ने की। स्व-देखभाल केवल किसी विशेष दिन या अवसर का विषय नहीं, बल्कि चौबीस घंटे और सप्ताह के सातों दिन अपनाई जाने वाली जीवनशैली है। स्व-देखभाल का अर्थ केवल बीमारी से बचना या समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है-अपने शरीर, मन, भावनाओं, विचारों और आत्मा की समग्र सुरक्षा एवं संवर्धन करना। आज विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि यदि व्यक्ति अपनी जीवनशैली को संतुलित बनाए, पौष्टिक भोजन ग्रहण करे, नियमित व्यायाम करे, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे और रोगों की रोकथाम को प्राथमिकता दे, तो स्वास्थ्य प्रणालियों पर अनावश्यक दबाव कम होगा और समाज अधिक स्वस्थ बनेगा। किंतु केवल चिकित्सकीय उपाय पर्याप्त नहीं हैं। मनुष्य का स्वास्थ्य तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके भीतर मानसिक संतुलन, नैतिक चेतना और आध्यात्मिक शांति का विकास न हो। वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य बाहर से जितना आधुनिक हुआ है, भीतर से उतना ही अशांत होता गया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद और अनियंत्रित महत्वाकांक्षाओं ने जीवन की सहजता को छीन लिया है। तनाव अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परिवारों, विद्यालयों और बच्चों तक पहुँच गया है। यही कारण है कि आज मानसिक रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग और अवसाद जैसी समस्याएँ वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी हैं। ऐसे समय में स्व-देखभाल केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व भी है। भारत की दृष्टि से देखें तो स्व-देखभाल का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी सनातन सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग रहा है। भारत ने हजारों वर्ष पहले ही यह उद्घोष किया था-'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' अर्थात् शरीर ही सभी श्रेष्ठ कार्यों का प्रथम साधन है। भारतीय चिंतन ने स्वास्थ्य को केवल शरीर की निरोगता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा के संतुलन को भी स्वास्थ्य का अनिवार्य आधार माना। आयुर्वेद, योग, ध्यान, प्राणायाम, उपवास, संयम, अहिंसा और सात्त्विक जीवनशैली इसी समग्र दृष्टि के अंग हैं। यही कारण है कि भारत में स्वास्थ्य और अध्यात्म कभी अलग-अलग विषय नहीं रहे, बल्कि एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। आज जब संपूर्ण विश्व योग को अपनाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह स्मरण करना आवश्यक है कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। योग शरीर को स्वस्थ करता है, प्राणायाम मन को संतुलित करता है, ध्यान चेतना को निर्मल बनाता है और अध्यात्म जीवन को दिशा देता है। इसी प्रकार जैन दर्शन का संयम, अहिंसा, प्रेक्षाध्यान और आत्मनिरीक्षण, बौद्ध दर्शन का विपश्यना मार्ग तथा गीता का समत्व योग मनुष्य को भीतर से स्वस्थ बनाते हैं। भारत की यही आध्यात्मिक परंपरा आज विश्व के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। यदि हम वास्तव में स्व-देखभाल को जीवन का हिस्सा बनाना चाहते हैं तो हमें इसे केवल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधि न मानकर जीवन-दर्शन के रूप में स्वीकार करना होगा। प्रात:काल का भ्रमण, नियमित योगाभ्यास, ध्यान, स्वाध्याय, आध्यात्मिक प्रवचनों का श्रवण, संतुलित एवं सात्त्विक भोजन, पर्याप्त नींद, डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचाव, प्रकृति के साथ समय बिताना, स्व-संवाद, आत्म-साक्षात्कार तथा प्रतिदिन आत्मचिंतन-ये सभी स्व-देखभाल के ऐसे सूत्र हैं जो व्यक्ति को भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर स्वस्थ बनाते हैं। यह जीवनशैली न केवल रोगों से बचाती है, बल्कि मनुष्य को सकारात्मक, करुणामय और संतुलित भी बनाती है। आज विकसित भारत का जो स्वप्न देश देख रहा है, उसकी आधारशिला केवल आर्थिक प्रगति नहीं हो सकती। यदि राष्ट्र को वास्तव में विकसित बनाना है तो उसके नागरिकों का स्वस्थ, अनुशासित, संस्कारित और जागरूक होना अनिवार्य है। बीमार और तनावग्रस्त समाज कभी समृद्ध राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकता। स्वस्थ नागरिक ही उत्पादक होंगे, रचनात्मक होंगे और राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। इसलिए स्व-देखभाल को राष्ट्रीय विकास की रणनीति का भी एक महत्त्वपूर्ण अंग बनाया जाना चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यस्थलों और सामाजिक संस्थाओं में योग, ध्यान, मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली शिक्षा को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। भारत आज विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल आर्थिक या सामरिक शक्ति प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानवता को जीवन जीने की श्रेष्ठ दिशा देना है। भारत ने सदैव दुनिया को अहिंसा, करुणा, सह-अस्तित्व, योग और अध्यात्म का संदेश दिया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत 'स्व-देखभाल से विश्वकल्याण'क का नया मंत्र भी विश्व को दे। यदि भारत यह संदेश दे कि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन अपने शरीर, मन और आत्मा के लिए कुछ समय अवश्य निकाले, तो यह केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का अभियान नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक शांति का आधार बन सकता है। अहिंसा का वास्तविक अर्थ केवल किसी दूसरे को कष्ट न देना नहीं है। स्वयं के शरीर और मन के साथ हिंसा करना भी अहिंसा के विरुद्ध है। अनियमित दिनचर्या, नशा, तनाव, क्रोध, असंयमित भोजन और प्रकृति के नियमों की उपेक्षा भी आत्म-हिंसा के ही रूप हैं। इसलिए स्व-देखभाल वास्तव में अहिंसा का प्रथम सोपान है। जो व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होगा, वही दूसरों के प्रति भी करुणाशील बनेगा। इस प्रकार स्व-देखभाल से परिवार में सौहार्द, समाज में सद्भाव और विश्व में शांति का वातावरण निर्मित हो सकता है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, महामारी, मानसिक असंतुलन और जीवनशैली संबंधी रोगों जैसी अनेक चुनौतियों से जूझ रही है। इन समस्याओं का समाधान केवल अस्पतालों, दवाइयों और तकनीक से संभव नहीं है। इसके लिए जीवनशैली में परिवर्तन, आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक जागरण आवश्यक है। भारत के पास इस परिवर्तन का हजारों वर्षों का अनुभव और ज्ञान है। योग, आयुर्वेद, ध्यान, प्राकृतिक चिकित्सा, सात्त्विक आहार और आध्यात्मिक जीवन-दृष्टि भारत की ऐसी अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें यदि आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वित रूप में विश्व के सामने प्रस्तुत किया जाए तो वे मानवता के लिए वरदान सिद्ध हो सकती हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्व-देखभाल दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वास्थ्य का प्रथम संरक्षक स्वयं बने। चिकित्सक, अस्पताल और दवाइयाँ आवश्यक हैं, लेकिन वे तभी प्रभावी हो सकते हैं जब व्यक्ति स्वयं अपने जीवन के प्रति उत्तरदायी बने। प्रतिदिन कुछ समय शरीर के लिए योग, मन के लिए ध्यान, बुद्धि के लिए स्वाध्याय और आत्मा के लिए आध्यात्मिक चिंतन को समर्पित किया जाए तो जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल सकती हैं। आज आवश्यकता केवल 'फिट इंडिया' की नहीं, बल्कि 'स्पिरिचुअली फिट इंडिया', 'मेंटली हेल्दी इंडिया' और 'कम्पैशनेट इंडिया' के निर्माण की है। यही नया भारत होगा, यही विकसित भारत होगा और यही वह भारत होगा जो अपनी आध्यात्मिक ज्योति, योग की शक्ति, अहिंसा की संस्कृति और समग्र स्वास्थ्य के दर्शन से पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करेगा।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मिलों की ताजा माँग निकलने से गुरूवार को दलहनों में चना बाजार उछाल पर रहे। तुअर-मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन सुर्ख रहा। किराना जिंसों में नारियल उछाल पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में मामूली लटक के बाद मिलों की ताजा माँग आने से बाजार उछल गये। तुअर व मूंग में भी मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन सुर्ख बना रहा। उधर, किराना जिंसों में नारियलों में पूछपरख बड़ने से भावों में उछाल आया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4750-4850, खोपरा गोला 375-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2700, (160) 3100, (200) 3400, (250) 3800,

तेल-सींगदाना 1750-1770, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1465-1470, कपास्या 1590-1600, धूलिया 1600, कड़ी 1600,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1490-1500, मुम्बई सोया 1515,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2660, देवास-उज्जैन 2660, खंडवा-बुरहानपुर 2635, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8400, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 7100, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6500-6600, एवरेज 6200-6300, विशाल 6300-6400, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7600-7900, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9500-9700, उड़द गर्मी 8800-9500, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश पूर्वस्तर पर बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 223500, चॉंदी (99) 223400, टंच 222800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 142000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपय गुरुवर को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.73 पर बंद हुअ। आज सुबह रुपया रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप के बीच ही शुरुआती कारोबार में पांच पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.48 पर पहुंच गया। हालांकि, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव कायम है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में लगातार कमजोर धारणा से भी रुपये पर दबाव बना रहा। हालांकि, अमेरिकी डॉलर में कमजोरी से स्थानीय मुद्रा को कुछ राहत मिली।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.53 प्रति डॉलर पर खुला।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमत में उछाल से भी बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद ही 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 363.66 अंक टूटकर 76,391.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी भी 126.65 अंक टूटकर 23,869.60 अंक पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयर गिरावट के साथ नीचे आये। अडानी पोर्ट्स में सबसे ज्यादा 2.01 फीसदी गिरावट रही। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, इंडिगो, एक्सिस बैंक, रिलायंस, टाटा स्टील, एसबीआई, एशियन पेंट्स, मारुति के शेयरें में भी 1 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई।

दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और कोटक बैंक में तेजी रही।

निफ्टी इंडेक्स में अडानी एंटरप्राइजेज, नेस्ले इंडिया और श्रीराम फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर रहे। सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी केमिकल और निफ्टी ऑयल एंड गैस में सबसे अधिक गिरावट आई। वहीं, निफ्टी मीडिया और निफ्टी ऑटो ने बेहतर प्रदर्शन किया। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमत में आज काफी तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड 4.35 फीसदी तेजी के साथ 98.16 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में निफ्टी 100 अंक गिरकर 23,896.50 पर आ गया, जबकि सेंसेक्स 302 अंक की गिरावट के साथ 76,453.42 के स्तर पर रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी दबाव रहा, जहां निफ्टी मिडकैप 0.54 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.75 फीसदी नीचे रहे। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी फार्मा, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी हेल्थकेयर सबसे कमजोर रहे।

भारतीय हाई-टेक सेक्टर में वीसी फंडिंग को मिली रफ्तार चिप

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत के उच्च-तकनीकी क्षेत्र- चिप, सेमीकंडक्टर डिजाइन और अंतरिक्ष में वेंचर कैपिटल (वीसी) फंडिंग में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है। शुरुआती सुस्ती के बावजूद, सरकार के प्रोत्साहन और बदलती नीतियों के साथ, इस साल इन सेक्टर्स में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। ट्रैक्सन के आंकड़ों के अनुसार 2023 से वीसी फंडों ने भारतीय चिप और सेमीकंडक्टर कंपनियों में 29 फंडिंग राउंड में 16.21 करोड़ डॉलर का निवेश किया है, जिसमें औसत सौदे का आकार 55.8 लाख डॉलर रहा। इस साल अब तक 7.09 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश हो चुका है, जो पिछले वर्ष (5.37 करोड़ डॉलर) के मुकाबले तेजी से बढ़ा है। सरकार चिप डिजाइन स्टार्टअप्स में सह-निवेश (बिना नियंत्रण) की योजना बना रही है और नई सेमीकॉन 2 पॉलिसी भी घोषित कर चुकी है। वहीं स्पेस और सैटेलाइट सेक्टर में भी वीसी फंडिंग में तेजी आई है, हालांकि यह चिप डिजाइन सेक्टर से बेहतर है। 2023 से इस सेक्टर के स्टार्टअप्स को 89 राउंड में कुल 44.6 करोड़ डॉलर मिले हैं, जिसका औसत निवेश 50.1 लाख डॉलर प्रति राउंड रहा। इस वर्ष के शुरुआती सात महीनों में ही 10.07 करोड़ डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष 17.5 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ था। स्काईरूट एयरोस्पेस की विक्रम-1 की सफल शुरुआत के बाद यह सेक्टर और सुर्खियों में है। हालांकि, इन उच्च-तकनीकी क्षेत्रों में वीसी फंड अभी भी सावधानी से कदम बढ़ा रहे हैं, लेकिन मौजूदा रुझान उत्साहजनक हैं। लेमुरियन लैब्स चिप डिजाइन में सबसे ज्यादा फंड जुटाने वालों में शीर्ष पर रहा।

ग्रामीण महिलाओं की बेरोजगारी एक साल के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। एजेंसी। कमजोर मॉनसून और खरीफ की बोआई में हुई देरी के चलते जून में ग्रामीण भारतीय महिलाओं की बेरोजगारी दर कम से कम एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की कुल बेरोजगारी दर 5.9 प्रतिशत दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों का दबाव सर्वाधिक रहा। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के मासिक आंकड़ों के मुताबिक जून में ग्रामीण महिला बेरोजगारी दर एक साल पहले के 4.4 प्रतिशत से बढ़कर 5 प्रतिशत हो गई। वहीं, शहरी महिला बेरोजगारी 8.4 प्रतिशत रही, जो हालांकि पिछले साल से कम है, पर ग्रामीण दर से अब भी काफी अधिक है। इस दौरान ग्रामीण महिला श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में भी 1.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 35.2 प्रतिशत से बढ़कर 36.6 प्रतिशत हो गई। यह दर्शाता है कि अधिक महिलाएं काम की तलाश में निकली हैं, लेकिन उन्हें काम नहीं मिल पा रहा है। इस साल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की शुरुआत कई वर्षों में सबसे कमजोर रही। मौसम विभाग के अनुसार, जून के पहले तीन हफ्तों में पूरे भारत में औसत से लगभग 42 प्रतिशत कम वर्षा हुई, जिसके कारण खरीफ की बोआई काफी पिछड़ गई। 10 जुलाई तक बोआई का रकबा पिछले साल की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत कम था, हालांकि 17 जुलाई तक बारिश में सुधार से यह अंतर घटकर 6.04 प्रतिशत रह गया। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अल नीनो के प्रभाव से ग्रामीण संकट और गहराया है, जिससे जून में कृषि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर धीमी रहने की संभावना है। केनरा बैंक के एक मुख्य अर्थशास्त्री के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि नौकरियों में भी मंदी आई है, क्योंकि रोजमर्रा के सामान (एफएमसीजी) की बिक्री में मुनाफा घटा है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने गर्मी की लहर को भी एक कारक बताया, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुए और महिलाओं को साइट पर काम नहीं मिला।

मेष- आज का दिन जैसे आपके करियर के दरवाज़ों पर नई रोशनी लेकर आया है। तरक्की की राहें खुद आपको बुलाती नजर आएंगी और अगर आप विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे हैं, तो कोई बड़ा मौका दिल को खुश कर सकता है। ऑफिस में दिल की बात कहना आज आपके लिए फायदेमंद रहेगा, बस किसी बेकार की राजनीति से दूरी बनाए रखें।

वृषभ- आज आपका मन पढ़ाई और ज्ञान में डूबा रहेगा, जैसे हर शब्द आपको सफलता की ओर ले जा रहा हो। किसी धार्मिक माहौल में जाने का मौका मिलेगा, जिससे मन को शांति मिलेगी। नौकरी में मेहनत रंग लाएगी और प्रमोशन की खबर दिल को सुकून दे सकती है। कोई पुरानी इच्छा पूरी होकर चेहरे पर मुस्कान बिखेर देगी। परिवार का साथ और स्वादिष्ट भोजन आज के दिन को और खास बना देगा, बस प्रेम में अपने साथी की भावनाओं को समझना न भूलें।

मिथुन- आज आपके अंदर का लीडर जाग उठेगा, जो हर मुश्किल को चुनौती की तरह स्वीकार करेगा। कुछ रुकावटें जरूर आएंगी, लेकिन आप हार मानने वालों में से नहीं हैं। नया बिजनेस शुरू करने का विचार मन में जन्म ले सकता है। घर में खुशियों की हलचल तब बढ़ेगी जब आप संतान की इच्छा पूरी करेंगे। पुराने कर्ज से मुक्ति की दिशा में कदम बढ़ेंगे और योग-व्यायाम आपको नई ऊर्जा से भर देंगे।

कर्क- आज का दिन खर्चों के नाम हो सकता है, जैसे जेब और दिमाग दोनों थोड़ा दबाव महसूस करें। अचानक आने वाले खर्च आपकी चिंता बढ़ा सकते हैं, इसलिए समझदारी से कदम बढ़ाएं। नौकरी बदलने का विचार अभी थोड़ा रोक लें, समय आपके पक्ष में आने वाला है। ईमानदारी से किया गया काम आपको अंदर से संतुष्टि देगा। जीवनसाथी के साथ बैठकर संतान के भविष्य की योजना बनाना आपके रिश्ते को और मजबूत करेगा।

सिंह- आज आप किसी नई शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जैसे किस्मत आपके साथ कदम मिला रही हो। रिश्तों में ताजगी और घर में खुशियों की महक बनी रहेगी। समाज में रहकर काम करना आपके लिए सफलता के नए रास्ते खोलेगा। बिजनेस में बदलाव करने से बचें, क्योंकि जो चल रहा है वही आपके लिए बेहतर है। पूजा-पाठ में मन लगेगा और जीवनसाथी के साथ बिताया गया समय यादगार बन सकता है।

कन्या- आज आपके काम आपको नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार हैं। परिवार में प्यार और समझदारी का माहौल बना रहेगा, लेकिन किसी दूर के अपने की याद दिल को छू सकती है। नौकरी में प्रमोशन की बात आगे बढ़ सकती है, बस किसी की बातों में आकर निर्णय लेने से बचें। राजनीति से जुड़े लोगों को कोई बड़ा अवसर मिल सकता है। सेहत का थोड़ा ध्यान रखें, खासकर शुगर और बीपी के मामलों में।

तुला- आज का दिन आपको धैर्य की परीक्षा लेने वाला है। जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपको परेशानी में डाल सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर रखें। पैसों के मामले में किसी पर आंख बंद करके भरोसा न करें। परिवार के साथ खुलकर बात करने से मन का बोझ हल्का होगा और रिश्तों में मिठास लौटेगी। व्यापार में साझेदारी से बचें, क्योंकि धोखे की आशंका है। यात्रा की योजना मन को उत्साहित कर सकती है।

वृश्चिक- आज आपको संयम और शांति से काम लेने की जरूरत है। थकान धीरे-धीरे दूर होगी और मन हल्का महसूस करेगा। जीवनसाथी के साथ चल रही खटास को प्यार से खत्म करने का सही समय है। थोड़ी निराशा जरूर महसूस हो सकती है, लेकिन एक छोटी सी सकारात्मक खबर आपका दिन बना सकती है। परिवार में शादी की बात तय होने से खुशियों की लहर दौड़ सकती है।

धनु- आज आप काम में इतने व्यस्त रहेंगे कि समय का पता ही नहीं चलेगा। वैवाहिक जीवन में छोटी-मोटी नोकझोंक हो सकती है, लेकिन ये रिश्ते की मिठास ही है। किसी बड़े जोखिम से दूरी बनाकर रखें। परिवार की छोटी समस्याओं को भी नजरअंदाज न करें, क्योंकि वही आगे बड़ी बन सकती हैं। पिता से सलाह लेना आज आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

मकर- आज का दिन खुशियों और चुनौतियों का मिला-जुला रूप लेकर आया है। दोस्तों के साथ बिताया गया समय आपके चेहरे पर मुस्कान लाएगा। कुछ छिपे हुए विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। फिजूल खर्च से बचना जरूरी है।

कुंभ- आज व्यापार में कुछ रुकावटें आपको परेशान कर सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी आपको सही रास्ता दिखाएगी। आपके फैसले लोगों को चौंका सकते हैं। दांपत्य जीवन में प्यार और अपनापन बना रहेगा। किसी करीबी से अच्छी खबर मिल सकती है, लेकिन परिवार में किसी की सेहत आपको चिंतित कर सकती है। किसी अनजान व्यक्ति की बातों में आने से बचें।

मीन- आज किस्मत आपके साथ खड़ी नजर आएगी। हर काम में फायदा मिलने के संकेत हैं, बस घर में शांति बनाए रखना जरूरी है। किसी जरूरी बात को हर किसी से साझा करने से बचें। खास लोगों से मुलाकात आपके लिए नए अवसर लेकर आ सकती है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन आपका प्यार सब ठीक कर देगा।

शब्दजाल - 8329

गं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	वा	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
स	स	प	का	को	ह	रा	झे	ल	म	प
मि	त	स	व	वे	वा	ज	ध	रा	श	दु
श	आ	ल	ग	म	री	ना	तू	वी	झ	प
न	ल	ला	ज	दि	म	गो	ती	ना	घ	य
क	व	चि	ना	ब	प	दा	ज	ती	व	मु
श	एं	वा	ई	द	ब	व	डू	ए	श	ना
मी	ड	ल	फू	ल	औ	री	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	व्या	स	री	द
वि	ज	अ	ब्र	म्ह	पु	त्र	त	ब	प	म

शब्दजाल में दस नदियों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

गंगा,यमुना,सतलज,रावी,झेलम,चिनाब, ब्रम्हपुत्र,कावेरी,गोदावरी,व्यास,

शब्दजाल - 8328 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

24 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

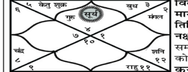

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	07.15 बजे से
कन्या	09.27 बजे से
तुला	11.38 बजे से
वृश्चिक	13.53 ब.से
धनु	16.09 बजे से
मकर	18.14 बजे से
कुंभ	20.00 बजे से
मीन	21.33 बजे से
मेष	23.04 बजे से
वृष	00.44 बजे से
मिथुन	02.42 बजे से
कर्क	04.55 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 205 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 09.13 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 04.37 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 20.12 बजे को समाप्त। **करण** गर 09.13 बजे तदनन्तर वणिज 22.23 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 9.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 54' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872780 **जूलियन दिन** 2461245.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 09 **विशेष** आशा दशमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7273

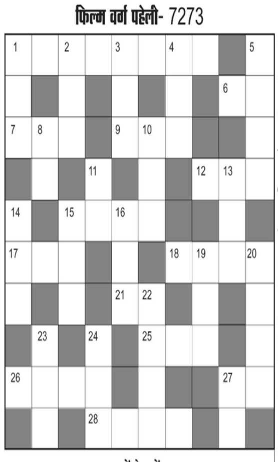

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 7272

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: उचित शुल्क

मथुरा के पास किसी गांव में एक वैद्य रहते थे। उनके पास दूर-दराज से रोगी आते, इसलिए उनका आश्रम हमेशा भरा रहता था। एक बार उनके पास एक ही रोग से पीड़ित दो रोगी उपचार के लिए लाए गए। उनमें से एक धनी व्यापारी का पुत्र था और दूसरा गरीब किसान का बेटा। वैद्याचार्य ने दोनों रोगियों को गंभीरता से देखा फिर व्यापारी से बोले, 'आपके पुत्र के उपचार में सौ अशर्फियां लगेंगी।' यह सुनकर किसान घबरा गया। वह विचार करने लगा कि वह इतना अधिक शुल्क कैसे दे पाएगा? किसान को परेशान देख वैद्याचार्य उससे बोले, 'तुम्हें यह नहीं देना है। जब तक तुम्हारा पुत्र ठीक नहीं हो जाता तुम आश्रम में रहकर दूसरे मरीजों की सेवा करोगे! यही तुम्हारे पुत्र के उपचार का शुल्क होगा।' इससे किसान को तो राहत मिल गई, लेकिन व्यापारी सोचने लगा कि वैद्याचार्य उसे ठग रहे हैं। उसने अपनी आशंका जताई तो वैद्याचार्य बोले, 'मेरे लिए दोनों रोगी बराबर हैं पर तुम लोगों की क्षमताएं अलग-अलग हैं। मैंने तुम दोनों की क्षमताओं के अनुसार ही शुल्क मांगा है। इस आश्रम को धन और सेवा दोनों की आवश्यकता है। तुम्हारे पास धन है जो औषधि मंगाने के काम आ सकता है, जबकि इस गरीब किसान के पास सेवा करने के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। यह अपनी सेवा से आश्रम के रोगियों को लाभ पहुंचा सकता है। इसी को ध्यान में रखकर मैंने तुम दोनों के लिए अलग-अलग तरह के शुल्क तय किए।'

सूडोकु नवताल- 7582

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7581 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 8797

बाएँ से दाएँ

1.अचंभा,आश्चर्य-4
3.अच्छी रुचि,कलात्मक रुचि-3
6.पिता के छोटे भाई,काका-2
7.माह,मास-3
9.धावक(अंग्रेजी-3)
11.नया जीवन,उद्धार होना-5
12.लक्ष्मी,धन की देवी-3
15.बुरी आदत-2
16.पैर,पाँव-2
18.देवमुनि,देवर्षि-3
20.शिकायत करना-5
22.रनिवास-3
24.बेकार,आंवारा-3
26.छोटा टुकड़ा-2
27.अभिनय,कथा मंचन-3
28.सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1.सहसा,अकस्मात-4
2.एक प्रकार की शराब-2
3.प्रतिभाशाली-3
5.मननशील-5
6.चतुर्थ-2
8.नाव खेना-2,3
10.पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13.पैर मारना-5
14.मन की इच्छा-5
17.प्रकार-3
19.टूटना,बिखरना-4
21.पराजित होना, हारना-3
23.चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25.पथ,रास्ता,मार्ग-2

शब्द पहेली -8796 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारतीय मजदूर संघ के स्थापना दिवस पर लांजी ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय मजदूर संघ (भामसं) के 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार, 23 जुलाई को लांजी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारतीय मजदूर संघ की लांजी ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, भगवान विश्वकर्मा एवं भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक महान विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने भारतीय मजदूर संघ के इतिहास, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय मजदूर संघ की स्थापना 23 जुलाई 1955 को भोपाल में दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा की गई थी। संगठन का मूल ध्येय वाक्य 卐राष्ट्र हित, उद्योग हित और श्रमिक हित है। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ आज देश का सबसे बड़ा केंद्रीय श्रमिक संगठन है, जो श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण एवं उनके हितों के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष योगेश यादव के पत्र क्रमांक भा.स.म.सं./07/2026 दिनांक 13 जुलाई 2026 के अनुसार लांजी ब्लॉक कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। साथ ही लांजी ब्लॉक के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं में कार्यरत श्रमिकों से भारतीय मजदूर संघ से जुड़कर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में प्रांतीय, जिला संगठन एवं प्रशासनिक स्तर पर सहयोग की अपेक्षा भी व्यक्त की गई। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता संतोष मोरघड़े (जिला सह प्रचार प्रमुख) रहे। अध्यक्षता योगेन्द्र दहिकर (खंड कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने की, जबकि जीवन किरनापुरे (पूर्व प्रांत संयोजक, विश्व हिंदू परिषद) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान भारतीय मजदूर संघ लांजी ब्लॉक की कार्यकारिणी में उपकेन वराडे को अध्यक्ष, नितिन बरधैया, इंद्रजीत अहिरवार,

सुमित गोयल, वेदवती कावडे, मोहसिन खान एवं रावजी वाकले को उपाध्यक्ष, निर्भय नरताम को सचिव, शेखर कर्राहे, संतोषी वघाडे, रमेश उपराडे एवं नंदकिशोर लिल्हारे को सहसचिव, गोविंद राउत को कोषाध्यक्ष, विनोद तिवारी को मीडिया प्रभारी, रणदीप वराडे को सह मीडिया प्रभारी तथा उज्वल श्रीवास्तव को कार्यकारिणी सदस्य घोषित किया गया। वहीं नगर परिषद लांजी कार्यालय इकाई के अध्यक्ष पद हेतु लक्ष्मीकांत सोनवाने को नामित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न विभागों के श्रमिकों की उपस्थिति रही। संगठन ने श्रमिक हितों की रक्षा एवं उनके अधिकारों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

जंतर मंतर में प्रोटेस्ट कर रहे युवाओ पर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में रैली निकाल कर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नीट पेपर लीक मुद्दे पर अब, लोग सरकार से जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहे है। नीट पेपर लीक मामले में मोदी सरकार से जिम्मेदारी के साथ ही शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का स्तीफा और दिल्ली के जंतर मंतर में प्रोटेस्ट कर रहे सीजेपी कार्यकर्ताओं तथा युवाओ पर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में, लांजी में गुरूवार को प्रदर्शन देखा गया। यहां छात्र, छात्राओं और वकीलों ने रैली निकालकर, शिक्षामंत्री के स्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी की और तहसील कार्यालय पहुंचकर, राष्ट्पति के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने लाठीचार्ज मामले की निंदा करते हुए, इसे देश के युवाओं की आवाज दबाने वाले कृत्य बताया। खास बात यह रही कि बारिश के बावजूद, प्रदर्शनकारियों का हौंसला कमजोर नहीं पड़ा और वह बारिश में भींगते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे और शिक्षामंत्री के स्तीफे की मांग रखी। अधिवक्ता ने बताया कि पेपर घोटाले के नाम से देश में जिस तरह से भ्रष्टाचार किया जा रहा है, उसका असर, विद्यार्थियों पर पड़ रहा है, कई बच्चे, ऐसे है, जिनका पेपर रद्ध होने से सब कुछ चला गया। देश की शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। जिसके खिलाफ ही जंतर-मंतर में युवा आंदोलन कर रहे है। जिसे कुचलने और दबाने का काम, सरकार के ईशारे पर हो रहा है। युवा शिवम ने बताया कि पेपर लीक के माध्यम से धांधली की जा रही है, जिससे छात्र, छात्राएं प्रभावित हो रहे है, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान है। जिसको लेकर आवाज उठाने पर लाठीचार्ज कर उन्हें प्रभावित किया जा रहा है। हम सरकार से चाहते है कि ऐसा ना हो और शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान स्तीफा दे और सरकार अपनी गलती की जिम्मेदारी ले।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा आयुष विभाग की योजनाओं की समीक्षा की

कुपोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी, सिकल सेल एवं मलेरिया नियंत्रण पर दिए सख्त निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई के आदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने गुरुवार 23 जुलाई को स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आयुष विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ भी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा से हुई। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों का नियमित रूप से वजन एवं

ऊंचाई मापकर उसकी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से प्रविष्टि करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारियों एवं आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को इस कार्य की रैंडम जांच करने तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मीना ने कुपोषित बच्चों को समय पर आवश्यक दवाओं का वितरण सुनिश्चित करने तथा गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि एनआरसी में भर्ती बच्चों के अभिभावकों को शासन द्वारा निर्धारित मजदूरी क्षतिपूर्ति राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। कुपोषित बच्चों की पहचान में संतोषजनक कार्य नहीं मिलने पर लालबर्रा, बैहर, वारासिवनी, खैरलांजी, लांजी एवं बिरसा के बाल विकास परियोजना अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं का समय पर अनमोल पोर्टल पर पंजीयन एवं उनकी चार अनिवार्य एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने तथा आशा कार्यकर्ताओं द्वारा गर्भवती महिलाओं के नियमित संपर्क एवं भ्रमण का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। साथ ही एएनएम एवं सीएचओ को उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं अन्य गैर-संचारी रोगों के मरीजों की पहचान कर उनका समय पर उपचार सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में क्षय रोग उन्मूलन के लिए व्यापक स्क्रीनिंग अभियान चलाने, अधिक से अधिक एक्स-रे मशीनों का उपयोग कर संभावित मरीजों की पहचान करने तथा उपचाररत टीबी मरीजों को निक्षय अभियान के अंतर्गत सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से फूड बास्केट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सिकल सेल रोग की पहचान एवं उपचार के लिए भी विशेष अभियान चलाने तथा वर्षा ऋतु को देखते हुए वन क्षेत्रों के गांवों में मलेरिया की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयुष विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी आयुष चिकित्सकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने और सार्थक ऐप के माध्यम से अनिवार्य उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले आयुष चिकित्सकों का वेतन रोका जाए तथा इसी आधार पर वेतन आहरित किया जाए। इसके अलावा जिला आयुष अधिकारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पोषण वाटिका एवं हर्बल गार्डन विकसित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास देवेन्द्र सुन्द्रियाल, सहायक संचालक प्रशांतदीप ठाकुर, जिला आयुष अधिकारी डॉ. सवेदिता कुमरे, सभी खंड चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम एवं सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार ने स्व. शान्ति बड़गैया को दी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के बालाघाट रोड़ हाऊबाग निवासी श्रीमती शांति देवी रामेश्वर बड़गैया का 21 जुलाई को दोपहर में निधन हो गया, जिनका अंतिम संस्कार 22 जुलाई को कोटेश्वर मोक्षधाम में किया गया। इनके निधन पर 23

जुलाई 2026 दिन गुरुवार को अपरान्ह 4 बजे गायत्री परिवार ट्रस्ट लांजी द्वारा शक्तिपीठ के प्रशिक्षण सभागृह में शोक सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मां गायत्री एवं पूज्य गुरुदेव से उनके परिवार को यह दु:ख सहन करने और अपने श्री-चरणों में स्थान देने की प्रार्थना कर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान गायत्री परिवार के किसनलाल मेहरबान, सुरजलाल बिलावर, कवनलाल लिल्हारे, विनोद तिड़के, श्रीमती प्रमिला तिड़के, सुमन आसटकर, ममता तिड़के, कु.रोहिणी तिड़के, शैलेन्द्र विजयवार प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव छात्र छात्राओं को मिला केरियर गाइडेंस

पद्मेश न्यूज। लांजी। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए प्रख्यात सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव लांजी बालाघाट में छात्र छात्राओं को मिला केरियर गाइडेंस। सांदीपनि विद्यालय में 15 जुलाई से 29 जुलाई तक आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा अंतर्गत 23 जुलाई को छात्र छात्राओं के उचित मार्गदर्शन हेतु केरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लांजी- किरनापुर क्षेत्र से विशेष सफलता अर्जित करने वाले नवोदित युवा प्रतिभाओं को आमंत्रित किया गया जिसमें वेदप्रकाश नगपुरे (खाद्य सुरक्षा अधिकारी), महेश ढोक (सहायक प्राध्यापक लांजी), गुर्वेश महिश्वरे(आफिस सुपरीटेंडेंट आयकर विभाग), रितेश सोनवाने (सहायक प्राध्यापक लांजी)एवं अन्य अतिथियों को आमंत्रित किया गया। जिन्होंने अपने संबोधन में अपनी सफलता एवं संघर्ष को छात्र छात्राओं के साथ साझा किया एवं छात्र छात्राओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान किया कि उन्हें जीवन में एक निश्चित उद्देश्य को लक्ष्य करके कठिन परिश्रम कर किस प्रकार सफलता को अर्जित किया जा सकता है। महेश ढोक ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता कभी तो सीधे तौर पर प्राप्त होती है एवं कभी पड़ाव के रूप में प्राप्त होती है अत: हमें जीवन में सफलता हासिल करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उसी प्रकार वेदप्रकाश नगपुरे ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि हम ग्रामीण परिवेश में निवास करते हैं एवं हम सीमित संसाधनों में भी

उच्चतर सफलता को प्राप्त कर सकते हैं जरुरत है सही दिशा में उचित प्रयास करने की । आगे दुर्वेश महिश्वरे ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता को अर्जित करने के धैर्य के साथ सतत् प्रयास करते रहना चाहिए, क्योंकि सफलता एक दिन में नहीं मिलती लेकिन एक दिन जरूर मिलती हैं। इसी क्रम में रितेश सोनवाने ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपको कक्षा दसवीं के बाद से ही अपना लक्ष्य निर्धारित कर उचित दिशा में सार्थक प्रयास कर रहना है, सफलता आपको अवश्य मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज इस मंच विराजमान सभी युवा प्रतिभा हमारे क्षेत्र एवं जिला के गौरव है। और इन्होंने अपनी क्षमता एवं योग्यता से यह साबित कर दिया कि सीमित संसाधनों से भी सफलता प्राप्त की जा सकती हैं। हमारे ग्रामीण अंचलों में प्रतीभा की कमी नहीं है, आवश्यकता है उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं अवसर उपलब्ध कराने की । और हमारा सांदीपनि विद्यालय सदैव इसी दिशा में प्रयासरत रहता है। आगे आपने छात्र-छात्राओं से कहा कि आप भी इन प्रतिभाओं से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में आमंत्रित नवोदित प्रतिभाओं के साथ ग्राम अतिथि, विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक -शिक्षिकाओ एवं सहायक कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं की गरिमामई उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के वरिष्ठ शिक्षक सरोज कुमार पटेल एवं रविप्रकाश सहारे द्वारा किया गया ।

भारतीय मजदूर संघ ने मनाया 72वा स्थापना दिवस

संस्थापक ठेगड़ी को किया याद, 1955 में की गई थी मजदूर संघ की स्थापना,मजदूरों के हक अधिकारों पर की चर्चा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मजदूरों के राष्ट्रीय संगठन भारतीय मजदूर संघ की स्थापना को आज 72 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। इस अवसर पर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में संघ द्वारा

72वा स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां आयोजित कार्यक्रम के दौरान संघ से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक स्व दत्ती ठेगड़ी जी को याद कर, उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण किया वहीं संगठन की शान में जयघोष कर एक दूसरे को भारतीय मजदूर संघ के स्थापना दिवस की बधाइयां दी। वही कार्यक्रम के दौरान संगठन से जुड़े वक्ताओं ने अपने संबोधन में भारतीय मजदूर संघ की स्थापना, उनके कार्य और संघ के उद्देश्य से अवगत कराते हुए मजदूरों की लड़ाई में हमेशा अग्रसर रहने, मजदूरों को उनका हक अधिकार दिलाने और शासन प्रशासन द्वारा चलाई जा रही मजदूर हितोषी योजना की जानकारी देकर उनका लाभ दिलाने की बात कही।जहा उन्होंने श्रम कानून सहित मजदूरों के हितों के लिए दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं की भी जानकारी से अवगत कराते हुए प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े मजदूरों को संघ में जोड़ने,और उनके अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प भी लिया। इस दौरान भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख राजकुमार मोहारे,जिला मंत्री मनोज सुहागपूरे, अशोक बिसेन,वाय के शुक्ला, गुलाबचंद पटले, पवन मरकाम, निलेश बोपचे, श्री फारूख,नियाजमीर खान, दिलीप सोनी, हितेश बोपचे, बलराम सोनी, अमिर खान, और विक्की यादव सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व अन्य मजदूर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आज ही के दिन1955 में ठेगड़ी जी ने की थी संघ की स्थापना- योगेश यादव

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान भारतीय मजदूर संघ जिला अध्यक्ष योगेश यादव ने बताया कि आज भारतीय मजदूर संघ का 72 वां स्थापना दिवस है। जिसे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। आज ही के दिन 23 जुलाई 1955 में दत्तीपंत ठेगड़ी जी ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की थी। तब से यह संघ मजदूरों के हितों में काम कर रहा है। आज पूरे देश में संघ का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। पूरे देश के मजदूर ठेगड़ी जी को याद कर रहे हैं। वही स्थापना दिवस पर मजदूरों के हक अधिकार आदि को दिलाने व श्रम कानूनों सहित अन्य मुद्दों पर संगठन की चर्चा की जा रही है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सरकारी मूंग खरीदी का घोटाला उजागर

21करोड़ की मूंग में मिट्टी की मिलावट, मूंग चोरी भी हो चुकी उजागर

भोपाल । नर्मदापुरम में समर्थन मूल्य पर खरीदी गई मूंग में एक बार फिर बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। माखननगर स्थित कनकधारा वेयरहाउस में भंडारित मूंग की बोरियों में मिट्टी और कचरा मिलाने का मामला उजागर हुआ है। करीब 21.12 करोड़ रुपए की मूंग में मिलावट मिलने के बाद वेयरहाउस को सील कर दिया गया है। मामले में वेयरहाउस संचालक, मप्र वेयरहाउस कॉर्पोरेशन और सरकारी खरीदी करने वाली समिति की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संयुक्त जांच दल ने कनकधारा वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान मूंग के लॉट की गहन जांच की गई। अधिकारियों को बोरियों में निर्धारित मानकों से अधिक मात्रा में मिट्टी मिली। कुछ बोरियां पूरी तरह मिट्टी से भरी मिलीं। इसे गुणवत्ता मानकों का गंभीर उल्लंघन माना गया।

वेयरहाउस किया सील

अनियमितता सामने आने के बाद संयुक्त जांच दल ने वेयरहाउस को सील कर दिया। अमानक मूंग के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद वेयरहाउस संचालक और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ वैधानिक और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वेयरहाउस कॉर्पोरेशन और मूंग खरीदी करने वाली समिति के जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई हो सकती है। कलेक्टर को कनकधारा वेयरहाउस माखननगर और कनक वेयरहाउस सेमरी हरचंद में रखी मूंग में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। इसके बाद एसडीएम (राजस्व) नर्मदापुरम की अध्यक्षता में जिला आपूर्ति अधिकारी, उप संचालक कृषि और जिला विपणन अधिकारी का संयुक्त जांच दल बनाया गया। जांच में सरकारी भंडारित मूंग में मिट्टी मिलाने की पुष्टि हुई।

2023 और 2024 की खरीदी की मूंग

जिला विपणन अधिकारी अनिल जैन ने बताया कि कनकधारा वेयरहाउस में वर्ष 2023-24 और 2024-25 में समर्थन मूल्य पर खरीदी गई मूंग रखी गई थी। वर्ष 2023 में लक्ष्मी स्व सहायता समूह और 2024 में सेवा सहकारी समिति बहाड़पुर ने खरीदी की थी। वेयरहाउस में कुल 62,862 बोरियां (करीब 27 हजार क्विंटल) मूंग भंडारित है। इनमें 29,927 बोरियां वर्ष 2023-24 की हैं, जबकि बाकी वर्ष 2024 की हैं। जांच में सभी स्टैक में मिलावट मिली है। भंडारित मूंग की कीमत करीब 21.12 करोड़ रुपए है।

गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि शासकीय योजनाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। कार्रवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर सरोज परिहार, एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह, उप संचालक कृषि रविकांत सिंह, जिला विपणन अधिकारी अनिल जैन, एमपीडब्ल्यूएलसी के शाखा प्रबंधक वासुदेव डवडे, नेफेड के प्रतिनिधि और तहसीलदार माखननगर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पांच महीने पहले आया 4 करोड़ की मूंग चोरी का मामला

जिले में करीब पांच महीने पहले भी सरकारी मूंग चोरी का मामला सामने आया था। माखननगर ब्लॉक के एकलव्य वेयरहाउस, गोरा से करीब 4 करोड़ रुपए की 9,900 बोरियां मूंग बेच दी गई थीं। उनकी जगह बोरियों में मिट्टी और रेत भर दी गई थी। यह मूंग इटारसी स्थित बालाजी इंडस्ट्रीज में खपाई गई थी। इस मामले में पुलिस ने वेयरहाउस संचालिका आरती तोमर, उनके भाई अमित तोमर, पति नरेंद्र तोमर समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। उन्हें अब तक जमानत नहीं मिली है। वहीं चोरी की मूंग खरीदने वाले बालाजी इंडस्ट्रीज का एक कर्मचारी अब भी फरार है।

एकलव्य वेयरहाउस की मूंग में लगे कीड़े

फरवरी में मामला सामने आने के बाद से एकलव्य वेयरहाउस सील है। यहां करीब 21.11 करोड़ रुपए की 26,397 क्विंटल मूंग रखी हुई है। इस दौरान केवल दो बार कीटनाशक का छिड़काव किया गया। 6 जुलाई को वेयरहाउस खोलने पर कई बोरियों में मूंग में कीड़े लगे मिले। आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। लगातार मूंग खरीदी में गड़बड़ी के मामले सामने आने से जिले की छवि प्रभावित हो रही है। इसके बावजूद अब तक खरीदी और भंडारण से जुड़े विभागों के प्रमुख अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं हो सकी है।

अब छात्रों को परीक्षा से पहले मिलेगा तैयारी अवकाश

उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किया शैक्षणिक कैलेंडर, कड़ाई से होगा पालन

भोपाल। प्रदेश के विश्वविद्यालयों और शासकीय-अशासकीय महाविद्यालयों में पढने् वाले विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक कैलेंडर जारी करते हुए परीक्षा पूर्व तैयारी अवकाश (प्रिपरेटरी लीव) की व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू करने का निर्णय लिया है। अब वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षाओं से पहले विद्यार्थियों को पर्याप्त समय मिलेगा, जिससे वे बिना नियमित कक्षाओं के दबाव के अपनी परीक्षा की बेहतर तैयारी कर सकेंगे। विभाग के अनुसार तैयारी अवकाश का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतिम समय में पाठ्यक्रम का पुनरावलोकन करने, कमजोर विषयों पर अतिरिक्त ध्यान देने और परीक्षा के तनाव को कम करने का अवसर देना है। इससे न केवल परीक्षा परिणामों में सुधार की उम्मीद है, बल्कि समयबद्ध और व्यवस्थित शैक्षणिक सत्र भी सुनिश्चित होगा।

5 मार्च से 20 मार्च 2027 तक होंगी प्रायोगिक परीक्षाएं

शैक्षणिक कैलेंडर में प्रायोगिक परीक्षाओं की समय-सीमा भी निर्धारित कर दी गई है। सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को पांच मार्च से 20 मार्च 2027 के बीच अनिवार्य रूप से प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित करनी होंगी। इसके अलावा आंतरिक मूल्यांकन भी तय समय के भीतर पूरा कर विद्यार्थियों के अंक संबंधित विश्वविद्यालयों को भेजना अनिवार्य होगा। उच्च शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम की पूरी प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के अनुसार संचालित की जाएगी, ताकि किसी भी स्तर पर देरी न हो और विद्यार्थियों का अगला शैक्षणिक सत्र समय पर शुरू किया जा सके। विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों और कालेजों को कैलेंडर का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

परीक्षा तनाव होगा कम

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि परीक्षा से पहले मिलने वाला तैयारी अवकाश विद्यार्थियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहल है। इससे उन्हें व्यवस्थित अध्ययन का समय मिलेगा, परीक्षा का मानसिक दबाव कम होगा और बेहतर प्रदर्शन की संभावना बढ़ेगी। हालांकि विद्यार्थियों की यह मांग भी रही है कि परीक्षाओं से ठीक पहले नियमित कक्षाओं के बजाय तैयारी के लिए अलग समय दिया जाए। अब इस व्यवस्था के लागू होने से लाखों विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

मप्र के मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की भारी कमी

खाली पदों से प्रभावित हो रही पढ़ाई, मरीजों को नहीं मिल पा रहा विशेषज्ञ उपचार

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और शिक्षकों के बड़ी संख्या में खाली पद चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गंभीर चुनौती बन गए हैं। डॉक्टरों की कमी का असर केवल मेडिकल छात्रों की पढ़ाई पर ही नहीं पड़ रहा, बल्कि मरीजों को समय पर विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने में भी मुश्किलें आ रही हैं।

प्रदेश के चार प्रमुख सरकारी मेडिकल कॉलेजों के आंकड़े बताते हैं कि सबसे अधिक रिक्तियां नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में हैं। यहां स्वीकृत 342 पदों में से 91 पद (करीब 26 प्रतिशत) खाली हैं। इसके बाद गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय (जीआरएमसी), ग्वालियर में लगभग 22 प्रतिशत पद रिक्त हैं। वहीं महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, इंदौर में स्वीकृत 405 पदों में से 74 पद (18 प्रतिशत) खाली हैं, जबकि गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में 431 स्वीकृत पदों में से 66 पद (15 प्रतिशत) रिक्त हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर दोहरा असर

विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई की गुणवत्ता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो गया है। हाल के वर्षों में एमबीबीएस और पीजी की सीटों में लगातार बढ़ोतरी हुई है, लेकिन उसके अनुरूप फैकल्टी की नियुक्तियां नहीं हो सकी हैं। इसका सीधा असर छात्रों के प्रशिक्षण, क्लिनिकल एक्सपोजर और शोध गतिविधियों पर पड़ रहा है। दूसरी ओर, मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों में मरीजों को कई विभागों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उपचार में देरी और डॉक्टरों पर कार्यभार बढ़ रहा है।

सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार भी प्रभावित

प्रदेश सरकार मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में काम कर रही है, लेकिन पर्याप्त विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने से कई नई सेवाएं शुरू करने की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। कई विभागों में सीमित डॉक्टरों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां संभालनी पड़ रही हैं। प्रशासन का कहना है कि रिक्त पदों को भरने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञ चिकित्सकों की सीमित उपलब्धता के कारण नियुक्ति प्रक्रिया अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी के रिक्त पद शीघ्र नहीं भरे गए तो चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका दीर्घकालिक असर पड़ सकता है।

मप्र में 3 साल में दोगुनी से अधिक हुए स्टार्टअप

प्रदेश में स्टार्टअप बढ़े, लेकिन पेटेंट की रफ्तार अब भी धीमी

भोपाल। मध्य प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में निवेश आकर्षित करने और स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स-2026 में प्रदेश देश में सातवें और बड़े राज्यों में पांचवें स्थान पर पहुंचा है। अनुकूल औद्योगिक नीतियों, बेहतर निवेश माहौल और संस्थागत सुधारों के कारण निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। हालांकि, इसी रिपोर्ट ने यह भी संकेत दिया है कि यदि प्रदेश को अगली छलांग लगानी है तो अब केवल निवेश नहीं, बल्कि नवाचार और पेटेंट आधारित अर्थव्यवस्था पर अधिक ध्यान देना होगा। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 में मध्य प्रदेश में 540 पंजीकृत स्टार्टअप थे, जो 2024 तक बढ़कर 1,264 हो गए। यानी तीन वर्षों में स्टार्टअप की संख्या दोगुने से भी अधिक हो गई। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश में उद्यमिता का माहौल तेजी से विकसित हो रहा है।

इसके बावजूद नवाचार के प्रमुख संकेतकों में प्रदेश अभी भी बड़े राज्यों के औसत से पीछे है। प्रति लाख आबादी पर इन्क्यूबेटर की संख्या राष्ट्रीय औसत से लगभग 35 प्रतिशत कम है, जबकि पेटेंट आवेदन भी औसत से करीब 48 प्रतिशत कम हैं। इसका अर्थ है कि नए स्टार्टअप तो बन रहे हैं, लेकिन उनमें से अपेक्षाकृत कम कंपनियां ऐसे उत्पाद या तकनीक विकसित कर पा रही हैं जिन्हें पेटेंट कराया जा सके। केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश में पेटेंट आवेदनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। 2021 में 436 आवेदन, 2022 में 624 आवेदन, 2023 में 728 आवेदन, 2024 में 790 आवेदन और 2025 में 1,346 आवेदन आए। पांच वर्षों में पेटेंट आवेदनों की संख्या तीन गुना से अधिक हुई है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह अभी भी अग्रणी राज्यों से काफी पीछे है। वर्ष 2025 में तमिलनाडु में 21,104 पेटेंट आवेदन, कर्नाटक में 10,836, महाराष्ट्र में 10,552, उत्तर प्रदेश में 7,610, तेलंगाना में 6,828 और मध्य प्रदेश में 1,346 आवेदन आए हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि निवेश के साथ-साथ अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में अभी और तेजी लाने की आवश्यकता है।

विपक्ष के हंगामें के बावजूद अनुपूरक बजट समेत रिकॉर्ड 14 विधेयक पारित

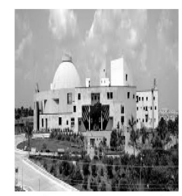

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का महज पांच दिवसीय मानसून सत्र तीसरे दिन देर रात अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। इन तीन दिनों में विपक्ष के विरोध और हंगामें के बीच ही अनुपूरक बजट समेत रिकॉर्ड 14 विधेयक पारित किए गए। सत्र के अंतिम दिन छात्रों को कथित रूप से कीड़ा कहे जाने के मुद्दे पर सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विवाद बढ़ने पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने स्पष्ट किया कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने छात्रों के संदर्भ में इस प्रकार के शब्द का प्रयोग नहीं किया था।

हंगामे के बीच सदन ने चर्चा के बाद पांच महत्वपूर्ण संशोधन विधेयकों को पारित कर दिया। इनमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता संशोधन विधेयक, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन संशोधन विधेयक, मध्य प्रदेश राज एवं ग्राम स्वराज संशोधन विधेयक, मध्य प्रदेश माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक तथा मध्य प्रदेश निरसन विधेयक-2026 शामिल हैं। दूसरे दिन आठ और तीसरे दिन छह विधेयकों के पारित होने के साथ तीन दिवसीय सत्र में कुल 14 विधेयकों को मंजूरी मिली। सत्र के अंतिम चरण में वित्त मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 7,765.06 करोड़ रुपये का पहला अनुपूरक बजट सदन में प्रस्तुत किया। बजट पर हुई विस्तृत चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन, बढ़ते कर्ज और विकास कार्यों की धीमी रफ्तार का आरोप लगाया। सत्ता पक्ष ने इन आरोपों का खंडन करते हुए अनुपूरक बजट को राज्य के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आवश्यक बताया। तीखी बहस के बाद सदन ने ध्वनिमत से अनुपूरक बजट को पारित कर दिया और इसके साथ ही विधानसभा का तीन दिवसीय सत्र समाप्त हो गया।

प्रदेशभर में आधुनिक मशीनों से होगी दूध की जांच

भोपाल। प्रदेश सरकार आने वाले समय में दूध का उत्पादन 3 से 4 गुना तक बूढ़ाने जा रही है। वर्तमान में भोपाल सहित प्रदेशभर में 18 लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग की जाती है, उसे अब 50 लाख लीटर तक दुग्ध संघों द्वारा की जाएगी। अत्याधुनिक मशीनों से इसकी जांच खरीदी केन्द्रों से लेकर प्रोसेसिंग प्लांट तक होगी।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन का कहना है कि इसकी गुणवत्ता एक समान है। अगर किसी तरह की हानिकारक रसायनों की मौजूदगी जांच में पाई जाती है तो संबंधित दूध उत्पादकों के खिलाफ तो कार्रवाई होगी ही वहीं पूरा लॉट निरस्त कर दिया जाएगा। इस बारे में कलेक्शन सेंटर संचालकों को भी निर्देश दिए गए हैं। अभी ढाई लाख से अधिक दूध उत्पादक किसानों से 10 लाख लीटर दूध की रोजाना खरीदी डेयरी फेडरेशन द्वारा की जा रही है। अब उसकी जांच सीधे किसान स्तर तक की जाएगी।

मनरेगा का बड़ा खेल! करोड़ों पंजीकृत मजदूर, लेकिन 100 दिन का काम सिर्फ 2 फीसद को

भोपाल। मध्य प्रदेश में मनरेगा योजना को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट ने कई गंभीर खामियों का खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 से 2024 के बीच राज्य में एक करोड़ से अधिक पंजीकृत श्रमिकों में से केवल 2 प्रतिशत को ही 100 दिनों का रोजगार मिल सका। वहीं 30 से 47 प्रतिशत मजदूरों को चार दिन का काम भी नसीब नहीं हुआ। इससे योजना के तहत रोजगार की गारंटी पर सवाल खड़े हो गए हैं।

रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया है। बैतूल, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, रायसेन, सागर, उमरिया और विदिशा समेत कई जिलों में डुप्लीकेट, फर्जी और त्रुटिपूर्ण जॉब कार्ड पाए गए। कई स्थानों पर मजदूरों को तय मजदूरी से 20 से 25 प्रतिशत तक कम भुगतान किया गया। कुछ पंचायतों में तालाब निर्माण के नाम पर धान की खेती होने और सूखे तालाबों पर लाखों रुपये खर्च दिखाने जैसी गड़बड़ियां भी सामने आईं।

इसके अलावा 31 मार्च 2024 तक मजदूरी और सामग्री लागत मिलाकर 1,217 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित पाया गया। रिपोर्ट ने मनरेगा के क्रियान्वयन, निगरानी और वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दो महीने से आउटसोर्स कर्मियों की नहीं मिला वेतन

पाई-पाई के लिए मोहताज हो रहे हमीदिया अस्पताल के कर्मचारी

भोपाल। राजधानी के हमीदिया अस्पताल में आउटसोर्स कर्मचारियों का वेतन नहीं मिलने का मामला तूल पकड़ गया। पिछले दो महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज सैकड़ों महिला और पुरुष कर्मचारियों ने कल सुबह से काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी। कर्मचारियों ने अस्पताल परिसर में धरना देकर बकाया वेतन और एरियर के भुगतान की मांग की। हड़ताल का असर अस्पताल की व्यवस्थाओं पर साफ दिखाई दिया। मरीजों को एक वार्ड से दूसरे वार्ड और ओपीडी तक ले जाने के लिए कोई कर्मचारी नहीं मिला, जिससे परिजनों को खुद व्हीलचेयर चलानी पड़ी और मरीजों को शिफ्ट करना पड़ा। कई जगह ऑक्सीजन सिलेंडर और बेड भी लिफ्ट के बाहर पड़े रहे।

कर्मचारियों का कहना है कि अप्रैल 2024 से लागू पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन का एरियर देने के आदेश विभाग पहले ही जारी कर चुका है, लेकिन अब तक भुगतान नहीं किया गया। वेतन और एरियर में लगातार हो रही देरी से कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि हमीदिया, सुल्तानिया समेत स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में समय पर वेतन नहीं मिलने की समस्या लगातार बनी हुई है। उन्होंने मांग की कि स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों के वेतन और एरियर भुगतान की जिम्मेदारी तय करे और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने। हड़ताल शाम करीब 4 बजे तक जारी रही। इसके बाद गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता सिंह, अस्पताल प्रबंधन और आउटसोर्स कंपनी के मैनेजर हड़ताल स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि अगले दो दिनों के भीतर सभी कर्मचारियों का बकाया वेतन और एरियर का भुगतान कर दिया जाएगा। इस आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त कर दी और काम पर लौट गए।

दो दिन में भुगतान नहीं हुआ तो फिर होगी हड़ताल

आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि प्रबंधन के आश्वासन का सम्मान करते हुए फिलहाल हड़ताल समाप्त की गई है। लेकिन यदि दो दिनों के भीतर वेतन और एरियर का भुगतान नहीं हुआ तो कर्मचारी दोबारा अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब दे चुका है और अब केवल आश्वासन नहीं, भुगतान चाहिए।

अनुराग जैन की विदाई, सीएस बर्णवाल ने संभाला पद

भोपाल। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाए गए अनुराग जैन से गरूवार को दिन भर मंत्रालय में अफसरों की मेल मुलाकात चलती रही। इधर राज्य शासन द्वारा नए मुख्य सचिव नियुक्त किए गए अशोक बर्णवाल ने गुरूवार को चार्ज संभाल लिया है और इसके बाद वे राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुलाकात करने लोकभवन भी पहुंचे हैं। नए सीएस बर्णवाल सीएम डॉ. मोहन यादव से बुधवार को ही मुलाकात कर चुके हैं। मुख्य सचिव ने उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से भी मुलाकात की।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने आज नीति आयोग के सीईओ के पद से विदाई के पहले मंत्रालय पहुंचने वालों से मुलाकात कर सभी की बधाइयां स्वीकार कीं। इस दौरान उन्होंने अनौपचारिक चर्चा में कहा कि नए पद की जिम्मेदारी संभालने के पहले वे कुछ दिन अवकाश पर रहेंगे क्योंकि जब नए पद की जिम्मेदारी संभालेंगे तो फिर छुट्टी मिलना मुश्किल होगा। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए बधाई देने पहुंचने वाले अफसरों को धन्यवाद भी किया। दूसरी ओर नए मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने भी नई जिम्मेदारी संभाल ली है। इसके बाद अब वे आगामी कार्यदिवस से प्रशासनिक जमावट और प्रशासनिक बैठकों का दौर शुरू करेंगे। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल दोपहर बाद लोकभवन पहुंचे। यहां उन्होंने राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुलाकात की और मुख्य सचिव के रूप में निभाई जाने वाली जिम्मेदारी के लिए उनका मार्गदर्शन लिया।

बीयू कुलगुरु का प्रभार अब शासन के पास

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के कुलगुरु पद के दायित्वों को लेकर मध्य प्रदेश राजभवन ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु पद का कार्य संभाल रहे संकायाध्यक्ष प्रो. विवेक शर्मा द्वारा प्रस्तुत इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। राज्यपाल एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल के आदेशानुसार राजभवन (लोक भवन) द्वारा 23 जुलाई 2026 को इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। प्रो. विवेक शर्मा ने 22 जुलाई 2026 को अपने पद से त्याग-पत्र प्रस्तुत किया था। कुलाधिपति द्वारा इस इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से मंजूर कर लिया गया है। राजभवन द्वारा जारी निर्देश के तहत, विश्वविद्यालय में नए नियमित कुलगुरु की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने तक यह अस्थाई व्यवस्था लागू रहेगी।

मध्यप्रदेश पुलिस में 9,662 पदों पर भर्ती को मंजूरी, 18 हजार पद भरने की तैयारी

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के बाद राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश पुलिस में विभिन्न श्रेणियों के 9,662 पदों पर भर्ती के लिए प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी है। गृह विभाग ने चार अलग-अलग आदेशों के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया को मंजूरी दी है। इनमें सहायक उपनिरीक्षक, सूबेदार, उपनिरीक्षक, आरक्षक (जीडी) और आरक्षक (चालक) के पद शामिल हैं।

स्वीकृत पदों में 655 पद सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) एवं शीघ्र लेखक, 507 पद विभिन्न श्रेणी के उपनिरीक्षक और सूबेदार, 7,500 पद आरक्षक (जीडी) तथा 1,000 पद आरक्षक (चालक) के हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही में पुलिस मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक में रिक्त पदों को शीघ्र भरने और पदोन्नति प्रक्रिया लगातार जारी रखने के निर्देश दिए थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कुल 18 हजार पदों पर भर्ती की जाएगी और शेष पदों की स्वीकृति भी जल्द जारी होगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में करीब 25 हजार पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है तथा सितंबर में भी शेष पात्र कर्मचारियों की पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। सरकार का लक्ष्य मध्यप्रदेश पुलिस को देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस बनाना है।

प्रमोशन नहीं मिला तो 27 से हड़ताल पर जाएंगे परिवहन विभाग के कर्मचारी

भोपाल । परिवहन विभाग के लिपिक कर्मचारियों के सालों से अटके प्रमोशन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि यदि लंबित पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए गए तो 27 जुलाई से पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। इसे लेकर कर्मचारी संघ ने परिवहन आयुक्त को अंतिम चेतावनी भी दे दी है।

परिवहन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्याम यादव ने बताया कि विभाग में लंबे समय से पात्र लिपिक कर्मचारियों की पदोन्नति लंबित है। इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों से मांग की गई, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया। कर्मचारियों का कहना है कि लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद प्रमोशन आदेश जारी नहीं होने से उनमें भारी नाराजगी है। संघ ने अपनी मांगों में सभी पात्र लिपिक कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश तत्काल जारी करने के साथ ही श्याम यादव को उनके पूर्व पदस्थापन स्थल पर पुनः पदस्थ करने की मांग भी रखी है। इसके लिए परिवहन आयुक्त को एक दिन का अल्टीमेटम दिया गया है।

ठप हो सकता है आरटीओ में कामकाज

कर्मचारी संघ का कहना है कि यदि तय समय तक मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो 27 जुलाई से परिवहन विभाग के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। ऐसे में विभागीय कामकाज प्रभावित हो सकता है। संघ ने कहा है कि हड़ताल की स्थिति बनने पर इसकी जिम्मेदारी शासन और विभागीय प्रशासन की होगी। अगर दोनों पक्षों के बीच बात नहीं बनती है तो प्रदेश के सभी आरटीओ ऑफिस में कामकाज ठप हो सकता है।

वैभव सूर्यवंशी का तूफानी अर्धशतक, भारत ने पहले टी-20 में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से रौंदा

हरारे। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला की शानदार शुरुआत करते हुए पहले मुकाबले में 7 विकेट से आसान जीत दर्ज की। हरारे में खेले गए मैच में भारत ने मेजबान टीम के 126 रन के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के सबसे बड़े नायक 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने मात्र 19 गेंदों में विस्फोटक अर्धशतक जड़कर इतिहास रच दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी। उसके लिए वेस्ली मधेवेरे ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए नियमित अंतराल पर विकेट झटके। जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी शुरुआत दिलाई। उन्होंने सिर्फ 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया और 50 रन की धमाकेदार पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। इसके बाद ईशान किशन ने 35 रन बनाए, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर 28 रन बनाकर नाबाद लौटे। अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह को इस मुकाबले में लंबी बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला क्योंकि भारत ने लक्ष्य बेहद आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। कप्तान श्रेयस अय्यर ने मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि युवा बल्लेबाज ने निडर होकर बल्लेबाजी की और टीम को शानदार शुरुआत दी। यह जीत अय्यर की टी-20 कप्तान के रूप में पहली जीत भी रही।

ओवल में खेला जाएगा डब्ल्यूटीसी फाइनल - आईसीसी

लंदन। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि साल 2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल ऐतिहासिक द ओवल मैदान पर खेला जाएगा। यह मुकाबला 9 से 13 जून, 2027 तक खेला जाएगा। इंग्लैंड ने पिछले साल अगले तीन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल, यानी 2027, 2029 और 2031 की मेजबानी के अधिकार हासिल किए थे। इन तीनों आयोजनों के लिए स्थल के चयन की जिम्मेदारी घरेलू बोर्ड ईसीबी को मिली है। ये दूसरी बार होगा जब ओवल डब्ल्यूटीसी फाइनल की मेजबानी करेगा। इससे पहले साल 2023 में भी इसी मैदान पर फाइनल खेला गया था, तब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर ट्रॉफी जीती थी। अभी तक के सभी तीनों डब्ल्यूटीसी फाइनल इंग्लैंड में ही हुए हैं।

2027 डब्ल्यूटीसी फाइनल में एक साल से भी कम समय बचा है और मौजूदा चक्र अपने अहम दौर में पहुंच रहा है। फाइनल में जगह बनाने के लिए नौ टीमें अभी भी दौड़ में शामिल हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा का स्तर काफी ऊंचा हो गया है। अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया (87.50 फीसदी) के साथ ही शीर्ष पर है। उसके बाद मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका (75फीसदी) के साथ ही दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड (72.22फीसदी) के साथ ही तीसरे जबकि बांग्लादेश (58.33) फीसदी के साथ ही चौथे पर है। भारत अपने नौ में से चार टेस्ट जीतकर (48.15) फीसदी अंक के साथ पांचवें स्थान पर है, श्रीलंका (41.67फीसदी) से छठे और इंग्लैंड (24.36फीसदी), वेस्टइंडीज (15फीसदी) और पाकिस्तान (8.33फीसदी) पर हैं। जुलाई और अगस्त में फाइनल की दौड़ तेजी पकड़ेगी, क्योंकि कई अहम सीरीज इस दौरान खेली जाएंगी।

भारत की अनाहत विश्व जूनियर स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

ओंटारियो। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह कनाडा में जारी विश्व जूनियर स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। अनाहत ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की डॉयस ये सैन ली को सीधे गेम में आसानी से हरा दिया। इसी के साथ ही अनाहत लगातार दूसरे साल इस अहम टूर्नामेंट में पदक की दौड़ में बनी हुई है। अनाहत ने मुकाबले में 11-4, 11-8 और 11-3 से जीत हासिल की। इस खिलाड़ी ने पिछले साल इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। अब अंतिम आठ के मुकाबले में अनाहत का सामना मिस्र की हबीबा रिजक से होगा। वहीं हबीबा ने ने एक अन्य प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अमेरिका की शार्लेट जे को हराया था। वहीं महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों की बात करें तो बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम ने शानदार वापसी करते हुए हांगकांग की एना क्वांग को 3-1 से जबकि । मिस्र की मलिका एलकाराक्सी ने अमेरिका की दिया यादव को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

जूडो खिलाड़ी अरुण कुमार डोप टेस्ट में विफल होने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर हुए

नई दिल्ली। जूडो खिलाड़ी अरुण कुमार को डोप परीक्षण में विफल रहने के कारण राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय दल से बाहर कर दिया गया है। अरुण का इस प्रकार बाहर होना भारत के लिए करारा झटका है। 73 किलोग्राम वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले अरुण पर डोप टेस्ट में प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का आरोप है, जिसके बाद से ही उन्हें अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया गया है। वहीं राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने अरुण के निलंबन की आधिसूचना भारतीय जूडो महासंघ को भेजी थी। महासंघ ने कहा, हमें नाडा से निलंबन की सूचना मिली है और इसके परिणामस्वरूप, हमें अरुण राष्ट्रमंडल खेलों के दल से बाहर कर दिया। गौरतलब है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब भारतीय दल ग्लास्गो के लिए अपनी अंतिम तैयारियों में जुटा था। अरुण कुमार ने पिछले महीने ही किंगडाओ ग्रां प्री में भी हिस्सा लिया था, जहां उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। अब भारतीय दल में खिलाड़ियों की संख्या 125 से घटकर 124 रह गई है। भारत ने जूडो के लिए 14 सदस्यीय मजबूत टीम का चयन किया था, जिसमें सात पुरुष और इतनी ही महिला खिलाड़ी शामिल थीं। अरुण का हटना टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, खासकर तब जब जूडो में भारत को पदक की उम्मीदें थीं। हालांकि, जूडो दल अभी तक ग्लास्गो के लिए रवाना नहीं हुआ है, क्योंकि उनकी प्रतियोगिताएं 31 जुलाई से शुरू होंगी।

भारतीय क्रिकेट टीम का प्रायोजक बनना अब और महंगा हुआ

बीसीसीआई ने टाइटल स्पॉन्सरशिप की कीमतें बढ़ायीं

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम का प्रायोजक बनने की चाहत रखने वाली कंपनियों को अब और अधिक रकम चुकानी होगी। इसका कारण है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए आधार मूल्य 15 फीसदी तक बढ़ा दिया है। ये कीमतें मार्च में नए व्यावसायिक चक्र से लागू होंगी। मार्च 2028 तक चलने वाले इस चक्र के लिए, बोर्ड ने इच्छुक कंपनियों से सीधे ही बोलियां आमंत्रित की हैं और प्रति मैच आधार कीमत 4.9 करोड़ रुपये तय किया है। यह पिछले चक्र की 4.2 करोड़ रुपये प्रति मैच की कीमत से काफी अधिक है और भारतीय क्रिकेट के बढ़ते व्यावसायिक मूल्य को दिखाता है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार ये नया समझौता मार्च 2028 तक प्रभावी रहेगा, जिसके तहत लगभग 35 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने की उम्मीद है। यदि इस दौरान अतिरिक्त मुकाबले जोड़े जाते हैं, तो मैचों की संख्या बढ़ सकती है। यदि प्रस्तावित 35 मैचों को ही आधार माना जाए, तो टीम इंडिया की टाइटल स्पॉन्सरशिप की कुल न्यूनतम

कीमत तकरीबन 169.8 करोड़ रुपये होगी। यह राशि पिछले चक्र में आईडीएफसी बैंक द्वारा 56 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए तय की गई 235.2 करोड़ रुपये कीमत की तुलना में काफी अधिक है।

बोर्ड ने टाइटल स्पॉन्सरशिप ही नहीं, बल्कि एसोसिएट पार्टनरशिप के लिए भी आधार कीमत बढ़ायी है। पहले प्रति मैच 82 लाख रुपये की रिजर्व राशि थी, जिसे बढ़ाकर अब 95 लाख रुपये प्रति मैच कर दिया गया है। पिछले व्यावसायिक चक्र में एसबीआई लाइफ, कैंपा कोला और एटोमबर्ग टीम इंडिया के एसोसिएट स्पॉन्सर थे। एसोसिएट स्पॉन्सर स्लॉट के लिए, 35 मैचों के आधार पर कुल न्यूनतम आधार कीमत लगभग 33.3 करोड़ रुपये प्रति स्लॉट निर्धारित की गई है।बोर्ड ने टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए 13 अगस्त तक और एसोसिएट पार्टनरशिप के लिए इच्छुक कंपनियों से 25 अगस्त तक अपनी बोली जमा करने की तारीख तय की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई ने इस बार स्पॉन्सरशिप साइकिल को मार्च 2028 तक सीमित रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि यह एडीडास और अपोलो टायर्स जैसे बोर्ड के अन्य बड़े वाणिज्यिक समझौतों की अवधि के साथ मेल खा सके। इस रणनीति के तहत, बोर्ड का लक्ष्य अगले नवीनीकरण चरण में कई प्रमुख स्पॉन्सरशिप अधिकारों को एक साथ एक पैकेज के रूप में प्रस्तुत करना है। बोर्ड को उम्मीद है कि इससे कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और उसे अधिक राजस्व मिलेगा। यह नई बोली प्रक्रिया ऐसे समय में शुरू की गई है, जब विज्ञापनदाता तेजी से टी20 क्रिकेट की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ऐसे में, बीसीसीआई लगातार टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट के व्यावसायिक मूल्य पर भी नजर बनाए हुए है, ताकि लाभ मिलने के साथ ही खेल के सभी प्रारूपों का वित्तीय संतुलन बना रहे।

लवलीना राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में पहुंचीं

ग्लास्गो। भारत की ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के 75 किलोग्राम भार वर्ग में सीधे सेमीफाइनल में जगह मिल गयी है। इसी के साथ ही उन्हें एक पदक मिलना तय हो गया है।पांच मुक्केबाजों के छोटे ड्रॉ के पहले ही दौर में बाय मिलने से वह सीधे उन्हें अंतिम चार में पहुंच गयीं। अब उनका मुकाबला 31 जुलाई को होने वाले सेमीफाइनल में तुवालू की टीकेवीपी ताफाकी से होगा। गौरतलब है कि मुक्केबाजी में जब किसी श्रेणी में खिलाड़ियों की संख्या कम होती है, तो कुछ मुक्केबाजों को पहले दौर में बाय मिलता है। इससे वे बिना खेले ही सीधे अगले दौर में पहुंच जाते हैं। इसी तरीके से लवलीना को सेमीफाइनल में जगह मिली। अब उनका प्रयास सेमीफाइनल जीतकर खिताबी मुकाबले की ओर जाना रहेगा।

लवलीना ने पहले ओलंपिक, विश्व चैम्पियनशिप, एशियाई खेल और एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीते हैं। ऐसे में अब उनका लक्ष्य यहां स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। लवलीना का यह शुरुआती पदक पूरे भारतीय दल के लिए मनोबल बढ़ाने वाला साबित होगा। इससे अन्य एथलीटों को भी प्रेरणा मिलेगी कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और देश के लिए और पदक जीतें। राष्ट्रमंडल खेल, जिन्हें फ्रेंडली गेम्स के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय एथलीटों के लिए अपनी क्षमताओं को परखने और दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का एक महत्वपूर्ण मंच हैं।

ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की 10 स्पर्धाओं में उतरेंगे 3000 खिलाड़ी

ग्लास्गो। स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में आज से राष्ट्रमंडल का अब तक का सबसे छोटा संस्करण शुरु होने जा रहा है। ये पिछले तीन दशकों में ऐसा पहली बार हो रहा है जब इतने कम खेलों को रखा गया है। इसका कारण बजट की कमी है। इस बार केवल 10 खेल स्पर्धाएं रखी गयी हैं जिसमें 74 देशों के करीब 3000 खिलाड़ी उतर रहे हैं। आजमाएंगे। ग्लास्गो ओवो हाइड्रो स्टेडियम में गुरुवार को उद्घाटन समारोह के साथ इन खेलों की औपचारिक शुरुआत होगी। ग्लास्गो दूसरी बार इन खेलों की मेजबानी संभाली है। इससे पहले साल 2014 में भी यहां खेल हुए थे। इस आयोजन का बजट करीब 160 मिलियन पाउंड है, जो बर्मिंघम 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों से 60 फीसदी कम है। इस बार कम खेल स्पर्धाएं रखे जाने का विपरीत प्रभाव भारत पर पड़ेगा है। भारत मैनचेस्टर 2002 से हर राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष पांच में रहा है पर इस बार हॉकी, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और निशानेबाजी जैसे महत्वपूर्ण खेलों को शामिल नहीं किया गया है। जिससे भारत को नुकसान होगा क्योंकि पिछली इन खेलों में ही उसे अधिक पदक मिले थे। अब भारत की उम्मीदें एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन जैसे प्रमुख खेलों पर पर रहेंगी।

एथलेटिक्स में भारत ने 32 सदस्यीय मजबूत दल उतारा है, ये 22 पदक स्पर्धाओं में भाग लेगा। इस दल की कमान दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा करेंगे। वहीं ऊंची कूद में सर्वेश कुशारे, लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर, त्रिकूद में प्रवीण चित्रावेल और महिला तथा पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों से भी भारत को पदक की उम्मीदें रहेंगी। पिछले बर्मिंघम खेलों में एथलेटिक्स से भारत ने आठ पदक जीते थे। वहीं भारोत्तोलन में ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू पर सबकी नजरें रहेंगी। मीराबाई ने पिछले दो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं और इस बार भी उनसे पदक की प्रबल उम्मीद है। वहीं

मुक्केबाजी में, टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किलो वर्ग) राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला पदक जीतने का प्रयास करेंगीगी। 57 किलो वर्ग में विश्व चैंपियन जैसमीन लंबोरिया स्वर्ण के लिए उतरेंगी। एशियाई चैंपियन प्रीति पवार (54 किलो), साक्षी चौधरी (51 किलो) और अरुंधती चौधरी (70 किलो) भी मजबूत दावेदार हैं। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में, नरेंदर बेरवाल (90 किलो) और विश्व कप पदक विजेता सचिन सिवाच (60 किलो) से भी पदक की उम्मीदें हैं। इन प्रमुख खेलों के अलावा, भारत को लॉन बॉल और जूडो से भी उम्मीदें हैं। लॉन बॉल में भारत ने बर्मिंघम में महिला वर्ग में स्वर्ण और पुरुष वर्ग में रजत पदक जीते थे, जिसे वे इस बार दोहराना चाहेंगे। जूडो में भी पिछले खेलों के तीन पदकों से बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य है। इस बार छह खेलों में पैरा स्पर्धाएं भी साथ में हो रही हैं, जिससे पैरा एथलीटों से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत का लक्ष्य है विश्वकप जीतना

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले माह होने वाले विश्वकप में जीत दर्ज करना है। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम इस बार 51 साल से चले आ रहे विश्व कप के खिताबी सूखे को समाप्त करने के इरादे से उतरेगी। हरमनप्रीत दूसरी बार विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे है और उन्हें भरोसा है कि टीम इस बार जीत दर्ज करने में सफल रहेगी। विश्वकप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय टीम पिछले 50 साल से ये खिताब नहीं जीत पायी है। उसने अंतिम बार साल 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में विश्वकप जीता था। इससे पहले टीम ने 1971 में कांस्य, 1973 में रजत जीता था। मौजूदा टीम का आत्मविश्वास पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है। हरमनप्रीत ने बताया कि टोक्यो ओलंपिक 2021 में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने और पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दूसरा कांस्य जीतने से टीम उत्साहित है। अब उनका लक्ष्य सिर्फ ओलंपिक पदक नहीं, बल्कि विश्व कप जीतकर नया इतिहास रचना है।

हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले कुछ समय में टीम ने विश्व की शीर्ष टीमों को

हराकर अपने को साबित किया है। उन्होंने कह कि यह समय आ गया है कि हम प्रशंसकों के लंबे इंतजार को समाप्त करें। हम प्रशंसकों से अपील करते हैं कि वे हमारा समर्थन करते रहें, हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगे और जीत हासिल करेंगे।भारतीय टीम को विश्वकप के लिए पूल-डी में रखा गया है, जहां उसका सामना इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स से होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी, जिसका लक्ष्य जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करना होगा। कप्तान ने टीम की तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में टीम के प्रदर्शन ने काफी आत्मविश्वास दिया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि सत्र में 33 खिलाड़ियों को मौका देकर टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ पर बखूबी काम किया है। उन्होंने जोर दिया कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना, गलतियों से बचना और हर मैच में सुधार करना बेहद महत्वपूर्ण होगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला पाकिस्तान से भी है। उसके लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि हमने पिछले एक दशक से पाक को हर बार हराया है, इसलिए ये हमारे लिए किसी अन्य मैच की तरह ही होगा। हमारा लक्ष्य पाक ही नहीं सभी टीम पर जीत दर्ज करना है।

सिंधु चाइना ओपन में यू फेई से हार के साथ ही बाहर हुई

बीजिंग। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। सिंधु को महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी चेन यू फेई ने 21-16, 20-22, 18-21 से हराया। इस मुकाबले में सिंधु ने अच्छी शुरुआत की थी। उन्होंने कोर्ट पर अपनी आक्रामक शैली से पहले गेम को 21-16 के स्कोर से जीत लिया। इससे लग रहा था कि वह यू फेई के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रहेंगी। दूसरे गेम में भी सिंधु एक समय 20-16 से आगे थीं और जीत दर्ज करने के लिए उनके पास चार मैच अंक थे। पर चीनी खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी करते हुए लगातार छह अंक हासिल करते हुए और 22-20 के स्कोर के साथ दूसरा गेम जीत लिया। इससे ये मुकाबला बराबरी पर आ गया। इसके बाद तीसरे और निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। एक समय स्कोर 17-17 से बराबरी पर था, जिससे मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। इसी दौरान चेन यू फेई ने लगातार तीन अंक हासिल कर बढ़त ले ली। इसके बाद सिंधु ने एक मैच अंक बचाने का प्रयास किया पर चीनी खिलाड़ी ने 21-18 से निर्णायक गेम जीतकर सिंधु का सपना तोड़ दिया। इस जीत के साथ ही यू फेई ने जापान ओपन के सेमीफाइनल में सिंधु के हाथों से मिली हार का बदला ले लिया। पिछले सप्ताह हुए उस मुकाबले में सिंधु ने चेन यू फेई को हराया था, हालांकि तब चीनी खिलाड़ी चोट के कारण मैच पूरा नहीं खेल पाई थीं। इस बार चेन ने पूरी फिटनेस और तैयारी के साथ कोर्ट पर वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और अपनी पिछली हार का बदला ले लिया।

मेजर लीग सॉकर : इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया

मियामी। स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज के दो शानदार गोल से इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के एक रोमांचक मुकाबले में शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हरा दिया। एमएलएस में इसी के साथ ही मियामी ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता। इस रोमांचक मुकाबले में सुआरेज के अलावा उभरते हुए खिलाड़ी प्रेस्टन प्लैम्बेक ने मैच के अंतिम क्षणों में एक गोल दागकर टीम की जीत तय कर दी।

सुआरेज के लिए यह मुकाबला विशेष रहा। उन्होंने इंटर मियामी की ओर से सभी प्रतियोगिताओं में अपने 100 मैच पूरे किए। इससे उनकी निरंतरता और क्लब के प्रति समर्पण का अंदाजा होता है। इसके अलावा सुआरेज ने क्लब के लिए 50 गोल कर एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की है। इससे वह इंटर मियामी की ओर से ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

मैच की शुरुआत शिकागो फायर के लिए अच्छी रही और 18वें मिनट में ही उन्हें इंटर मियामी के एक खिलाड़ी के आत्मघाती गोल से 1-0 की बढ़त मिल गई। इसके बाद मियामी ने 26वें मिनट में पलटवार किया और खिकागो फायर के एक खिलाड़ी के फाउल के बाद उसे पेनल्टी मिली। जिसे गोल में बदलने में सुआरेज ने कोई गलती नहीं की। इससे मुकाबला 1-1 से बराबरी पर आ गया। वहीं दूसरे हाफ में, इंटर मियामी ने आक्रमक जारी रखा। 51वें मिनट में सुआरेज ने एक और गोल दागकर अपनी टीम को मियामी को 2-1 की बढ़त दिला दी। इस गोल के साथ ही सुआरेज के एमएलएस रेगुलर सत्र में 8 गोल हो गए, और उन्होंने पिछले दो लीग मैचों में पांच गोल करके रिकार्ड को और बेहतर किया।

तिलक बोले टीम की जरुरतों के अनुसार खेलना मेरी पहली प्राथमिकता

हरारे। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज और टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा पिछले कुछ समय से धीमी बल्लेबाजी के लिए निशाने पर रहे हैं। उनके कम स्ट्राइक रेट को लेकर भी अक्सर सवाल उठते रहे हैं। इन्हीं को लेकर अब तिलक ने अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। तिलक के आलोचकों का कहना है कि आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उनका स्ट्राइक रेट कम था जिससे टीम को नुकसान हुआ। वहीं तिलक ने कहा कि से उनके लिए व्यक्तिगत आंकड़े मायने नहीं रखते हैं। वह हमेशा टीम की जरूरतों को ही अपनी पहली प्राथमिकता मानते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैदान पर उनका खेल केवल हालातों और टीम की मांग के अनुरूप ही होता है।

तिलक ने कहा कि टी20 क्रिकेट में हर मैच और हालात एक-दूसरे से बिलकुल अलग होते हैं। ऐसे में एक बल्लेबाज को उसी हिसाब से खेलना होता है। उन्होंने कहा, इस खेल की प्रकृति ही ऐसी है कि यह हर पल बदलता रहता है, और खासकर विदेशी हालातों में जहां पिचों का मिजाज और माहौल अलग होता है, ऐसे में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता। इसलिए मैं हमेशा टीम की जरूरत के अनुसार ही खेलता हूं। अगर टीम को पारी संभालने और विकेट गिरने से रोकने की जरूरत हो, तो मैं वह भूमिका निभाता हूं, और अगर पहली गेंद से ही आक्रामक बल्लेबाजी कर रन गति बनाने हो, तो मैं उसके लिए भी तैयार रहता हूं।

तिलक ने कहा कि आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के कुछ मैचों में हमारी टीम ने शुरुआती ओवरों में लगातार विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में उनका मुख्य लक्ष्य केवल तेजी से रन बनाना नहीं था, बल्कि एक छोर पर टिककर पारी को स्थिरता प्रदान करना था ताकि टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सके। उनके अनुसार ऐसे हालातों में केवल स्ट्राइक रेट देखकर किसी बल्लेबाज का आंकलन करना या उसे आलोचना का शिकार बनाना उचित नहीं है, क्योंकि टीम के हित में निभाई गई भूमिका कहीं अधिक महत्वपूर्ण होती है।

गौरतलब है कि आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर तिलक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा था। उन्होंने कुल सात टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में 178 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 29.67 और स्ट्राइक रेट 131.85 रहा। इस दौरान उन्होंने दो शानदार अर्धशतक भी लगाये। विशेष रूप से, इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टी20 मैच में उन्होंने सिर्फ 25 गेंदों पर 53 रन की तेज-तर्रार पारी खेलकर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी की क्षमता का प्रदर्शन भी किया था, जो दिखाता है कि जरुरत पड़ने पर वह तेजी से भी खेल सकते हैं।

कुलदीप अब काउंटी क्रिकेट टीम यॉर्कशायर से खेलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर कुलदीप यादव अब इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में यॉर्कशायर टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। कुलदीप के इंग्लैंड दौरे के एक ही मैच में जगह नहीं मिली थी। वहीं इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया था। इसी कारण उन्होंने काउंटी की ओर रुख किया है जिससे वहां अच्छा प्रदर्शन कर टीम में वापसी की दावेदारी करें। क्लब के साथ किये करार के तहत वह मौजूदा सत्र में आठ गेम ही खेलेंगे। इस करार के तहत ही कुलदीप अब यॉर्कशायर से जुड़ने वाले पांचवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं यॉर्कशायर के अनुसार कुलदीप पांच मेट्रो बैंक वन डे कप मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके बाद वे सितंबर में होने वाले चार रोथेसे काउंटी चैम्पियनशिप फिक्स्चर में से तीन के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे। वह शुक्रवार को ग्लैमर्गन के खिलाफ नेथ में होने वाले 50 ओवर के मैच के लिए सीधे टीम में शामिल होंगे। वहीं यॉर्कशायर में शामिल होने से उत्साहित कुलदीप ने कहा, मैं यॉर्कशायर जैसे क्लब की ओर से खेलने का अवसर मिलने से उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने हमेशा यहां के हालातों में खेलने का आनंद लिया है, और प्रबंधन से बात करने के बाद, मैं टीम में शामिल होने को लेकर उत्साहित हूं। यॉर्कशायर प्रबंधन को विश्वास है कि कुलदीप यहां पड़ रही तेज गरमी के कारण बने कठिन हालातों में बेहद सफल रहेंगे। क्लब के क्रिकेट महाप्रबंधक गैविन हैमिल्टन ने कुलदीप की प्रशंसा करते हुए कहा, कुलदीप एक निपुण, अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं जो हमारी टीम को और बेहतर बनाएंगे। गौरतलब है कि कुलदीप अपनी बाएं हाथ की कलाई की स्पिन के साथ टीम के लिए बेहतर गेंदबाज बनकर उभरेंगे। वह अपने अनुभव से भी टीम के लिए लाभप्रद रहेंगे। इस गेंदबाज ने 18 टेस्ट मैचों में उन्होंने 22 की औसत से 79 विकेट लिए हैं, जिसमें 5-40 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है।

हमारे युवाओं के भविष्य को सबसे ज्यादा नुकसान आपने ही पहुंचाया

पेपर लीक को लेकर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर किया तीखा हमला

नई दिल्ली। देश के युवाओं के कल्याण को प्राथमिकता देने के बारे में पीएम नरेंद्र मोदी के बयान पर तीखा हमला करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र पर शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद होने देने और उसे बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इससे पहले एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा था कि हमारे युवाओं के कल्याण और भविष्य से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं है। हमने पेपर लीक में शामिल लोगों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला किया है। संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आपने ही हमारे युवाओं के भविष्य को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। आपने हमारी शिक्षा व्यवस्था पर पूरी तरह कब्जा करने और उसे बर्बाद करने की इजाजत दी और उसे बढ़ावा दिया और इसके लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति को बचाया। परीक्षा पेपर लीक को लेकर चल रहे आंदोलन की मांगों को दोहराते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि छात्रों की मांगें साफ हैं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करें, छात्रों से माफी मांगें और उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें जिन्होंने उन पर हमला किया।

बता दें राहुल गांधी 20 जुलाई को संसद तक कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हुए मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस बर्बरता का जिक्र कर रहे थे। एक दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने दावा किया कि मौजूदा सरकार के तहत भारत की शिक्षा व्यवस्था में धांधली की गई है। दिल्ली में छात्रों के आंदोलन को सही ठहराते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वे एक निष्पक्ष और जायज वजह के लिए लड़ रहे थे, लेकिन सरकार उन्हें डराने-धमकाने और कुचलने के लिए बल का इस्तेमाल कर रही थी।

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर हमला तेज करते हुए उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान भ्रष्ट और अक्षम हैं और मांग की कि उन्हें अपने पद से हट जाना चाहिए। बता दें मंगलवार को राहुल गांधी ने कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के साथ मिलकर, नीट पेपर लीक के खिलाफ विरोध कर रहे लोगों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में पीएम मोदी के आवास के पास धरना दिया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें कुछ देर के लिए हिरासत में ले लिया था। बाद में छोड़ दिया था।

पीएम मोदी के ऐलान के बाद तेज कार्रवाई, 4 राज्यों में फास्ट ट्रैक कोर्ट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के ऐलान के तुरंत बाद, केंद्र सरकार ने नीट पेपर लीक मामले में मिशन मोड में कार्रवाई शुरू की है। सूत्रों के अनुसार, अब नीट पेपर लीक के आरोपियों पर सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत मुकदमा चलेगा। इसी कड़ी में, इन मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए, चार राज्यों में विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने की तैयारी है। केंद्र सरकार संबंधित राज्य सरकारों और उच्च न्यायालयों से विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन का अनुरोध करेगी। इन अदालतों में नीट पेपर लीक से जुड़े मामलों की रोजाना सुनवाई होगी, ताकि जांच और ट्रायल में देरी न हो और जल्द से जल्द न्याय मिल सके। यह नया कानून, जो 21 जून 2024 से पूरे देश में लागू है, सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, सॉल्वर गैंग के संचालन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग और अन्य अनुचित तरीकों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लाया गया है। इसमें दोषी साबित होने पर कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान है। यह अधिनियम संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी), आईबीपीएस (आईबीपीएस) और केंद्र सरकार के मंत्रालयों व विभागों की भर्ती परीक्षाओं के अलावा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित सभी प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं पर लागू होता है, जिसमें नीट भी शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, नीट पेपर लीक मामले में कानून के तहत अब तक चार प्राथमिकियां (एफआईआर) दर्ज की जा चुकी हैं। प्रस्तावित फास्ट ट्रैक कोर्ट बॉम्बे, कलकत्ता, दिल्ली और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे, जिसमें से दो मामले सिर्फ बॉम्बे हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। केंद्र सरकार का मानना है कि विशेष अदालतों के गठन से न केवल आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेज होगी, बल्कि सार्वजनिक परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर भी मजबूत संदेश जाएगा। यह कदम भविष्य में पेपर लीक और संगठित नकल जैसे गंभीर अपराधों पर प्रभावी रोक लगाने में भी सहायक सिद्ध होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने समय उचित नहीं कह टाली ज्ञानवापी मामले की सुनवाई

नई दिल्ली। ज्ञानवापी परिसर में सावन माह के दौरान कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाभिषेक की अनुमति देने संबंधी याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित करते हुए कहा कि फिलहाल ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई का उचित समय नहीं है।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने अदालत को बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने विवादित संरचना से संबंधित अपनी रिपोर्ट अभी तक प्रस्तुत नहीं की है। इस पर सीजेआई ने कहा कि सभी पक्षों को धैर्य रखना चाहिए और पहले से अनेक मामले लंबित हैं। अदालत ने इसके बाद अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित कर दी।

ताहिर हुसैन की सजा पर फैसला टला

नई दिल्ली। आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों की सजा पर गुरुवार को बहस होनी थी, लेकिन दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने सुनवाई 27 जुलाई तक के लिए टाल दी। ताहिर हुसैन के वकील के अनुरोध पर अदालत ने यह फैसला लिया। कोर्ट ने सभी दोषियों के वकीलों को उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति (सोशियो-इकोनॉमिक स्टेटस) का हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया। कड़कड़डूमा कोर्ट ने 13 जुलाई को ताहिर हुसैन, नाजिम, काशिम, अनस और जावेद को हत्या, अपहरण, दंगा और सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने का दोषी ठहराया था। वहीं, 11 आरोपियों में से 6 को बरी कर दिया गया था। यह मामला दयालपुर थाने में अंकित शर्मा के पिता रविंदर कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया था। 25 फरवरी 2020 को अंकित शर्मा ऑफिस से घर लौटने के बाद दोबारा बाहर निकले थे, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं आए।

629 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में हुई देरी, 103 ठेकेदारों पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली। देशभर में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग एवं एक्सप्रेसवे परियोजनाओं में बड़ी संख्या में देरी सामने आई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में बताया कि वर्तमान में देश में 1,191 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर कार्य जारी है, जिनमें से 629 परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा से पीछे चल रही हैं। हालांकि, उन्होंने परियोजनाओं में देरी के कारणों का उल्लेख नहीं किया। राज्यसभा में दिए गए एक अन्य लिखित उत्तर में गडकरी ने बताया कि वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में खराब गुणवत्ता पाए जाने पर 103 ठेकेदारों और कन्सेशनेयरों को ब्लैकलिस्ट किया गया अथवा उन पर जुर्माना लगाया गया। मंत्री ने बताया कि सरकार ने लगभग 52,647 किलोमीटर लंबे चार लेन एवं उससे अधिक क्षमता वाले राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर चरणबद्ध तरीके से एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) लागू करने की योजना बनाई है। इसके तहत केंद्रीकृत निगरानी, ट्रैफिक विश्लेषण, घटना प्रबंधन तथा स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कमांड एवं कंट्रोल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही एकीकृत एटीएमएस सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म भी विकसित किया जा रहा है, जिससे निगरानी, डेटा एकीकरण और प्रदर्शन प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। सड़क सुरक्षा के संबंध में गडकरी ने बताया कि वर्ष 2023 से 2025 के बीच इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट के आधार पर देशभर में 6,358 ब्लैक कॉरिडोर की पहचान की गई है। वहीं, फास्टैग आधारित वार्षिक पास योजना को भी व्यापक सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि जून 2026 तक 77 लाख से अधिक वार्षिक पास जारी किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर 63 करोड़ से अधिक लेनदेन दर्ज किए गए हैं।

विदेशी फंडिंग के आरोपों पर दिल्ली हाईकोर्ट गंभीर, एनआईए जांच की मांग पर सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट नीट पेपर लीक के विरोध में चल रहे प्रदर्शनों और संसद चलो अभियान के लिए कथित तौर पर विदेशी फंडिंग की जांच एनआईए या किसी अन्य एजेंसी से करने की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर तत्काल सुनवाई के लिए सहमत हुआ है। इस गंभीर मामले पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष सतीश कुमार अग्रवाल द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह पूरा प्रदर्शन एक बहुत बड़ी साजिश का हिस्सा है, जिसमें विदेशी फंड पर चलने वाले संगठन और राजनीतिक नेता शामिल हैं। याचिकाकर्ता के वकील बरुण कुमार सिन्हा ने मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ के समक्ष दलील दी कि तथाकथित छात्रों के इन प्रदर्शनों ने पूरी दिल्ली को बंधक बनाया है, सड़कें बंद हैं और आम नागरिक परेशान हो रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखकर याचिका को स्वीकार किया।

याचिकाकर्ता का दावा है कि जो प्रदर्शन नीट परीक्षा पेपर लीक को लेकर शुरू हुआ था, वह विभिन्न नेताओं के शामिल होने से कथित तौर पर एक राजनीतिक आंदोलन में बदल गया है। याचिका 20 जुलाई के मार्च में हुई हिंसा का हवाला देती है, जिसमें लोगों की आवाजाही में बाधा, पत्रकारों पर हमले, सरकारी व निजी संपत्तियों को नुकसान, संसद की सुरक्षा तोड़ने की कोशिश और पुलिसकर्मियों के घायल होने जैसी घटनाएँ शामिल हैं। इसमें प्रदर्शनों के आयोजकों, इसमें शामिल लोगों और किसी भी संभावित विदेशी हाथ की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। जनहित याचिका सामजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर विदेशी संगठनों से कथित साठगांठ के आरोपों का जिक्र

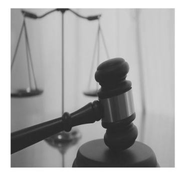

करती है, जिसे राष्ट्र-विरोधी ताकतों की एक बड़ी साजिश बताया गया है।

पीआईएल में आरोप है कि यह विरोध छात्रों की वास्तविक चिंता से जुड़ा नहीं है, बल्कि देश को अस्थिर करने के इरादे से राष्ट्र-विरोधी और विदेशी तत्वों द्वारा वित्तीय दखल और मौद्रिक संसाधनों का उपयोग करके रची गई बड़ी साजिश है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के नाम पर आयोजित प्रदर्शन में लेखिका अरुंधति रॉय, अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी मार्लेना, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव और चंद्रशेखर आजाद जैसे प्रमुख नेताओं की उपस्थिति पर सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि इन नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर हिंसा के लिए उकसाया और संसद का गेट तोड़ने का प्रयास किया।

शिवपुरी से तोप चोरी : राजस्थान में बांध उड़ाने की साजिश के इनपुट पर ताबड़तोड़ छापेमारी

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में मौजूद प्रसिद्ध और प्राचीन नरवर किले से चोरी हुई ऐतिहासिक तोप के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले की पड़ताल कर रही शिवपुरी पुलिस को पड़ोसी राज्य राजस्थान के करौली से बेहद अहम इनपुट मिले हैं, जिसके आधार पर चोरों की धरपकड़ के लिए राजस्थान सीमा में ताबड़तोड़ छापेमारी हो रही है। इस चोरी के पीछे एक बेहद खतरनाक मकसद होने का दावा किया जा रहा है कि कथित तौर पर एक मिट्टी के बांध को उड़ाना।

यह बेशकीमती तोप 15 जुलाई 2026 को नरवर किले से चुराई गई थी, जिसके बाद से ही इतिहास प्रेमियों में भारी आक्रोश था। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा है।

मामले में सबसे हैरान करने वाला खुलासा सूत्रों और चर्चाओं से सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि इस प्राचीन तोप को किसी सामान्य चोरी के इरादे से नहीं, बल्कि एक बड़े मिट्टी के बांध को उड़ाने की विशेष साजिश के तहत चुराया गया था। हालांकि, प्रशासनिक या पुलिस अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर बांध उड़ाने की थ्यौरी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन इनपुट के बाद मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस दोनों अलर्ट मोड पर आ गई हैं।

जांच में साफ हुआ है कि आरोपी तोप चुराने के तुरंत बाद राजस्थान सीमा में ले गए थे। इसके बाद शिवपुरी पुलिस ने तालमेल बिठाकर संयुक्त रणनीति तैयार की और संदेहास्पद ठिकानों पर दबिश देना शुरू किया है। शिवपुरी जिले के पुलिस अधिकारी ने बताया, राजस्थान पुलिस के सहयोग से सटीक लोकेशन और संदिग्धों पर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही पूरी वारदात का खुलासा कर ऐतिहासिक तोप को सुरक्षित बरामद किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि आरोपियों के बेहद करीब पहुंचा जा चुका है।

राजा नल और दमयंती की कथाओं से जुड़े नरवर किले का स्थापत्य और इतिहास बेहद समृद्ध रहा है। किले से इतनी भारी-भरकम तोप का चोरी होना और सुरक्षा घेरा तोड़कर राजस्थान तक ले जाना धरोहरों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। फिलहाल, सभी की निगाहें पुलिस के उस खुलासे पर टिकी हैं जो बांध उड़ाने की इस कथित साजिश का पूरा सच सामने लाएगा।

सरकार अपनी गलतियां माने, विपक्ष को दोष देना बंद करे- ओवैसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर अपनी गलतियां न मानने और युवाओं का अपमान करने पर तीखा हमला बोला। उन्होंने केंद्र सरकार से विपक्ष को विभिन्न संकटों के लिए दोषी ठहराने की बजाय अपनी जवाबदेही स्वीकार करने की अपील की।

ओवैसी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार युवाओं की नजरअंदाज करती है और युवाओं से संवाद करने से बचती है। उन्होंने कहा, आप छोटे बच्चों को बुलाते हैं और उन्हें दो घंटे तक घर पर बिठाए रखते हैं। आप उनसे बात नहीं करते, बल्कि उन्हें अपमानित करते हैं। आपको उनसे बात करना सीखना चाहिए। यह सब आपकी, यानी सरकार की वजह से हो रहा है। ओवैसी ने सरकार की आलोचना कर कहा कि वह अपनी गलतियां मान नहीं रही और हर बात के लिए विपक्ष को दोषी ठहरा रही है। उन्होंने कहा, आपको लगता है कि आपके पास भारी बहुमत है और आप हम सभी को दबा सकते है। आप ऐसा नहीं कर पाएंगे। आप इस कम आंक रहे हैं।

इससे पहले गुरुवार को, कई विपक्षी सदस्यों ने संसद परिसर में मकर द्वार के पास विरोध प्रदर्शन किया। देशभर में परीक्षा पेपर लीक को लेकर हो रहे विरोध के बीच उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। एनडीए सांसदों ने भी इसी जगह इंडिया गठबंधन के सदस्यों के जवाब में एक और विरोध प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेपर लीक में शामिल लोगों को कड़ी सज़ा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने के ट्वीट पर कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि फास्ट-ट्रैक कोर्ट से कुछ हासिल नहीं होगा। शुक्ला ने कहा कि सबसे पहले इसके लिए जिम्मेदार बड़े अधिकारियों को सज़ा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, फास्ट-ट्रैक कोर्ट वाली बात बाद की प्रक्रिया होगी, क्योंकि उन्हें जमानत मिल जाएगी।

उबर ने अपने ग्राहक सेवा कर्मचारियों की करीब 10 फीसदी की छंटनी की

नई दिल्ली। राइड-हेलिंग कंपनी उबर टेक्नोलॉजीज ने एआई आधारित दक्षता बढ़ाने और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने के लिए अपने ग्राहक सेवा कर्मचारियों में करीब 10 फीसदी की कटौती कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ताजा छंटनी उबर के कम्युनिटी ऑपरेशंस डिवीजन में की गई, जो कस्टमर सपोर्ट प्रदान करता है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कंपनी ने इस डिवीजन में काम करने वाले रिमोट कर्मचारियों को अपनी व्यापक रिटर्न-टू-ऑफिस रणनीति के तहत तय हब कार्यालयों में स्थानांतरित होने के लिए कहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह पुनर्गठन ऐसे समय में किया गया है जब उबर अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं को ज्यादा सुव्यवस्थित करने और परिचालन में एआई के इस्तेमाल का दायरा बढ़ाने पर जोर दे रही है। कंपनी के एक इंटरनल मैसेज के हवाले से बताया कि मौजूदा संगठनात्मक ढांचा काफी बिखरा हुआ था, जिससे अगली पीढ़ी की एआई तकनीकों का पूरा लाभ उठाना मुश्किल था। यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम है क्योंकि पहली बार उबर ने कर्मचारियों की छंटनी को सीधे अपनी एआई रणनीति से जोड़ा है। इससे पहले जून में भी कंपनी ने अपने पीपल डिवीजन में करीब 23 फीसदी पद खत्म कर दिए थे, जिसका असर उसके वैश्विक स्तर पर करीब 34,000 कर्मचारियों में से 1 फीसदी से भी कम कर्मचारियों पर पड़ा था। उबर पहले ही संकेत दे चुकी थी कि कंपनी में एआई के व्यापक इस्तेमाल के कारण नई भर्तियों की रफ्तार धीमी हो सकती है।

हालांकि, कंपनी अभी भी 500 से ज्यादा रिक्त पदों के लिए भर्ती कर रही है, जिनमें ऑटोनॉमस मोबिलिटी और रोबोटिक्स कार्यक्रमों से जुड़े इंजीनियरिंग पद भी शामिल हैं। उबर की यह नई छंटनी ऐसे समय में हुई है जब वैश्विक प्रौद्योगिकी उद्योग में भी बड़े पैमाने पर नौकरियों में कटौती का दौर जारी है। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक 2026 के पहले पांच महीनों में दुनिया भर में एक लाख से ज्यादा तकनीकी नौकरियां खत्म हो चुकी हैं। इनमें केवल मई महीने में ही करीब 28,900 कर्मचारियों की छंटनी हुई। आंकड़ों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर अब तक 1,16,739 तकनीकी कर्मचारी अपनी नौकरी गंवा चुके हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लागत अनुकूलन, पुनर्गठन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करने के कारण उबर, मेटा, क्लाउडफ्लेयर, इंट्यूट, पेपाल, सिस्को, क्रोरा और कॉइनबेस जैसी कई बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां भी कर्मचारियों की संख्या में कटौती की घोषणा कर चुकी हैं।

5 साल में 520 करोड़ का मुनाफा! छात्रों की जेब से एनटीए ने भरा खजाना

- 270 परीक्षाओं से 3,545 करोड़ की फीस वसूली

नई दिल्ली। देशभर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) बीते पांच वर्षों में छात्रों से परीक्षा शुल्क के जरिए भारी कमाई करने को लेकर चर्चा में है। संसद में पूछे गए एक सवाल के जवाब में शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि एनटीए ने पिछले पांच वर्षों में 270 परीक्षाओं का आयोजन किया, जिनसे एजेंसी को कुल 3,545 करोड़ रुपये परीक्षा शुल्क के रूप में प्राप्त हुए। इन परीक्षाओं के आयोजन पर 3,025 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि एजेंसी ने 520 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया।

मंत्रालय के अनुसार, इस अवधि में करीब 6.6 करोड़ अभ्यर्थियों ने विभिन्न परीक्षाओं में हिस्सा लिया। केवल वर्ष 2026 में ही 565 शहरों के 5,432 परीक्षा केंद्रों पर 13 प्रमुख परीक्षाओं का आयोजन किया गया। इनमें शामिल नीट-यूजी 2026 परीक्षा 21 जून को हुई थी और 16 जुलाई को इसका परिणाम घोषित किया गया। इस परीक्षा में लगभग 20 लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 11.21 लाख अभ्यर्थी सफल घोषित हुए।

एनटीए की स्थापना वर्ष 2018 में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश एवं भर्ती परीक्षाओं के आयोजन के उद्देश्य से की गई थी। हालांकि, परीक्षा शुल्क और एजेंसी की आय को लेकर अब नई बहस छिड़ गई है।

समुद्री सीमा में हरकत की तो दुश्मन को घुसकर मारेगा आईएनएस मालवन

-1100 टन का ये स्वदेशी वॉरशिप आरबीयू-6000 रॉकेट लॉन्चर से है लैस

नई दिल्ली। भारत की समुद्री बॉर्डर पर हरकत करने वाले दुश्मन को उसी के घर में घुसकर ढेर करने के लिए भारतीय नौसेना ने एक ऐसा दांव खेला, जिससे चीन और पाकिस्तान में खलबली मच गई। नौसेना ने अपने बेड़े में घातक आईएनएस मालवन को आधिकारिक तौर पर शामिल कर लिया है। 1,100 टन का ये स्वदेशी वॉरशिप 'माहे-क्लास' का दूसरा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शेलो वॉटर क्राफ्ट है यह कोई साधारण जहाज नहीं है, बल्कि समुद्र के उथले पानी में छिपकर वार करने वाली दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढ-ढूंढकर मारने वाला आधुनिक 'अदृश्य शिकारी' है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अक्सर बड़े युद्धपोत समुद्र के कम गहराई वाले इलाकों में जाने से कतराते हैं, क्योंकि वहां जमीन या चट्टानों से टकराने का डर रहता है। दुश्मन की पनडुब्बियां इसी कमजोरी का फायदा उठाकर भारत के तटीय इलाकों में छिपने की फिराक में रहती हैं। आईएनएस मालवन को इसी खतरे को खत्म करने के लिए तैयार किया गया है। आमतौर पर युद्धपोतों में बाहर घूमने वाले पंखे होते हैं, जो पानी के भीतर भारी शोर मचाते हैं और दुश्मन को सतर्क कर देते हैं लेकिन मालवन में वॉटरजेट प्रोपल्शन सिस्टम लगा है।

इस तकनीक की वजह से ये बिना कोई शोर मचाए और बिना बुलबुले बनाए समुद्र में शांति से आगे बढ़ता रहता है। ये बेहद कम गहराई वाले पानी, नदियों के मुहाने और द्वीपों के पास भी आसानी से गश्त लगा सकता है। ये संकरे समुद्री रास्तों में 25 नॉट की रफ्तार से चल सकता है और पलक झपकते ही तीखे मोड़ ले सकता है। 1,100 टन वजनी इस शिकारी वॉरशिप में इतने घातक हथियार तैनात हैं कि अगर कोई दुश्मन पनडुब्बी इसके रडार में आ गई तो उसका बचना नामुमकिन है। पोत के आगे लगा स्वदेशी लॉन्चर एक साथ कई एंटी-सबमरीन रॉकेट दाग सकता है। ये पानी के नीचे छिपी पनडुब्बी पर गोलियों की तरह बमों की बौछार कर देता है।

जानकारी के मुताबिक इसमें लगे ट्रिपल 324एमएम टॉरपीडो ट्यूब्स से दागे जाने वाले टॉरपीडो पानी के भीतर पीछा करके दुश्मन की पनडुब्बी के परखच्चे उड़ा देते हैं। उथले पानी में समुद्र की तलहटी से टकराकर सोनार सिग्नल भटक जाते हैं लेकिन मालवन का ये खास सोनार छिपकर बैठी पनडुब्बी की सटीक लोकेशन पकड़ लेता है। ये समुद्र के संकरे रास्तों में दुश्मन के जहाजों को रोकने के लिए बारूदी सुरंगें बिछा सकता है। समुद्री सतह पर आने वाले छोटे जहाजों, नावों और ड्रोन्स को उड़ाने के लिए, इसमें 30एमएम सीआरएन-91 गन और 12.7एमएम की रिमोट-कंट्रोल्ड गन्स मौजूद हैं। हिंद महासागर और अरब सागर में पिछले कुछ समय से चीन और पाकिस्तान अपनी अंडरवॉटर हरकतें कर रहे हैं। ऐसे में आईएनएस मालवन का बेड़े में शामिल होना भारत के लिए सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक है। चीनी नौसेना अपनी युआन-क्लास एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन पनडुब्बियों के जरिए मलक्का जलडमरूमध्य और अंडमान-निकोबार के आसपास जासूसी करती रही है। ये पनडुब्बियां उथले पानी के शैडो जोन में छिपने की कोशिश करती हैं। आईएनएस मालवन इन्हीं ज़ोन में गश्त लगाकर चीन की पनडुब्बियों के सारे ठिकाने तबाह कर देगा। पाकिस्तान चीन से 8 नई 'हंगोर-क्लास' एआईपी पनडुब्बियां खरीद रहा है, जिन्हें खास तौर पर अरब सागर और गुजरात के कच्छ क्षेत्र के पास उथले पानी में तैनात करने की योजना बना रहा है। करवार में तैनात आईएनएस मालवन मकरान तट से लेकर मुंबई और करवार जैसे रणनीतिक ठिकानों की ऐसी किलेबंदी करेगा कि पाकिस्तानी पनडुब्बियां भारतीय सीमा में घुसने से पहले ही न्यूट्रलाइज कर दी जाएंगी।

छात्रों के प्रदर्शन पर राज ठाकरे की चेतावनी, मुंबई में धारा 144 लागू

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने 26 जुलाई को मुंबई में होने वाले छात्र विरोध प्रदर्शन से पहले असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जो भी इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश करेगा, उन्हें पिटाई का सामना करना पड़ेगा। यह बयान एमएनएस और शिवसेना (यूबीटी) द्वारा छात्रों के समर्थन में संयुक्त विरोध मार्च निकालने की घोषणा के बाद आया है।

यह विरोध प्रदर्शन बीते कुछ दिनों से जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में है, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। राज ठाकरे के अलावा, उद्धव ठाकरे ने भी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों से मिलकर अपना समर्थन जताया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार सहित कई अन्य राजनीतिक नेताओं ने भी इन प्रदर्शनों का समर्थन किया है।

न्यूज गैलरी

परसवाड़ा में दिनदहाड़े बड़ी चोरी खेत गए किसान के सूने घर से 1 लाख से अधिक के जेवर और नगदी पार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के परसवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम अरंडिया में दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने किसान के सूने मकान का ताला तोड़कर सोने चांदी के जेवरात और नगदी सहित 1 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। घटना उस समय हुई जब किसान अपनी पत्नी के साथ खेत में कृषि कार्य कर रहा था। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अरंडिया निवासी 55 वर्षीय किसान लखीराम बिसेन अपनी पत्नी सकून बाई के साथ गांव में रहकर खेती किसानी करते हैं। उनका बेटा अपने परिवार के साथ नागपुर में रहता है। जबकि बेटी की भी शादी हो चुकी है। घर में परिवार के सोने चांदी के जेवरात संदूक और अलमारी में सुरक्षित रखे गए थे।22 जुलाई की सुबह करीब 8 बजे लखीराम बिसेन खेत चले गए थे। सुबह करीब 10-30 बजे उनकी पत्नी सकून बाई भी खेत में परहा लगाने पहुंच गई थी। दोपहर करीब 1 बजे जब वह खाना लेने घर लौटीं तो मकान का मुख्य ताला टूटा हुआ मिला। उन्होंने तुरंत पति को फोन कर घटना की जानकारी दी।दोनों घर पहुंचे तो देखा कि संदूक अलमारी और सूटकेस के ताले टूटे हुए थे तथा पूरा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर दो सोने के मंगलसूत्र, दो जोड़ी सोने के झुमके, दो जोड़ी बालियां, सोने की तीन पत्ती, चांदी की दो जोड़ी पायजेब, एक करधन तथा 15 हजार रुपये नगद गायब मिले। चोरी गए जेवरात और नगदी की कीमत 1 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। किसान लखीराम बिसेन की शिकायत पर परसवाड़ा पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ घर में घुसकर चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के संदिग्धों और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम मिरगपुर में भी अज्ञात चोरों ने तीन सराफा दुकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर चुके है।

सांसद की फर्जी फेसबुक आईडी, भाजपा नेता का व्हाट्सएप हैक, साइबर ठगों के निशाने पर जिले के जनप्रतिनिधि

फोटो और नाम का दुरुपयोग कर परिचितों से मांगे जा रहे रुपये, सांसद भारती पारधी और भाजपा कार्यालय महामंत्री सुमित यादव ने जारी किया अलर्ट

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में साइबर अपराध के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब साइबर ठग आम लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को भी निशाना बनाने लगे हैं। ताजा मामला बालाघाट से सामने आया है, जहां साइबर अपराधियों ने बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद भारती पारधी के नाम और फोटो का दुरुपयोग करते हुए उनकी फर्जी (क्लोन) फेसबुक आईडी बना ली है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय महामंत्री सुमित यादव का व्हाट्सएप अकाउंट भी हैक कर लिया गया, जिसके बाद उनके परिचितों से पैसों की मांग किए जाने के संदेश भेजे जा रहे हैं।दोनों घटनाओं के सामने आने के बाद जिले में साइबर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। सांसद भारती पारधी और भाजपा नेता सुमित यादव ने स्वयं सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को सतर्क रहने की अपील की है और स्पष्ट किया है कि उनके नाम से आने वाले किसी भी संदिग्ध संदेश या पैसों की मांग पर भरोसा न करें।

जानकारी के अनुसार, साइबर ठगों ने सांसद भारती पारधी के नाम और फोटो का उपयोग कर फेसबुक पर एक क्लोन आईडी तैयार की है। इसके

बाद इस फर्जी अकाउंट से उनके परिचितों, समर्थकों और आम लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि रिक्वेस्ट स्वीकार करने के बाद लोगों से किसी बहाने आर्थिक सहायता या ऑनलाइन लेन-देन

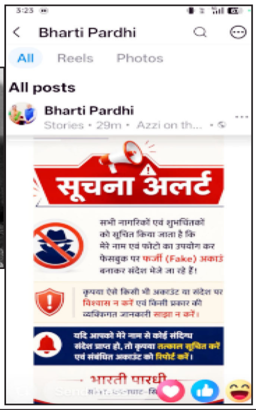

की मांग की जा सकती है।इसी तरह भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय महामंत्री सुमित यादव का व्हाट्सएप अकाउंट भी साइबर अपराधियों ने हैक कर लिया। अकाउंट हैक होने के बाद उनके नंबर से परिचितों और रिश्तेदारों को मैसेज भेजकर तत्काल पैसों की मांग की जा रही है। कुछ लोगों को ऑनलाइन ट्रांसफर करने के लिए बैंक खाते और डिजिटल भुगतान संबंधी जानकारी भी भेजी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही सांसद भारती पारधी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लोगों को आगाह करते हुए कहा कि यदि किसी को उनसे कोई आवश्यक कार्य हो तो वह सीधे दूरभाष पर संपर्क करें या व्यक्तिगत रूप से मिलें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके नाम से सोशल मीडिया पर आने वाले किसी भी संदिग्ध संदेश, फ्रेंड रिक्वेस्ट या पैसों की मांग पर विश्वास न करें। वहीं सुमित यादव ने भी लोगों से अपील की है कि उनके व्हाट्सएप नंबर से यदि किसी प्रकार की आर्थिक सहायता या रुपये भेजने का संदेश प्राप्त हो तो उसे पूरी तरह नजरअंदाज करें। उन्होंने कहा कि बिना पुष्टि किए किसी भी प्रकार का ऑनलाइन भुगतान न करें और पहले सीधे फोन कर जानकारी अवश्य लें। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान समय में क्लोन फेसबुक आईडी और व्हाट्सएप हैकिंग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अपराधी पहले किसी व्यक्ति का फोटो और नाम इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाते हैं, फिर उसके परिचितों का विश्वास जीतकर उनसे पैसों की मांग करते हैं। कई मामलों में ओटीपी, लिंक या अन्य तकनीकी माध्यमों से व्हाट्सएप अकाउंट पर भी कब्जा कर लिया जाता है। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों को देखते हुए पुलिस और साइबर सेल भी लोगों से सतर्क रहने की अपील कर रही है। किसी भी सोशल मीडिया अकाउंट से यदि अचानक आर्थिक मदद की मांग की जाए या कोई संदिग्ध लिंक भेजा जाए तो उसकी सत्यता की पुष्टि किए बिना कोई कार्रवाई न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल साइबर हेल्पलाइन या स्थानीय पुलिस को देने की सलाह दी गई है।

नाबालिक का अपहरण और दुष्कर्म के दोषी को 20 साल सश्रम कारावास-10 हजार का अर्थदंड

विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत का फैसला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम की अदालत ने नाबालिक किशोरी के

अपहरण और दुष्कर्म के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। विद्वान अदालत ने भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम बघोली निवासी आरोपी दर्शन पिता सोहन सिंह मसराम 28 वर्ष को दोषी मानते हुए 20 वर्ष की सश्रम कारावास और कुल 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।यह सजा 23 जुलाई 2026 को सुनाई गई।इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक संचालक/ विशेष लोक अभियोजक कपिल कुमार डहेरिया ने प्रभावी पैरवी की थी। अभियोजन के अनुसार 4 जुलाई 2022 को दोपहर 2 बजे किशोरी रुक जाना नहीं योजना का फॉर्म भरने कैफे जा रही हूं कहकर घर से निकली थी। काफी देर तक वापस न आने पर परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास पता किया।लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला।5 जुलाई 2022 को किशोरी की मां की रिपोर्ट पर भरवेली पुलिस थाने में अज्ञात के खिलाफ अपहरण का अपराध दर्ज किया गया। जांच के दौरान 28 जनवरी 2023 की शाम 7-30 बजे भरवेली पुलिस ने नागपुर में एक झोपड़ी से किशोरी को आरोपी दर्शन मसराम के कब्जे से दस्तयाब किया और उसे भरवेली थाने लाया गया।पूछताछ में किशोरी ने बताया कि उसकी मां टाइल्स फैक्ट्री में काम करती थी। वहीं काम करने वाले दर्शन मसराम से उसकी जान पहचान हुई थी। दर्शन ने शादी का प्रस्ताव रखा था जिसे उसने ठुकरा दिया था। इसके बाद 4 जुलाई 2022 को दर्शन मसराम ने उसे राम मंदिर भरवेली के पास मिलने बुलाया और वहां से जबरदस्ती बालाघाट होते हुए बस से नागपुर ले गया। नागपुर के विट्ठल नगर में निर्माणाधीन बिल्डिंग में झोपड़ी बनाकर रखा और 6 जुलाई 2022 से लगातार दुष्कर्म व मारपीट करता रहा। परेशान होकर किशोरी ने फोन कर अपनी मां को पूरी बात बताई।इस मामले में भरवेली पुलिस ने धारा 363, 366, 376(2)(एन) भादवि एवं धारा 5(एल)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर इस मामले में दर्शन मसराम को गिरफ्तार किया गया ।विवेचना के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। यह मामला लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की विशेष न्यायाधीश गौतमसिह मरकाम की अदालत में चला।अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी दर्शन मसराम को दोषी पाया। विद्वान अदालत में इस मामले में आरोपी दर्शन मसराम कोधारा 366 भादवि में 7 वर्ष सश्रम कारावास और3000 रुपये अर्थदंड। धारा 376(2)(एन) भादवि एवं धारा 6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष सश्रम कारावास और 7000 रुपये अर्थदंड से दंडित किये।अदालत ने दोनों सजाएं साथ-साथ चलाने के आदेश दिए हैं।

कीटनाशक सेवन से व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत

पैरालिसिस से पीड़ित था संजय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल बालाघाट कीटनाशक के सेवन से जिला अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक संजय पिता प्रेमदास बोरकर 48 वर्ष ग्राम चंगेरा थाना किरनापुर निवासी बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय बोरकर दो भाइयों में बड़ा था। उसका छोटा भाई विजय बोरकर अपने परिवार के साथ ग्राम चंगेरा में रहता है। बताया गया है कि करीब 20-22 वर्ष की आयु से संजय दुर्ग में रहकर मजदूरी करता था। उसने दुर्ग की ही लड़की से विवाह किया था और उसका एक पुत्र भी है। विवाह के बाद पति पत्नी समय समय पर अपने पैतृक गांव चंगेरा आते-जाते थे।बताया जाता है कि वर्ष 2019 में संजय बोरकर लकवा से पीड़ित हो गया था। बीमारी के बाद उसकी पत्नी उसे गांव चंगेरा छोड़कर चली गई। इसके बाद से संजय अपने छोटे भाई विजय बोरकर के परिवार के साथ ही रह रहा था। संजय की

देखभाल, इलाज और दैनिक जरूरतों की जिम्मेदारी उसका छोटा भाई ही निभा रहा था। परिजनों के अनुसार पैरालिसिस के कारण वह ठीक से चल-फिर भी नहीं पाता था। यह भी बताया गया कि पत्नी के गांव छोड़कर जाने के बाद वह दोबारा अपने पति से मिलने नहीं आई। 23 जुलाई की सुबह जब घर के लोग जागे तो संजय घर में मुंह पर कपड़ा लपेटे बैठा हुआ था और उसकी हालत सामान्य नहीं लग रही थी। छोटे भाई विजय ने जब उसके मुंह से कपड़ा हटाया तो कीटनाशक दवा की तेज दुर्गंध महसूस हुई। इससे आशंका हुई कि उसने कीटनाशक का सेवन कर लिया है। परिजनों को यह जानकारी नहीं है कि वह कीटनाशक दवा कहां से लाया था।घटना के बाद परिजन तत्काल संजय को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया। हालांकि उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए पंचनामा तैयार किया और शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच के लिए प्रकरण थाना किरनापुर भेज दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि संजय बोरकर ने किन परिस्थितियों में कीटनाशक का सेवन किया। इस मामले की आगे जांच किरनापुर पुलिस द्वारा की जा रही है।

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट